राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | खिलाड़ियों को हर उचित अवसर उपलब्ध करा ... अमर शहीदों के त्याग एवं बलिदान से... | 10

वर्ष : 14 | अंक : 136 | पटना, मंगलवार, 25 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

बिहार में बाढ़ की स्थिति पर सीएम सम्राट चौधरी ने किया हवाई सर्वेक्षण, अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश

अलर्ट: बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सम्राट

बोलें- बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में रहे अलर्ट

- किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखी जाएं
- प्रभावित लोगों तक भोजन, पेयजल, राहत सामग्री और अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए

प्रात : किरण

पटना। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के उफान के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री ने पटना, भागलपुर, कटिहार, नवगछिया, बेगूसराय और खगड़िया के प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर, दियारा एवं निचले क्षेत्रों में उत्पन्न स्थिति तथा प्रभावित इलाकों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों तक भोजन, पेयजल, राहत सामग्री और अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखी जाएं। हवाई सर्वेक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने भागलपुर एयरपोर्ट पर उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बाढ़ की स्थिति, नदियों के जलस्तर, राहत एवं बचाव कार्यों और प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि पानी का दबाव तेजी से कम हो रहा है और बहुत जल्द स्थिति में सुधार होने की संभावना है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री से वार्ता किए जाने के बाद फरक्का बराज के सभी गेट खोल दिए गए हैं। इससे गंगा नदी के जलस्तर और बाढ़ की स्थिति में सुधार की उम्मीद जताई गई है।

जलस्तर तथा तटबंधों की स्थिति की लगातार निगरानी हो: मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश देते हुए कहा कि राहत और बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। जलस्तर और बाढ़ की स्थिति में होने वाले प्रत्येक बदलाव की लगातार निगरानी की जाए। सीएम सम्राट ने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में तत्काल आवश्यक मरम्मती कार्य कराने और वहां लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग पूरी तरह मुस्तैद रहे और नदियों के जलस्तर तथा तटबंधों की स्थिति की लगातार निगरानी करता रहे। बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों को मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

गांधीघाट में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 97 सेंटीमीटर ऊपर

इस बीच, केंद्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार सुबह छह बजे पटना के गांधीघाट में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 97 सेंटीमीटर ऊपर दर्ज किया गया। दीघाघाट में गंगा 30 सेंटीमीटर और हाथीदह में 75 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। भागलपुर के कहलगांव में भी गंगा खतरे के निशान से 46 सेंटीमीटर ऊपर थी। गोपालगंज के डुमरियाघाट में गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 69 सेंटीमीटर ऊपर रहा। खगड़िया के बलतारा में कोसी नदी 81 सेंटीमीटर और खगड़िया में बूढ़ी गंडक 29 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। कटिहार के कुरसेला में कोसी का जलस्तर 34 सेंटीमीटर तथा सिवान के दरौली में घाघरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 41 सेंटीमीटर ऊपर दर्ज किया गया। मनेर में सोन नदी भी 36 सेंटीमीटर ऊपर थी। दियारा और निचले इलाकों में पानी बढ़ने से कई जगहों पर लोगों की परेशानी बढ़ी है। प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लॉन्च किया बिहार विद्या साथी, 75 हजार शिक्षक देंगे ऑनलाइन सहयोग

बिहार विद्या साथी ऐप से बच्चों की पढ़ाई होगी आसान 247 शिक्षक ऑनलाइन होंगे उपलब्ध : मुख्यमंत्री

- कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क लाइव शिक्षा उपलब्ध
- 38 जिलों के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों के करीब 3 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

प्रात : किरण

पटना। पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को राज्य के 38 जिलों के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले बिहार विद्या साथी ऐप की शुरूआत की। लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शुरू किए गए इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से करीब तीन लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में ह्यबिहार विद्या साथीह्र महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से विद्यार्थी जब चाहें और जहां से चाहें, पढ़ाई से जुड़ी अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 24 घंटे लाइव शिक्षक उपलब्ध रहेंगे।

ये रहें मौजूद :- कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन और बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. त्यागराजन एस.एम. समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के जिलाधिकारी और विद्यार्थी भी जुड़े।

वन-टू-वन लाइव ट्यूटर सपोर्ट के लिए 75 हजार शिक्षक उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्यार्थी अपनी आवश्यकता और पसंद के अनुसार शिक्षक का चयन कर वन-टू-वन संवाद के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए करीब 75 हजार शिक्षक विद्यार्थियों को व्यक्तिगत शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराएंगे। पढ़ाई के दौरान पाठ से संबंधित किसी समस्या का त्वरित और निःशुल्क समाधान भी इस मंच के माध्यम से मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों को सभी विषयों के लिए लाइव ट्यूटर सपोर्ट मिलेगा, जबकि कक्षा 11वीं और 12वीं के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के लिए बिहार बोर्ड के साथ जेईई और नीट की तैयारी के लिए डिजिटल अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक एआई आधारित टूल्स के माध्यम से विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ को मजबूत किया जाएगा। विद्यार्थियों को असीमित अध्ययन और अभ्यास की सुविधा भी मिलेगी।

पढ़ाई के दौरान पाठ से जुड़ी किसी समस्या का नि:शुल्क एवं त्वरित समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि 700 विद्यालयों से शुरू की जा रही यह व्यवस्था आगे राज्य के अन्य विद्यालयों तक भी विस्तारित की जाएगी। सम्राट चौधरी ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस सुविधा का भरपूर लाभ उठाएं और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कर ज्ञान एवं कौशल को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि विद्यार्थी जहां भी हों और जब भी पढ़ें, उनके सवालों का जवाब और शिक्षक का सहयोग हमेशा उपलब्ध रहे। कार्यक्रम के दौरान बिहार विद्या साथी ऐप पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई। राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर की छात्राओं जाह्नवी और जिया ने ऐप के उपयोग का प्रदर्शन किया तथा इससे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।

जीविका दीदियों की पहल से सुलभ हुआ इलाज: 45 स्वास्थ्य सहायता केंद्रों के जरिए गरीब परिवारों को मिल रहा बड़ा संबल

- अब तक राज्य के 35 बड़े सरकारी अस्पतालों और 10 मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य मित्र दे रहे चौबीसों घंटे अपनी सेवा

प्रात : किरण

पटना। सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को जानकारी के अभाव में अक्सर इधर-उधर भटकना पड़ता है। उनकी इस समस्या का समाधान बनकर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं जीविका दीदियां सामने आई हैं। राज्य सरकार और जीविका (बिहार ग्रामीण जीविका प्रोत्साहन समिति) के साझा प्रयासों से अस्पतालों में संचालित कुल 45 जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र (हेल्प डेस्क) पर तैनात स्वास्थ्य मित्र के रूप में ये दीदियां लोगों को न सिर्फ बीमारी से संबंधित डॉक्टर बल्कि जांच और दवा केंद्र तक पहुंचने में बखूबी मदद कर रही हैं। जीविका के पहले स्वास्थ्य सहायता केंद्र की स्थापना 5 सितंबर 2022 को भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में की गई थी। यहां अलग-अलग शिफ्टों में तैनात स्वास्थ्य मित्र के रूप में प्रशिक्षित यह दीदियां शिफ्ट के अनुसार लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में मदद करती हैं। ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों से पहुंचने वाले लोगों को यह दीदियां बिना किसी भटकाव सीधे डॉक्टर का चेंबर और जांच, दवा केंद्र तक पहुंचाने में मदद करती हैं।

इस पहल की सफलता को देखते हुए इसका राज्य भर में तेजी से विस्तार किया गया। वर्तमान आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में स्थापित 45 केंद्रों में से 35 सहायता केंद्र राज्य के बड़े सरकारी/जिला अस्पतालों में और 10 सहायता केंद्र प्रमुख चिकित्सा महाविद्यालयों (मेडिकल कॉलेजों) एवं अस्पतालों में क्रियान्वित हैं।

स्वास्थ्य मित्र संभाल रहे कमान, संकुल स्तरीय संघ से चयन: सरकारी अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में संचालित सहायता केंद्रों के सुचारू संचालन के लिए स्थानीय जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) द्वारा स्वास्थ्य मित्रों का चयन किया जाता है। प्रशिक्षण के बाद अस्पतालों में अलग-अलग शिफ्टों में तैनात ये स्वास्थ्य मित्र मरीजों की सहूलियत के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हैं। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़े सदस्यों या उनके परिजनों के अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में स्वास्थ्य मित्र निर्धारित प्रपत्र (फॉर्म) में मरीजों का पूरा विवरण दर्ज करते हैं और उनकी आवश्यकतानुसार हर संभव मदद सुनिश्चित करते हैं।

भर्ती मरीजों की ट्रैकिंग और अनुश्रवण: अस्पतालों में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य में हो रहे सुधार का नियमित रूप से अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) किया जाता है। आगे के परामर्श और फॉलो-अप इलाज के लिए डॉक्टरों से समन्वय कराने का काम भी स्वास्थ्य मित्र करते हैं। इस व्यवस्था से दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से आने वाले ऐसे गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले अस्पतालों की जटिल प्रक्रियाओं और भाग-दौड़ के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जीविका की यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को आसान बना रही है, बल्कि महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सेवा का एक अनूठा मॉडल भी पेश कर रही।

> राज्य के अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में हेल्प डेस्क जैसी व्यवस्था का सीधा लाभ हमारे गरीब और ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों को मिल रहा है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि इलाज के लिए आने वाले हर व्यक्ति को त्वरित और सहज सहायता मिले, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई या बिचौलियों का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य सेवाओं में यह सुधार जनता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।
>
> **श्रवण कुमार, (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग)**

मधेपुरा स्थित सिंहेश्वर धाम में जलाभिषेक के दौरान छह श्रद्धालु घायल

प्रात : किरण

पटना। बिहार के प्रसिद्ध सिंहेश्वर धाम मंदिर में सावन की आखिरी सोमवारी पर सोमवार सुबह भारी भीड़ के कारण अचानक अफरा-तफरी मच गई। सुबह करीब 6:25 से 7 बजे के बीच जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ मंदिर परिसर में पहुंच गए। भीड़ में कई श्रद्धालु दब गए, जिनमें कुछ महिलाएं भी शामिल थीं। हादसे में 6 श्रद्धालुओं के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों और पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभाला। भीड़ में फंसे श्रद्धालुओं को तत्काल बाहर निकाला गया और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्था की थी, लेकिन उम्मीद से कहीं अधिक संख्या में लोग एक साथ मंदिर परिसर में प्रवेश कर गए। अत्यधिक और अनियंत्रित भीड़ के कारण कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भीड़ को नियंत्रित किया और श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों के अनुसार, घायलों की स्थिति को लेकर फिलहाल किसी गंभीर खतरे की सूचना नहीं है। सावन महीने की अंतिम सोमवारी को लेकर बिहार के तमाम शिवालयों में अलसुबह से ही जलाभिषेक किया जा रहा है। इस खास अवसर पर मुजफ्फरपुर के प्रसिद्ध गरीबनाथ धाम, लखीसराय के अशोक धाम और मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में बाबा भोलेनाथ पर जलार्पण करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है ।इससे पहले 17 अगस्त को लखीसराय के अशोक धाम में भगदड़ के दौरान 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद प्रशासन ने प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को लेकर विशेष सतर्कता बरती है। अशोक धाम में इस बार श्रद्धालुओं के लिए अरघा सिस्टम लागू किया गया। सुबह 3 से 5 बजे तक बड़ी संख्या में भक्तों ने इस व्यवस्था के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से जलाभिषेक किया। भीड़ कम होने के बाद स्थिति सामान्य रही।

20 बागी सांसदों की अयोग्यता के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी, 25 अगस्त को होगी सुनवाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस ने पार्टी के 20 बागी सांसदों की अयोग्यता से जुड़े मामले में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा निर्णय लेने में हो रही देरी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ इस याचिका पर विचार करेगी। यह याचिका टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के माध्यम से दायर की गई है। पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से लोकसभा अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर समयबद्ध फैसला लेने के निर्देश देने की मांग की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद टीएमसी के 20 लोकसभा सांसदों का पार्टी छोड़कर नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। इसके बाद टीएमसी ने इन सांसदों के खिलाफ दल-बदल कानून के तहत अयोग्यता याचिकाएं दायर की थीं। पार्टी का कहना है कि सांसदों ने जिस दल के टिकट पर चुनाव जीता था, उसे छोड़ने के बाद उनकी संसद सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय ने अभी तक इन याचिकाओं पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से पहले अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर अयोग्यता याचिकाओं के शीघ्र निपटारे की मांग की थी। इससे पहले अभिषेक बनर्जी, महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी सहित टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं ने स्पीकर से मुलाकात कर 20 बागी सांसदों को तत्काल अयोग्य घोषित करने का आग्रह किया था। हालांकि, स्पीकर कार्यालय की ओर से अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इसी वजह से टीएमसी ने न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि बागी सांसदों को लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था दी जा चुकी है, जबकि उनके नए दल में शामिल होने को लेकर औपचारिक मान्यता का मुद्दा अभी भी चर्चा में है। वहीं, हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भी दिल्ली में इन 20 सांसदों के साथ बैठक की थी। इन सांसदों से पीएम मोदी ने भी मुलाकात

गंगा के तेज कटाव से राघोपुर बांध 30 मीटर क्षतिग्रस्त, बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी

प्रात : किरण

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज कटाव के कारण खरीक प्रखंड स्थित काजीकोरैया-राघोपुर मार्जिनल बांध के ई-नोज के डाउनस्ट्रीम में राघोपुर बांध-सह-रेलवे टैगिंग बांध करीब 30 मीटर की लंबाई में क्षतिग्रस्त हो गया है। विभाग के अनुसार, सोमवार तड़के करीब दो बजे यह क्षति हुई। इसके बाद दोनों कट-एंड को सुरक्षित रखने और पानी के फैलाव को रोकने के लिए रिंग बांध बनाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। जल संसाधन विभाग के मुताबिक, काजीकोरैया-राघोपुर मार्जिनल बांध गंगा नदी के बाएं किनारे पर स्थित है और इसकी कुल लंबाई 6.50 किलोमीटर है। बांध पर पांच नोज निर्मित हैं। नदी के बीच में शोल बनने के कारण मानसून की शुरूआत से ही गंगा की धारा का दबाव बांध पर बना हुआ है। जलस्तर बढ़ने के कारण 26 जुलाई को डी-नोज के पास करीब 110 मीटर लंबाई में अंडरमाइनिंग के चलते कटाव सामने आया था। विभागीय अधिकारियों और अभियंताओं ने मौके पर लगातार कैंप करते हुए बाढ़ संघर्षात्मक कार्य कराया और 27 जुलाई को सुबह चार बजे तक कटाव को नियंत्रित कर लिया गया था। इसके बाद क्षतिग्रस्त हिस्से को मजबूत करने के लिए 110 मीटर में छह मीटर चौड़ा एनसी बेस तैयार किया गया तथा बंबू रोल और हाथी पांव तकनीक से सुरक्षा कार्य कराया गया। विभाग ने डी-नोज के अपस्ट्रीम में नदी के दबाव को देखते हुए 250 मीटर की लंबाई में 10-10 मीटर के अंतराल पर 25 स्लोपिंग बेड बार भी बनाए हैं। 26 जुलाई से 24 अगस्त के बीच विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर कटाव की स्थिति सामने आती रही, जिसे लगातार बाढ़ संघर्षात्मक कार्य के जरिए नियंत्रित किया गया। मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्थल पर अभियंताओं की अतिरिक्त टीम तैनात की गई है।

मूल रूप से एक सहायक अभियंता और चार कनीय अभियंताओं के अलावा पालीवार एक सहायक अभियंता और दो कनीय अभियंताओं की टीम लगाई गई है। एक अतिरिक्त कार्यपालक अभियंता की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। 17 अगस्त से अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता और सहायक अभियंता की विशेष टीम भी मौके पर कैंप कर रही है।

शुभारंभ | मुख्यमंत्री ने ज्ञान भवन में आयोजित भोजपुरी बवाल के ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

बिहार में फिल्म सिटी का निर्माण किया जायेगा, सरकार देगी पूरा सहयोग : मुख्यमंत्री

- बिहार की सभ्यता और संस्कृति को दुनिया के फलक पर स्थापित करना सरकार के साथ-साथ सभी की प्राथमिकता

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित ज्ञान भवन में आयोजित भोजपुरी बवाल के ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की धरती पर जियो हॉट स्टार और कलर्स द्वारा भोजपुरी बवाल जैसे कार्यक्रम का आयोजन होना हर्ष का विषय है। मैं पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। बिहार बदल चुका है और फिल्म जगत से जुड़े लोगों का बिहार में स्वागत है। सरकार फिल्म निर्माण से जुड़े कलाकारों एवं निमाताओं को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार वह धरती है, जिसने लगभग 2000 वर्ष पूर्व भारत को स्वर्णिम काल दिया। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों से पूरी दुनिया में ज्ञान की रोशनी पहुंची। पाटलिपुत्र की धरती ऐतिहासिक रूप से भारत की सत्ता और संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र रही है। बिहार की समृद्ध सभ्यता, संस्कृति और विरासत को सकारात्मक रूप में दुनिया के सामने लाने की आवश्यकता है। बिहार में 54 फिल्मों की शूटिंग के लिए सरकार ने सहमति दी है। अभिनेता श्री सुनील शेट्टी ने भी बिहार में अक्टूबर माह से फिल्म की शूटिंग करने की इच्छा व्यक्त की है। भोजपुरी के साथ-साथ अंगिका, मगही, बज्जिका और मैथिली भाषाओं में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करें, सरकार आप सबों को पूरा सहयोग करेगी।

फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार दे रही है हरसंभव सहयोग: मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में ईको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। पर्यटन के माध्यम से बिहार के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक विरासत की सुंदर तस्वीर लोगों के सामने आ रही है। कम्प्यूटर से क्रिएटर और ऑडियंस से इन्वेस्टर की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने बिहार के युवाओं की प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में बिहार के युवा लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हैं। सरकार ने 700 मॉडल स्कूल स्थापित किए हैं, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। विद्यार्थियों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर ऑनलाइन माध्यम से भी शिक्षकों की सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।

सभी कलाकार बिहार की सकारात्मक छवि को प्रस्तुत करें: मुख्यमंत्री ने कहा कि 14 करोड़ बिहारवासियों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लगभग 26 करोड़ लोगों और दुनिया भर के दर्शकों तक कार्यक्रम पहुंचना चाहिए। आप सभी कलाकार बिहार की सकारात्मक छवि को प्रस्तुत करें, बिहार की संस्कृति को आगे बढ़ायें और बिहार का ब्रांड एंबेसडर बनें। हम सब मिलकर बिहार को श्रेष्ठ, समृद्ध और विकसित बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की सभ्यता और संस्कृति को दुनिया के फलक पर स्थापित करना सरकार के साथ-साथ हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिये। फिल्मों के माध्यम से बिहार के सकारात्मक पक्ष को सभी के सामने लाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने भोजपुरी फिल्म जगत के कलाकारों से आग्रह किया कि वे मिलकर बिहार में फिल्म सिटी के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करें, फिल्म सिटी का निर्माण किया जायेगा। बिहार के बच्चों में अभिनेता, निर्देशक, लेखक, संगीतकार और फिल्म निर्माण से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रतिभा और क्षमता है, सरकार उन्हें बेहतर अवसर और आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

ये रहें मौजदू: - इस अवसर पर विधायक आलोक कुमार सिंह, अभिनेता एवं विधान पार्षद पवन सिंह, विधायक महेश पासवान, विधान पार्षद संतोष कुमार सिंह, पूर्व सांसद सह अभिनेता दिनेश लाल यादव, जियो स्टार की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सीता लक्ष्मी वी अय्यर, अभिनेत्री आम्रपाली, अभिनेत्री काजल राघवानी, अभिनेत्री पाखी हेगड़े, वरिष्ठ पत्रकार शुभांकर मिश्रा सहित भोजपुरी मनोरंजन जगत से जुड़े अनेक जाने-माने कलाकार एवं सितारे उपस्थित थे।

एम्स पटना की बड़ी पहल: रोहतास के करमचट बाँध पर मेगा मॉक ड्रिल, 150 से अधिक लोगों की भगदड़ का रचा गया सिमुलेशन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। आपदा या सामूहिक दुर्घटना के समय कम से कम समय में अधिक से अधिक लोगों तक राहत और चिकित्सा सहायता पहुँचाने की तैयारियों को परखने के लिए एम्स पटना ने शनिवार को रोहतास जिले के करमचट बाँध में मेगा फुल स्केल लाइव मॉक ड्रिल आयोजित की। एम्स पटना से करीब 200 किलोमीटर दूर आयोजित इस अभ्यास में एनडीआरएफ, हेल्थ इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर, जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं, स्वयंसेवकों तथा एम्स पटना की मेडिकल और सपोर्ट टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल में करमचट बाँध पर 150 से अधिक लोगों की मौजूदगी के दौरान एक काल्पनिक विस्फोट के बाद भगदड़ की स्थिति का सिमुलेशन किया गया। इसमें बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सहित करीब 70 सिमुलेटेड कैजुअल्टी दिखाई गईं। इनमें 25 गंभीर यानी रेड जोन और 45 ग्रीन जोन कैजुअल्टी शामिल थीं। अभ्यास के दौरान दो लोगों के बाँध के पानी में गिरने की स्थिति का भी सिमुलेशन किया गया ताकि जल बचाव और चिकित्सा टीमों के बीच समन्वय को परखा जा सके। अभ्यास का नेतृत्व प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, ट्रॉमा सर्जरी एवं क्रिटिकल केयर विभाग, एम्स पटना ने इंसिडेंट कमांडर के रूप में किया। मॉक ड्रिल में इंसिडेंट कमांड सिस्टम, मरीजों की पहचान और ट्रायेज, मरीजों की आवाजाही, पुनर्जीवन, आपातकालीन उपचार, संसाधनों की उपलब्धता, सुरक्षा, संचार तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को वास्तविक आपदा जैसी परिस्थितियों में परखा गया। मॉक ड्रिल का एक प्रमुख आकर्षण भीष्म क्यूब की त्वरित तैनाती रहा। इसके माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया कि किसी दूरस्थ या संसाधन सीमित क्षेत्र में भी आवश्यक चिकित्सा उपकरण, डायग्नोस्टिक सुविधाएं और जीवनरक्षक उपचार कितनी तेजी से उपलब्ध कराए जा सकते हैं। चेस्ट ट्यूब इंसर्शन, पेल्विक स्टेबलाइजेशन, स्प्लिंटिंग, टूर्निकेट लगाने, घाव की ड्रेसिंग, दर्द नियंत्रण और स्यूचरिंग जैसी आपातकालीन प्रक्रियाओं का भी सिमुलेशन किया गया। इसके डिजिटल इन्वेंटरी सिस्टम और स्वनिर्भर तरीके से काम करने की क्षमता का भी प्रदर्शन किया गया। पानी में दो लोगों के गिरने के सिमुलेटेड परिदृश्य में डॉ. सी. बी. नारायण के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम ने तकनीकी जल बचाव अभियान चलाया। एक सिमुलेटेड कैजुअल्टी को मृत घोषित किया गया जबकि दूसरे को सफलतापूर्वक पानी से बाहर निकालकर पुनर्जीवन और आपातकालीन चिकित्सा उपचार दिया गया। इस अभ्यास ने दिखाया कि जटिल आपदा की स्थिति में बचाव और चिकित्सा टीमों के बीच तेज और प्रभावी तालमेल कितना महत्वपूर्ण है। अर्जुन फाउंडेशन के करीब 30 स्वयंसेवकों ने सिमुलेटेड कैजुअल्टी और रोल प्लेयर के रूप में भाग लिया। स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी ने पूरे अभ्यास को वास्तविक आपदा जैसा माहौल देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और टीमों को अपनी तैयारियों को व्यावहारिक रूप से परखने का अवसर मिला। फुल स्केल फील्ड मॉक ड्रिल से पहले 24 जुलाई 2026 को एम्स पटना में टेबलटॉप एक्सरसाइज भी आयोजित की गई थी। इसमें संभावित आपदा परिदृश्य, इंसिडेंट कमांड सिस्टम, संसाधनों की तैनाती और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की रणनीति पर चर्चा की गई। इसके बाद लृएडउ, बिहार सरकार और अन्य संबंधित हितधारकों के सहयोग से फील्ड मॉक ड्रिल आयोजित की गई जिससे तैयारियों को वास्तविक फील्ड परिस्थितियों में परखने का अवसर मिला। अभ्यास के बाद डीब्रीफिंग सेशन आयोजित कर सामने आई कमियों, चुनौतियों और सुधार की संभावनाओं की समीक्षा भी की गई। घटना स्थल का पहले से निरीक्षण, स्थानीय प्रशासन के साथ समय रहते समन्वय, मरीजों की सुचारु आवाजाही, प्रभावी संचार व्यवस्था और संसाधनों की समय पर तैनाती को प्रमुख सीख के रूप में चिन्हित किया गया। प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, एम्स पटना ने मॉक ड्रिल में शामिल सभी टीमों के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स पटना आपदा और सामूहिक दुर्घटनाओं की स्थिति में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अपनी तैयारियों और संस्थागत क्षमता को लगातार मजबूत कर रहा है। प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार ने कहा कि एम्स पटना भविष्य में भी नियमित रूप से फुल स्केल मॉक ड्रिल आयोजित करने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा कि बिहार के अलग अलग जिलों में इस तरह के अभ्यास आयोजित करने से आपदा चिकित्सा प्रतिक्रिया, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और मैदानी स्तर पर तैयारियों को और मजबूत किया जा सकेगा। एम्स पटना ने डॉ. सी. बी. नारायण और एनडीआरएफ टीम, डॉ. रागिनी मिश्रा और लृएडउ टीम, रोहतास जिला प्रशासन, पुलिस एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों, अर्जुन फाउंडेशन के करीब 30 स्वयंसेवकों तथा एम्स पटना के सभी डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिक्स, प्रशासनिक, तकनीकी और सहयोगी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मॉक ड्रिल के क्लिनिकल और ऑपरेशनल सिमुलेशन में योगदान देने वाले एम्स पटना के सदस्यों में इरशाद, असुति, दीपिका राठौर, मोना कश्यप, लॉरेंस, इंद्रजीत, मोहन, संगीता ठाकुर, विकेश कुमार सिंह, अमित कुमार, कुंदन, राजा, दीपक और अर्जेश शामिल रहे। इनके साथ एम्स पटना की व्यापक क्लिनिकल, लॉजिस्टिक्स, प्रशासनिक और सपोर्ट टीमों ने भी अभ्यास को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह मेगा मॉक ड्रिल एक स्पष्ट संदेश लेकर आई कि आपदा आने के बाद तैयारी शुरू नहीं होती, तैयारी पहले से की जाती है। करमचट बाँध में हुए इस अभ्यास ने दिखाया कि सही योजना, त्वरित बचाव, व्यवस्थित ट्रायेज, मौके पर चिकित्सा सुविधा और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से आपदा की घड़ी में अनमोल जिंदगियों को बचाने की क्षमता को और मजबूत किया जा सकता है।

पाटलिपुत्र उप डाकघर के नवीनीकृत भवन का हुआ उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय डाक विभाग द्वारा डाक सेवाओं को आधुनिक, सुगम, प्रभावी एवं नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत पाटलिपुत्र उप डाकघर, पटना के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन सोमवार को किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय डाक विभाग द्वारा देशभर में आयोजित कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़ा रहा। इस अवसर पर देशभर में नवीनीकृत किए गए 14 डाकघरों के भवनों का वर्चुअल लोकार्पण माननीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया द्वारा किया गया। बिहार में पाटलिपुत्र उप डाकघर का नवीनीकृत भवन भी इस राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा बना। कार्यक्रम के दौरान रिवैम्प्ड डाक सेवा ऐप एवं रिवैम्प्ड डाक मित्र ऐप का भी शुभारंभ किया गया। इन दोनों डिजिटल पहलों का उद्देश्य डाक सेवाओं को अधिक आधुनिक, सुगम, प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक केंद्रित बनाना तथा नागरिकों को डिजिटल माध्यम से बेहतर सेवा अनुभव उपलब्ध कराना है। श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण पर दिया जोर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारतीय डाक को देश के सबसे व्यापक एवं भरोसेमंद जनसेवा नेटवर्क में से एक बताते हुए डाक सेवाओं के निरंतर आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक अवसंरचना और नई तकनीक के समुचित उपयोग के माध्यम से डाकघरों को बदलती नागरिक आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक सक्षम, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बनाया जा रहा है। उन्होंने भारतीय डाक की डिजिटल परिवर्तन यात्रा को और गति देने तथा डाक सेवा, जन सेवा की भावना को मजबूत करने पर भी बल दिया। डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने तकनीक आधारित नागरिक सेवाओं को बताया महत्वपूर्ण माननीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि भारतीय डाक केवल पत्र एवं पार्सल पहुंचाने वाली संस्था नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को विभिन्न सेवाओं से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण जनसेवा नेटवर्क है। उन्होंने आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रणालियों और बेहतर सेवा वितरण के माध्यम से नागरिकों को तेज, पारदर्शी एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। श्री संजीव चौरसिया ने नवीनीकृत डाकघर को क्षेत्र के लिए बताया महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित श्री संजीव चौरसिया, विधायक, दीघा, पटना ने पाटलिपुत्र उप डाकघर के नवीनीकृत भवन के उद्घाटन को क्षेत्र के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह डाकघर स्थानीय नागरिकों को बेहतर एवं सुविधाजनक डाक सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र के सार्वजनिक सेवा बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगा। श्रीमती सीता साहू ने डाक सेवाओं की जनोपयोगिता को किया रेखांकित श्रीमती सीता साहू, महापौर, पटना नगर निगम ने पाटलिपुत्र उप डाकघर के नवीनीकरण का स्वागत करते हुए कहा कि डाक विभाग लंबे समय से आम नागरिकों के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराता रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीनीकृत डाकघर नागरिकों को बेहतर सेवा अनुभव प्रदान करेगा तथा पारंपरिक और डिजिटल डाक सेवाओं के बेहतर समन्वय में सहायक होगा। CPMGश्रीमती शशि शालिनी कुजूर ने डाकघरों को आधुनिक नागरिक सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने पर दिया जोर बिहार डाक परिमंडल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल CPMG) श्रीमती शशि शालिनी कुजूर ने कहा कि बिहार डाक परिमंडल का उद्देश्य डाकघरों को आधुनिक और नागरिक-केंद्रित सेवा केंद्रों के रूप में विकसित करना है। उन्होंने बेहतर ग्राहक सुविधा, बेहतर सेवा अनुभव और कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करते हुए, सभी डाकघरों को एक गरिमामय, आधुनिक और एकसमान पहचान प्रदान करने पर जोर दिया।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मुख्यमंत्री बीपी.मंडल की जयंती समारोह रंजन पथ में मनाई जाएगी

दानापुर। नगर के अंतर्गत सामाजिक न्याय के पुरोधा एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्रीबी.पी.मंडल की जयंती समारोह मंगलवार को रंजन पथ में मनाई जाएगी।यादव जागरण मंच के बैनर तले आयोजित समारोह का आयोजन पाटलिपुत्र के पूर्व सांसद एवं वयोवृद्ध नेता डॉ. रंजन प्रसाद यादव की पुत्री डॉसद्भावना के द्वारा की जायेगी।जबकि अध्यक्षता डॉ रंजन प्रसाद यादव करेंगे।कार्यक्रम में सामाजिक न्याय और समाज के उत्थान में बी.पी. मंडल के योगदान को याद करते हुए उनके विचारों और कार्यों पर चर्चा की जाएगी।आयोजकों के अनुसार,समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा।

हत्या के प्रयास के दो वर्ष पुराने मामले में तीन आरोपित को गिरफ्तार किया

दानापुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने हत्या के प्रयास के 2 वर्ष पुराने मामले में तीन आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तीनों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार लोगों में अनिल कुमार बिट्टू कुमार एवं विकास कुमार शामिल है तीनों दाउदपुर के निवासी बताए जाते हैं। शाहपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि 1अप्रैल 2024 को दाउदपुर में मारपीट की एक बड़ी घटना हुई थी। जिसमें हत्या का प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपित फरार चल रहे थे। बीते रात छापेमारी कर दाउदपुर निवासी आरोपित विकास कुमार, अनिल कुमार एवं बिट्टू कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

2026 में कृषि वैल्यू चेन पर मंथन, 120 से अधिक हितधारक शामिल

पटना। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने नाबार्ड और चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के सहयोग से मिठापुर,सिआइएमपी ऑडिटोरियम में फार्म टू फोर्क कॉन्क्लेव 2026 पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया। सम्मेलन का विषय था - सस्टेनेबल रूरल प्रॉस्पेरिटी के लिए कुशल एग्रीकल्चरल वैल्यू चेन बनानाह्व। इसका उद्देश्य बिहार में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना तथा किसानों की आय में वृद्धि के लिए उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग और मार्केटिंग तक प्रभावी कड़ी विकसित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के कृषि विभाग के विशेष सचिव बीरेंद्र प्रसाद यादव ने किया। इस अवसर पर ढलऊऊकबिहार चैप्टर के अध्यक्ष *श्री कुमोद कुमार ने स्वागत भाषण दिया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नाबार्ड की महाप्रबंधक श्रीमती अनामिका ने नाबार्ड की योजनाओं और वित्तीय सहायता की जानकारी साझा की। अढएऊअ के सहायक प्रबंधक श्री कंकन पंडित, नीति आयोग के डॉ. देवेश कुमार, उक्ढ निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह, नाबार्ड के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक प्रो. डॉ. सुनील कुमार सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

दो युवक एक लड़की को जान से मारने की नियत से हमला किया

प्रात: किरण संवाददाता

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाबालिग लड़की के ऊपर हुई जानलेवा हमले में पुलिस अभी अपराधियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। दानापुर पुलिस ने जख्मी लड़की से एक ब्यान दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि लड़की ने घटना में शामिल दो युवकों में एक को नामजद और दूसरे को अज्ञात बताई है। दोनों युवकों ने जिस अंदाज में घटना को अंजाम दिया। उससे जाहिर होता है कि दोनों पेशेवर अपराधी थे। पुलिस अभी घटना के कारणों की बात नहीं खोल रही है। लेकिन दबी जुबान से घटना प्रेम प्रसंग से जोड़ कर देखा जा रहा है।बता दें कि दानापुर थाना क्षेत्र के आरपीएस मोड़ स्थित आर्य समाज मंदिर के पास दो युवकों बेखौफ अंदाज में रविवार को शाम में एक लड़की को जान मारने की नियत से हमला किया था।जब लड़की रैपिडो बाईक से घर लौट रही थी।उस हमले में गोली लगने से रैपिडो चालक और लड़की दोनों जख्मी हो गए थे।दोनों को अलग-अलग प्राईवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लड़की को दाहिने कंधे में और चालक राहुल कुमार को कमर में गोली लगी थी। चालक को गोली लगने के बाद लड़की कुछ दूर भागी और एक परिचित टेलर मास्टर के दुकान में जाकर छिप गई थी। बावजूद बदमाशों ने लड़की को खोज निकाला और लड़की को खींचकर बाहर निकाला और गोली मारी।घटना को अंजाम देने के बाद दो की संख्या में रहे बदमाशों ने हथियार लहराते हुए भाग निकला था।

बीएससी नर्सिंग छात्रों ने विभिन्न मांगों को लेकर शिवम कॉलेज में किया हंगामा, पुलिस ने संभाली स्थिति

प्रात: किरण संवाददाता

खुसरूपुर। प्रखंड स्थित शिवम कॉलेज में बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर हंगामा किया। कॉलेज प्रशासन की कार्यशैली से असंतुष्ट छात्रों ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की। छात्रों ने शिक्षण व्यवस्था, मूलभूत सुविधाओं और परीक्षा से संबंधित समस्याओं पर सुनवाई नहीं होने का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ भी हुई, जिससे तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए फतुहा/खुसरूपुर अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी (SDPO) संजीव कुमार भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करते हुए आक्रोशित छात्रों की शिकायतें सुनीं और कॉलेज प्रबंधन तथा छात्रों, दोनों पक्षों से बातचीत की। एसडीपीओ ने मामले की निष्पक्ष जांच कर समस्याओं के उचित समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारी की समझाइश और त्वरित कार्रवाई के आश्वासन के बाद छात्रों का गुस्सा शांत हुआ और स्थिति नियंत्रण में आ गई। फिलहाल कॉलेज परिसर में शांति व्यवस्था बनी हुई है तथा एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

टुनटुन यादव ने किया जागरण समारोह का उद्घाटन

सोनारू मोड़ पर मां वैष्णो ट्रेडर्स की ओर से भव्य आयोजन

फतुहा। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर फतुहा के सोनारू मोड़ स्थित मां वैष्णो ट्रेडर्स की ओर से भव्य जागरण समारोह सह फल, जूस, चाय और शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जागरण समारोह का उद्घाटन मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह लोजपा (रामविलास) नेता टुनटुन यादव ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि बाबा भोलेनाथ सभी जनता पर अपनी कृपा बनाए रखें। आयोजक ऋषि जायसवाल ने आगत अतिथियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तथा चुनरी एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। जागरण समारोह में गायक कल्याणी किट्टू और सुशीला स्नेही सहित अन्य कलाकारों ने सावन एवं भगवान भोलेनाथ से जुड़े भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मौके पर पूनम यादव, अरविंद यादव, लक्ष्मण साहू, छोटू यादव, संतोष यादव, संजीत यादव, अनिल कुमार उर्फ कारू सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

15वें वार्षिकोत्सव पर 51 कर्मियों को ई-स्कूटी का वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। सिटीजन केयर ग्रुप के 15वें वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन सिटीजन केयर ग्रुप टावर, आशियाना-दीघा रोड, पटना में गरिमामय माहौल में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष रणबीर नंदन एवं सिटीजन केयर ग्रुप के संस्थापक चंदन कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, हरित परिवहन और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर विशेष संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्रुप के कर्मियों के योगदान को सम्मानित करते हुए 51 ई-स्कूटी का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि रणबीर नंदन ने सिटीजन केयर ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा अपने कर्मियों को ई-स्कूटी प्रदान करना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। सिटीजन केयर ग्रुप के संस्थापक चंदन कुमार ने कहा कि 15 वर्षों की यह यात्रा कर्मचारियों, सहयोगियों और शुभचिंतकों के निरंतर सहयोग और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्रुप की सफलता में प्रत्येक कर्मी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह समारोह उन्हीं के समर्पण को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने 51 ई-स्कूटी के वितरण को ग्रुप की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता से जोड़ते हुए कहा कि हरित परिवहन को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह सहयोग और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम और लिवर स्वास्थ्य पर विशेषज्ञों ने की महत्वपूर्ण चर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। मेटाबॉलिक सिंड्रोम और लिवर स्वास्थ्य के बीच संबंधों को लेकर आयोजित विशेष चिकित्सा कार्यक्रम मेटाबॉलिक सिंड्रोम: एक बीमारी, शरीर के कई अंगों पर प्रभाव में देश के विशेषज्ञों ने इस महत्वपूर्ण विषय पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. धीरज कुमार, डीएम गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं गैस्ट्रो तथा लिवर विशेषज्ञ ने मेटाबॉलिक सिंड्रोम का लिवर पर प्रभाव और एमएएसएलडीह्व विषय पर अपने चिकित्सकीय अनुभव और महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। डॉ. धीरज कुमार ने बताया कि मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और शरीर में होने वाले अन्य मेटाबॉलिक बदलावों का प्रभाव केवल एक बीमारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका सीधा असर लिवर पर भी पड़ सकता है। इन स्थितियों के कारण फैटी लिवर और उससे जुड़ी अन्य लिवर संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि एमएएसएलडी (मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीएटोटिक लिवर डिजीज) आज लिवर से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्याओं में शामिल है।ऐसे में मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और लिवर स्वास्थ्य को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। मेटाबॉलिक सिंड्रोम और लिवर के बीच क्या संबंध है? एमएएसएलडी क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है? फैटी लिवर कब चिंता का विषय बन सकता है? मोटापा और मधुमेह का लिवर पर क्या प्रभाव पड़ता है?स्वस्थ जीवनशैली का लिवर पर क्या असर होता है? समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह क्यों जरूरी है? डॉ. धीरज कुमार ने कहा कि फैटी लिवर या मेटाबॉलिक जोखिमों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वस्थ वजन बनाए रखना, मधुमेह और रक्तचाप को नियंत्रित रखना तथा जरूरत पड़ने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना लिवर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

दूरगामी सोच के साथ आगे बढ़ रही बिहार की नयी सरकार : सीता सिन्हा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। बिहार के विकास, राज्य की समृद्धि एवं जनता से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर बिहार सरकार लगातार केंद्रीय मंत्रियों से विमर्श कर व राज्य को विकास के नये पथ पर ले जाने के लिए अग्रसर है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कुशल नेतृत्व में बिहार अपने बजट के विस्तार, पर्यटन विकास, जलाशयों का कुशल प्रबंधन, सड़क एवं सेतुओं के निर्माण, चीनी मिलों का जिणोर्धार एवम एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के समन्वय के साथ आगे बढ़ने की दिशा में संकल्पित है। इस आशय का वक्तव्य देते हुए पूर्व मंत्री, बीजेपी की वरिष्ठ नेत्री एवं रामकृष्ण द्वारिका कॉलेज की प्राचार्या सीता सिन्हा ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अत्यंत कम समय में ही नये मुख्यमंत्री ने कमान संभालते ही पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार के विकास के विजन को न केवल त्वरित गति प्रदान की है, बल्कि युवा, महिला, किसान एवं रोजगार व उद्योग के लिए कई लोकहित के फैसले किये हैं, जो कुछ ही समय में धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने हाल ही में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बिहार के करीब दो लाख तीस हजार निर्धन वर्ग के लोगों को आवास मुहैया कराया है तथा जल्द ही लाखों अन्य लोगों को चिह्नित कर यह सुविधा जारी रखी जाएगी। उद्योगों के लिए 50 लाख करोड़ के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य तय कर कार्ययोजना पर काम शुरू हो चुका है और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह साफ कर दिया है कि अब वे उद्योगों को ही बिहार की अर्थव्यवस्था का इंजन बनाना चाहते हैं। सीता सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार के चहुंमुखी विकास का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

राज्य के 10,470 आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से मिलेगी फाइलेरिया की दवा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। फरवरी 2026 में संचालित एमडीए अभियान (सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम) के दौरान दवा सेवन से छुटे लोगों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से दवा उपलब्ध करायी जाएगी. राज्य के चयनित 10470 आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से छुटे हुए व्यक्ति दवा लेकर खा सकते हैं. इस बाबत अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फाइलेरिया डॉ. अनिल कुमार ने सभी जिलों के सिविल सर्जन को आवश्यक निर्देश जारी किया है. पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगी दवा: चयनित सेंटर के लिए राज्य द्वारा 20940000 अल्बेंडाजोल, 52350000 डीईसी और 22075000 आईवरमैकटिन उपलब्ध करायी गयी है जिसका सभी जिलों को उठाव करना निर्देशित है. सभी चयनित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी. जिन जिलों में दो दवाएं अल्बेंडाजोल और डीईसी अभियान के दौरान खिलाई गयी थी वहां के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर उक्त दवाएं तथा ट्रिपल ड्रग थेरेपी वाले जिलों में अल्बेंडाजोल और डीईसी के साथ आईवरमैकटिन भी राज्य द्वारा उपलब्ध करायी जा रही है. कोई भी इच्छुक व्यक्ति सेंटर पर जाकर दवा कहा सकता है. मालुम हो कि सभी सीएचओ को निर्देशित किया गया है कि वह अपने सामने दवा खिलाना सुनिश्चित करेंगे. कोई छूटे नहीं, कोई प्रभावित रहे नहीं- सामूहिक प्रयासों से बिहार बने फाइलेरिया मुक्त बिहार राज्य कार्यालय फाइलेरिया में पदस्थ राज्य सलाहकार डॉ. अनुज सिंह रावत ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी से प्राप्त किया जाने वाला लक्ष्य है. इस जन-अभियान में प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मी (सीएचओ) की सक्रिय भूमिका, प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक दवा की पहुंच और प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण एमएमडीपी सेवा उपलब्ध कराना इस अभियान की सफलता की महत्वपूर्ण कड़ी है।

पर्यावरण संरक्षण को समर्पित पुस्तक बिहार के पर्यावरण स्तंभ का विमोचन 25 अगस्त को बिहार विधान परिषद सभागार, पटना में

पटना। पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति प्रेम एवं बिहार की पर्यावरणीय चेतना को समर्पित महत्वपूर्ण पुस्तक बिहार के पर्यावरण स्तंभ का विमोचन समारोह 25 अगस्त 2026, मंगलवार को अपराह्न 02:30 बजे, बिहार विधान परिषद सभागार, पटना में आयोजित किया गया है। पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि बिहार विधान परिषद के सभापति डॉ अवधेश नारायण सिंह करेंगे। इस पुस्तक के लेखक हैं निशांत रंजन, अदिति रॉय एवं अमित कुमार पाण्डेय। पुस्तक का प्रकाशन अनन्य प्रकाशन,नई दिल्ली द्वारा किया गया है। पुस्तक में बिहार के पर्यावरण, वन्यजीवों, नदी, जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण में जुटे लोगों के योगदान को विस्तार से रेखांकित किया गया है। मौके पर पुस्तक में शामिल बिहार के पर्यावरणविद, पर्यावरण प्रेमी, साहित्यकार, पत्रकार एवं बुद्धिजीवियों की गरिमामयी उपस्थित रहेगी ।

हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन मिलन समारोह में बिखेरी खुशियां

पटना। बिहार प्रदेश जयसवाल सर्ववर्गीय महिला महासभा के बैनर तले दिनकर गोलंबर स्थित पॉपुलर रेजीडेंसी, पटना में जयसवाल परिवार सावन मिलन समारोह का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। सावन के रंग में रंगी इस विशेष संध्या में जयसवाल समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महिलाएं हरे रंग के आकर्षक परिधानों में सुसज्जित होकर पहुंचीं और पूरे परिसर में सावन की हरियाली व उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम, गीत-संगीत और खान-पान की विशेष व्यवस्था की गई थी। सावन के पारंपरिक गीतों और मधुर धुनों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला महासभा की अध्यक्ष रेखा जयसवाल, कोषाध्यक्ष प्रियंका जयसवाल एवं महासचिव कुमुद जयसवाल ने कार्यक्रम के आयोजन और व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी पदाधिकारियों ने कहा कि सावन मिलन जैसे आयोजन महिलाओं को आपस में जुड़ने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और पारिवारिक एवं सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। समारोह में प्रदेश अध्यक्ष सहित जयसवाल समाज के अन्य पुरुष सदस्य भी उपस्थित रहे और उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सावन मिलन की खुशियों को साझा करते हुए आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

खिलाड़ियों को हर उचित अवसर उपलब्ध करा रही बिहार सरकार :श्रवण

■ ग्रामीण विकास मंत्री ने श्रेष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार हर खेल के खिलाड़ियों को हर तरह से उचित अवसर उपलब्ध करा रही है। इसी का नतीजा है कि आज हर खेल विद्याओं में खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। वेट लिफ्टिंग जैसे खेलों में भी बिहार के खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। ये बातें ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने कही। वे सोमवार को नालंदा जिला के बिहारशरीफ में नाला रोड में मौजूद एक सामुदायिक भवन में आयोजित वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित कर रहे थे। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि इस चैंपियनशिप का आयोजन बिहारशरीफ जैसे शहर में होना बड़ी बात है। राजधानी से इतर तरह के आयोजनों से ग्रामीण इलाकों के खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में काफी मदद मिलती है। इस मौके पर मंत्री बतौर मुख्य अतिथि पुरस्कार भी वितरण किया। इस मौके पर स्थानीय सांसद कौशलेंद्र कुमार भी मौजूद थे। इस चैंपियनशिप का आयोजन कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट भूपेन्द्र प्रताप सिंह की देख-रेख में विश्वजित सिंह और धनंज्य कुमार ने किया। इसमें 100 पुरुष एवं 10 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान जदयू के वरिष्ट नेता उपेन्द्र सिंह, अमित कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय शंकर प्रसाद एवं योग गुरु रामजी यादव समेत अन्य उपस्थित थे। इस चैंपियनशिप में पुरुष एवं महिला विजेता इस प्रकार रहे। पुरुष वर्ग के विजेता आदित्य कुमार रहे। ये 59 किलो वजन वर्ग में शामिल हुए और इन्होंने 200 किलो वजन उठाकर जीत हासिल की। ये नालंदा में नूरसराय के निवासी हैं। इसके अलावा 83 किलो वजन श्रेणी में रौशन कुमार ने जीत दर्ज की। इन्होंने 137.5 किलो वजन उठाया। ये बिहारशरीफ के रहने वाले हैं। वहीं, महिला वर्ग श्रेणी की दोनों वर्गों में नूरसराय के गोडीहा ग्राम निवासी दिव्यानी सिंह ने जीत हासिल की। मंत्री महोदय ने सभी विजेताओं को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और 5-5 हजार रुपये कैश देकर सम्मानित किया।

सभी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार हमेशा कहते हैं कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। उनके इसी विचार के अनुरूप बिहार सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जल संसाधन विभाग बाढ़ की हर चुनौती को लेकर पूरी तरह सजग और मुस्तैद है तथा राहत एवं बचाव कार्यों की निरंतर निगरानी की जा रही है। मंत्री उक्त बातें सोमवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव आज पूरी तरह से मुद्दाविहीन हो चुके हैं। इसलिए वे तथ्यहीन एवं अनर्गल आरोप लगाकर केवल सुर्खियां बटोरने का प्रयास कर रहे हैं। राजधानी पटना से राघोपुर जाने के लिए लोगों को पहले किन कठिनाइयों और परेशानियों का सामना करना पड़ता था, यह किसी से छिपा नहीं है। आज नए सिक्स लेन पुल के निर्माण के बाद पटना से राघोपुर की दूरी महज 15 से 20 मिनट में तय हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार हर वर्ग के कल्याण और बिहार के सभी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रिलीफ, रेस्क्यू और रिकंस्ट्रक्शन के सिद्धांत पर काम कर रही है सरकार

इस अवसर पर ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एनडीए सरकार रिलीफ, रेस्क्यू और रिकंस्ट्रक्शन के सिद्धांत के आधार पर पूरी गंभीरता और योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। जिन क्षेत्रों में वर्तमान में बाढ़ की स्थिति है, वहां जल संसाधन विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलस्तर कम होने के बाद ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त ग्रामीण सड़कों की मरम्मत एवं आवश्यक पुनर्निर्माण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। इससे पहले जनसुनवाई में ग्रामीण विकास मंत्री ने व ग्रामीण कार्य मंत्री ने आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस मौके पर विधायक अरुण मांझी एवं प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह मौजूद रहे।

ऐतिहासिक रूप से समृद्ध है बिहार, यहां घूमने के अनेक स्थान : सांसद

■ लोकसभा की परिवहन, पर्यटन एवं संस्कृति संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सांसदों ने पटना का किया भ्रमण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करने और यहां की कार्य व्यवस्था को नजदीक से जानने के लिए लोकसभा की परिवहन, पर्यटन एवं संस्कृति संबंधी संसदीय स्थायी समिति के करीब एक दर्जन सांसदों ने सोमवार को पटना का भ्रमण किया। यह समिति बिहार अध्ययन दौरे पर आई हुई है। सांसदों के इस दल में गुजरात, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर, बिहार समेत अन्य राज्यों के सांसद शामिल थे। इन्होंने पटना के बेली रोड पर मौजूद ऐतिहासिक बिहार संग्रहालय को देखा और इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष बिहार के जदयू सांसद संजय झा हैं। इनके नेतृत्व में ही यह टीम बिहार आई हुई है। इसमें सारण सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी और सीतामढ़ी सांसद देवेशचंद्र ठाकुर भी शामिल थे। बिहार म्यूजियम को करीब से देखा। पश्चिम बंगाल की सांसद जून मालिया ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह स्थान कला और इतिहास प्रेमियों के लिए आदर्श है। यहां इतिहास को इस तरह सुरक्षित रखा गया है कि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों को जान और समझ सकें।

प्रख्यात कंप्यूटर इंजीनियर, समाजसेवी, इंफोसिस फाउंडेशन की सह-संस्थापक और राज्यसभा सांसद पद्मश्री सुधा मूर्ति ने बिहार में सड़क, बुनियादी ढांचे और कला के क्षेत्र में हुए विकास की सराहना की। उन्होंने इच्छा जताई कि वे वैशाली, माता सीता की जन्मस्थली सीतामढ़ी और केसरिया जैसे ऐतिहासिक स्थलों को स्वयं देखकर बिहार को और गहराई से जानना चाहेंगी। सांसद देवेशचंद्र ठाकुर ने कहा कि बिहार विकास की नई राह पर अग्रसर है। गुजरात के राज्यसभा सांसद केशरीदेव सिंह दिग्विजय सिंह झाला ने म्यूजियम को आधुनिकता और इतिहास के बेजोड़ संगम का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों का इतिहास आज भी उतनी ही खूबसूरती से संरक्षित है कि वह जीवंत प्रतीत होता है। बिहार की धरती से सभी धर्मों का गहरा जुड़ाव रहा है, जिसकी झलक यहां स्पष्ट दिखती है। इस संग्रहालय का भ्रमण करने वालों में उत्तर प्रदेश के सांसद आरके चौधरी, जम्मू-कश्मीर के सांसद मियां अल्ताफ अहमद, इमरान प्रताप गढ़ी, तमिलनाडु के सांसद एस. कल्याण सुंदरम समेत अन्य सांसद शामिल थे। समिति के सदस्यों ने बताया कि बिहार सिर्फ अतीत की याद नहीं, बल्कि वर्तमान की संभावनाओं का प्रतीक है। ऐतिहासिक स्थलों, समृद्ध संस्कृति और बदलते परिदृश्य ने उनके मन में राज्य के प्रति गहरी सम्मान की भावना जगा दी। मौके पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं बिहार सरकार के संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

छह जिलों में लगेगा नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला

■ 24 से 31 अगस्त तक अलग अलग जिलों में होगा आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार हासिल करने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण की पहल पर राज्य के छह जिलों में नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला-2026 का आयोजन किया जाएगा। इन मेलों में तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों में योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी शामिल होकर विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।

विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार नियोजन मेलों की शुरूआत 24 अगस्त से होगी। पहला मेला औरंगाबाद में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद गया, नवादा, कटिहार, पटना और खगड़िया में रोजगार मेले लगाए जाएंगे। जिला स्तर पर आयोजित इन मेलों में स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें निजी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और करियर विकल्पों की जानकारी भी दी जाएगी।

24 अगस्त को औरंगाबाद से होगी शुरूआत: 24 अगस्त को औरंगाबाद में संयुक्त श्रम भवन के परिसर, धरहरा में जिला स्तरीय नियोजन मेला आयोजित होगा। इसके अगले दिन 25 अगस्त को गया जी के पॉलिटेक्निक कॉलेज के खेल मैदान में मेला लगेगा। 27 अगस्त को नवादा के संयुक्त श्रम भवन, सरकारी आईटीआई, गोविंदपुर में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 29 अगस्त को कटिहार के संयुक्त श्रम भवन, लेबर सेंटर परिसर में नियोजन मेला होगा। वहीं 31 अगस्त को एक साथ पटना और खगड़िया में मेले का आयोजन प्रस्तावित है। पटना में राजकीय आईटीआई, दीघा और खगड़िया में कोशी कॉलेज को आयोजन स्थल बनाया गया है।

तकनीकी और गैर-तकनीकी अभ्यर्थियों को मौका: नियोजन मेले में तकनीकी के साथ-साथ गैर-तकनीकी योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी भी भाग ले सकेंगे। इसमें आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता वाले युवाओं को अपनी योग्यता के अनुरूप निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने का मंच मिलेगा।

ऑनलाइन निबंधन जरूरी: मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए detjob.bihar.gov.in पर निबंधन कराना आवश्यक होगा। आयोजन स्थल पर भी निबंधन की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। वहीं नियोजन मेले में भाग लेने वाले नियोजकों के लिए भी उक्त पोर्टल पर निबंधन अनिवार्य किया गया है। मेला प्रत्येक निर्धारित तिथि को सुबह 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। विभाग ने युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि और स्थान पर आवश्यक शैक्षणिक एवं अन्य प्रमाण-पत्रों के साथ पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं। नियोजन मेला से जुड़ी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 18002965656 पर संपर्क किया जा सकता है।

तकनीक के साथ ऑडिट सिस्टम को भी आधुनिक बनाना जरूरी : मंत्री

■ सहकारी ऑडिट सेवा के पदाधिकारियों के लिए छह-दिवसीय क्षमता-निर्माण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना स्थित एल.एन. मिश्रा इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड सोशल चेंज में सोमवार को सहकारी ऑडिट (अंकेक्षण) सेवा के अधिकारियों के लिए छह-दिवसीय क्षमता-निर्माण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण के संबंध में माननीय सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में गुणवत्तापूर्ण ऑडिट की महत्वपूर्ण भूमिका है। बदलते तकनीकी परिवेश में अंकेक्षण व्यवस्था को भी आधुनिक एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाना आवश्यक है। अंकेक्षकों के क्षमता-निर्माण के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डिजिटल तकनीकों का प्रभावी उपयोग सहकारी क्षेत्र में सुशासन को और मजबूत करेगा। मौके पर सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि पदाधिकारियों के कार्य-कौशल एवं दक्षता में निरंतर वृद्धि के लिए विभाग द्वारा नियमित अंतराल पर क्षमता-निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सहकारिता क्षेत्र तेजी से विस्तार एवं परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में प्रौद्योगिकी-आधारित ऑनलाइन सिस्टम ऑडिट, आधुनिक अंकेक्षण पद्धतियों तथा समवर्ती अंकेक्षण को प्रभावी ढंग से अपनाया जाना आवश्यक है।

सिखाया जा रहा एआई का प्रयोग

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों एवं उनके व्यावहारिक उपयोग से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया जा रहा है। सहकारी समितियों के लेखांकन में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करना अंकेक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अंकेक्षण का उद्देश्य केवल वित्तीय अभिलेखों की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संस्थागत सुशासन को भी मजबूत किया जाना है। वहीं, इस अवसर पर निबंधक, सहयोग समितियां, रजनीश कुमार सिंह ने कहा कि अंकेक्षक सहकारिता विभाग की आंख और कान हैं। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण) संजय कुमार एवं कामेश्वर ठाकुर तथा एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट के कुलसचिव सुधीर कुमार और उप कुलसचिव डॉ. प्रीति सिंह सहित संबंधित पदाधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

अनर्गल बयानबाजी करने से पहले तथ्यों की जांच कर लें आरजेडी सांसद : राजीव

पटना। जदयू राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने जारी बयान में आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मीडिया में अनर्गल बयानबाजी करने से पहले आरजेडी नेता को तथ्यों की जांच कर लेनी चाहिए। आरजेडी सांसद पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आज मीडिया में ज्ञान देने वाले सुधाकर सिंह को फरक्का जल संधि में बिहार की हकमारी की बात उस समय याद क्यों नहीं आयी जब बिहार में महागठबंधन की सरकार थी। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर 1996 को जब फरक्का जल संधि हुई थी तो उस समय सुधाकर सिंह की पार्टी के नेता लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे और केंद्र में संयुक्त मोर्चे की सरकार थी और इस सरकार में लालू प्रसाद यादव प्रभावशाली नेता की भूमिका में थे। उस दौरान विदेश मंत्री आई के गुजराल थे जिनसे लालू प्रसाद यादव के अच्छे राजनीतिक संबंध थे। लेकिन लालू प्रसाद यादव ने अपनी आंखों के सामने बिहार के हित की बलि चढ़ने दी और इस संधि के विरोध में एक शब्द भी नहीं बोला। उन्होंने कहा कि सुधाकर सिंह को ये पता होना चाहिए कि किसी भी दो देशों की बीच की अंतर्राष्ट्रीय संधि नियमों एवं कानूनी बाध्यताओं के तहत होती है। आरजेडी नेता को अगर इस बात का ज्ञान नहीं है तो उन्हें संविधान की सातवीं अनुसूची को पढ़ना चाहिए, जिसमें किसी भी अंतर्राष्ट्रीय संधि के पालन के नियमों की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि संविधान में ये वर्णित है कि किसी भी अंतर्राष्ट्रीय संधि को बीच में तोड़ा नहीं जा सकता है। सुधाकर सिंह पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर हमेशा चुप्पी साधे रहने वाले आरजेडी नेता को बिहार के हित की बात तब याद आयी जब दिसंबर में इस संधि का नवीकरण होना है और नवीकरण के विरोध में जदयू कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय झा ने इस मुद्दे को राज्यसभा में जोर-शोर से उठाया ।

पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान ने मुख्यमंत्री का जताया आभार !

पटना। चंपारण आंदोलन के प्रणेता एवं किसानों के मसीहा पंडित राजकुमार शुक्ल की 151वीं जयंती के अवसर पर बिहार विधान परिषद के उपसभागार में आयोजित समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बिहार सरकार द्वारा की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं से पूरे ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज में खुशी की लहर है। समाज ने इन घोषणाओं के लिए बिहार सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे पंडित राजकुमार शुक्ल के सम्मान और उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि अगले वर्ष से पंडित राजकुमार शुक्ल की जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनाई जाएगी तथा उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वहीं, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने पंडित राजकुमार शुक्ल की जीवनी को बिहार राज्य के पाठ्य-पुस्तकों में समावेशित करने की घोषणा की। कला एवं संस्कृति तथा खनन एवं भूतत्व मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने उनकी स्मृति में संग्रहालय स्थापित किये जाने की घोषणा की। पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान के अध्यक्ष एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राजेश भट्ट ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इन घोषणाओं का स्वागत किया है । उन्होंने कहा कि लंबे अर्से के बाद बिहार सरकार द्वारा पंडित राजकुमार शुक्ल के सम्मान में इस प्रकार की घोषणाओ का किया जाना ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज की एकजुटता और लगातार किए जा रहे प्रयासों की सफलता का परिचायक है। डॉ. राजेश भट्ट ने कहा कि उनकी जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना और उनकी स्मृति में संग्रहालय एवं प्रतिमा का निर्माण उनके ऐतिहासिक योगदान को स्थायी पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरकार की इन घोषणाओं से पंडित राजकुमार शुक्ल की विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी ।

नीतीश की जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर उतार रहे हैं निशांत : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि विकासपुरुष नीतीश कुमार ने जिस जनकल्याणकारी सोच और नीति के तहत मुख्यमंत्री रहते हुए बीते बीस वर्षों में बिहार की सेवा की है, उसी सोच को स्वास्थ्य मंत्री निशांत धरातल पर उतारने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत अस्पतालों का औचक निरीक्षण करते हैं, मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश देते हैं। यह उनकी संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री द्वारा मिशन मोड में किए जा रहे कार्यों की पूरे देश और प्रदेश में सराहना हो रही है। उनकी कार्यशैली से जनता खासी प्रभावित है। मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही समय रहते बेहतर इलाज उपलब्ध हो सके, इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला स्तर तक के सभी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सीय सुविधाएं सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में 36 प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की कमी दूर करने के लिए भी कई अहम निर्णय लिए गए हैं तथा बेहद कम समय में सैकड़ों पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत के नेतृत्व में बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था एक नए दौर की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है और आम लोगों को बेहतर, आधुनिक, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस बदलाव दिखाई देने लगा है।

आरक्षण कोई खैरात नहीं, संवैधानिक अधिकार है : चिराग

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरक्षण को लेकर स्पष्ट और दृढ़ रुख व्यक्त करते हुए कहा कि केवल किसी के कह देने भर से आरक्षण समाप्त नहीं किया जा सकता। आरक्षण कोई खैरात नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार है। श्री चिराग पासवान ने कहा कि आरक्षण समाप्त करने की बात तो दूर, इसकी समीक्षा या इसमें बदलाव की सोच भी उन लोगों की मानसिकता को दशार्ती है, जो यह समझने को तैयार नहीं हैं कि आज भी देश में आरक्षण की आवश्यकता क्यों बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में सामाजिक भेदभाव और छुआछूत पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। कई स्थानों पर दलित दूल्हों को घोड़ी चढ़ने से रोका जाता है, दलित युवाओं की बारात रोकने जैसी घटनाएं सामने आती हैं। यहां तक कि दलित समाज के नेताओं के मंदिर जाने के बाद परिसर को गंगाजल से शुद्ध करने जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। ये घटनाएं बताती हैं कि सामाजिक भेदभाव की मानसिकता आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। चिराग पासवान ने कहा कि जब समाज में आज भी इस तरह की असमानता और भेदभाव मौजूद है, तो आरक्षण की आवश्यकता को कैसे नकारा जा सकता है। आरक्षण वंचित और पिछड़े वर्गों को समान अवसर और मुख्यधारा में भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था है। उन्होंने दृढ़ता से कहा, जब तक मैं यहां हूं और जब तक रामविलास पासवान जी का बेटा चिराग पासवान सरकार का हिस्सा है, तब तक आरक्षण की व्यवस्था को कमजोर या समाप्त करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। श्री पासवान ने कहा कि सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए उनकी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। आरक्षण के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का भ्रम फैलाने के बजाय समाज को वास्तविक सामाजिक परिस्थितियों को समझने की आवश्यकता है।

सावन के आखिरी सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

■ श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर की महादेव की पूजा अर्चना

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सावन की अंतिम सोमवारी पर देश भर के शिवालयों में बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा। रात से ही गंगा घाटों और मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं, जहां लोगों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शिवालयों में गूंजते मंत्रोच्चार और भजनों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। भक्तों ने जल, दूध, बेलपत्र और पंचामृत से भगवान शिव का अभिषेक किया। वाराणसी के काशी विश्वनाथ, उज्जैन के महाकाल और देवघर सहित राजधानी पटना के खाजपुरा, पटना महावीर मंदिर राजवंशी नगर पंचमुखी हनुमान मंदिर, महामृत्युंजय पटनेश्वर महादेव मंदिर पाटलिपुत्र, शास्त्री नगर, राजवंशी नगर, राजा बाजार, पटेल नगर, इंद्रपुरी, शिवपुरी, बोरिंग रोड, कृष्णापुरी, राजापुर, कुर्जी, आशियाना नगर, रामनगरी, राजीव नगर, पाटलिपुत्र, गोसाई टोला, कदम कुआं, राजेंद्र नगर कंकड़बाग अशोक नगर सहित सभी शिवालियों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारे लगी रहे। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेवह्ल के जयकारों के साथ जलाभिषेक किया। ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिरों के बाहर लंबी लाइनें लग गईं थीं। कई जगहों पर भस्म आरती, रुद्राभिषेक और विशेष श्रृंगार किए गए। भारी जनसमूह को देखते हुए प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहे। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की गई है।

महामृत्युंजय पटनेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने हर्षोल्लास के साथ की पूजा अर्चना सावन माह की अंतिम सोमवारी पर पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र स्थित महामृत्युंजय पटनेश्वर महादेव मंदिर में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शिवालय को फूल-मालाओं और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। मंदिर की आकर्षक सजावट श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी रही। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही लगी रही।

महादेव की दर्शन और पूजा अर्चना को लेकर शिव भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। भक्तों को देखते हुए मंदिर प्रबंधन की ओर से व्यापक व्यवस्था की गई। प्रबंधक संजय सिंह और मंदिर के पुजारी ने अपना धर्म निभाया और भक्तों को भगवान की पूजा करने में पूरी मदद की। महादेव की गीतों से मंदिर परिसर और आसपास में आस्था, शांति और भक्ति का वातावरण बना रहा।

प्रखंड स्तर पर आधुनिक खेल परिसरों को तेजी से किया जा रहा विकसित : मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में खेल प्रतिभाओं को प्रखंड स्तर पर ही बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने कदम तेज कर दिए हैं। इसी कड़ी में राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड की ओर से प्रखंड स्तर पर प्रस्तावित आधुनिक खेल अवसंरचना के विकास को लेकर सोमवार को खेल मंत्री श्रेयसी सिंह की अध्यक्षता में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान प्रस्तावित खेल परिसरों में खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप विभिन्न खेल सुविधाओं को विकसित करने का प्रारूप रखा गया।

एक ही परिसर में कई खेलों की सुविधा: प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तावित स्टेडियम एवं खेल परिसरों में विकसित की जाने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी मंत्री को दी गई। इनमें शूटिंग एरिया, स्विमिंग एरिया, आधुनिक फिटनेस सेंटर (जिम), बहुउद्देशीय खेल मैदान समेत खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और अभ्यास से जुड़ी अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं। उद्देश्य यह है कि प्रखंड स्तर पर तैयार होने वाले खेल परिसर खिलाड़ियों के लिए बहुउपयोगी केंद्र के रूप में विकसित हों, जहां उन्हें अलग-अलग खेलों के लिए आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें।

क्रिकेट के साथ अन्य खेलों को भी मिलेगा बढ़ावा

बैठक में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार में क्रिकेट के विकास के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं। अब आवश्यकता है कि अन्य खेलों को भी समान अवसर और बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रखंड स्तर पर विकसित किए जाने वाले खेल परिसर केवल मैदान तक सीमित न रहें, बल्कि वहां खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, अभ्यास और फिटनेस से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। बेहतर खेल अवसंरचना तैयार होने से ग्रामीण एवं प्रखंड स्तर पर मौजूद प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। स्थानीय स्तर पर ही सुविधाएं मिलने से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता भी कम होगी।

बच्चों की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष जोर

प्रस्तुतीकरण के बाद मंत्री ने प्रस्तावित खेल अवसंरचना को और अधिक उपयोगी, सुरक्षित एवं बच्चों के अनुकूल बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने फिटनेस सेंटर, शूटिंग और तैराकी जैसी सुविधाओं को बेहतर तरीके से शामिल करने के साथ-साथ खिलाड़ियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। मौके पर खेल विभाग के सचिव दीपक आनंद, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण, खेल विभाग के निदेशक आरिफ अहसन सहित विभाग एवं संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मूक-बधिर किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास, चचेरा भाई नामजद

मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहा थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार शाम रिश्ते को तार-तार कर देने वाली घटना सामने आई है। घर में अकेली पाकर एक चचेरे भाई ने ही अपनी ही मूक-बधिर व मानसिक रूप से कमजोर बहन से दुष्कर्म का प्रयास किया। किशोरी के शोर मचाने और विरोध करने पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई, जिसके बाद आरोपी मौका देखकर भाग निकला। घटना के बाद से आरोपी अपने पूरे परिवार के साथ घर में ताला बंद कर फरार है। सूचना पर पहुंची डायल-112 की टीम ने मामले की छानबीन किया। पीड़िता के परिजनों ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों के अनुसार, रविवार शाम पीड़िता की मां खेत में काम कर रहे मजदूरों को देखने गई थी। इसी दौरान किशोरी को घर में अकेला पाकर आरोपी अंदर घुस आया और जोर-जबरदस्ती करने लगा। किशोरी के चिल्लाने पर आसपास के लोग दौड़े, तो मामला उजागर हुआ। थाना अध्यक्ष श्रीकांत कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़िता को थाने लाकर परिजनों से पूरी जानकारी ली गई है। प्रथम दृष्टया यह मामला छेड़खानी और दुष्कर्म के प्रयास का प्रतीत हो रहा है। पीड़िता की मेडिकल जांच कराई जा रही है, जिसके बाद आगे की कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

श्री झूलेलाल महोत्सव में वरुण देव की पूजा, ग्वालियर के कलाकारों ने बांधा भक्ति का समां

दरभंगा। पूज्य सिंधी पंचायत, दरभंगा के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय श्री झूलेलाल महोत्सव के चौथे दिन सोमवार को धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। सुबह झूलेलाल मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं भगवान झूलेलाल की आरती हुई, जिसमें सिंधी समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संध्या में ऐतिहासिक श्यामा मंदिर परिसर में सिंधी समाज की महिलाओं ने मां श्यामा की पूजा-अर्चना की। इसके बाद मंदिर परिसर स्थित तालाब घाट पर सामूहिक रूप से जल के देवता वरुण देव की पूजा की गई। महिलाओं ने आटे से निर्मित चार मुख वाले दीपक को प्रज्वलित कर आरती एवं भजन प्रस्तुत किए। सिंधी समाज में भगवान झूलेलाल को जल एवं वरुण देवता का स्वरूप माना जाता है। जल पूजा की यह परंपरा धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति एवं जल संरक्षण का संदेश भी देती है। शाम सात बजे आयोजित भजन संध्या में ग्वालियर के सिंधी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने सिंधी एवं हिंदी भजनों तथा लोकगीतों की प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय कर दिया। गायक जावेद खत्री एवं जीतू खत्री ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। ह्रमेलो ज्योतिन जो, मेलो लालड़ जोह्व सहित विभिन्न भजनों पर पूरा परिसर जयकारों और तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम से पूर्व पूज्य सिंधी पंचायत के मुखिया जगत लाल जुमनानी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा ग्वालियर से आए कलाकारों को मिथिला की परंपरा के अनुरूप सम्मानित किया।

डॉ. मनोज के नेतृत्व में शिवभक्तों के लिए निःशुल्क सेवा शिविर

समस्तीपुर। सावन माह की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर श्री रामचन्द्र सेवा ट्रस्ट एवं रोटरी क्लब ऑफ समस्तीपुर सिटी के संयुक्त तत्वावधान में योगी चौक, गांवपुर में शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा हेतु निःशुल्क कांवड़िया सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के अवसर पर जिलाध्यक्ष नीलम साहनी ने कहा कि डॉ. मनोज कुमार सिंह वर्षों से लगातार कांवड़ियों एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि डॉ. साहब हमारी पार्टी से जुड़े हैं और चिकित्सा सेवा के साथ-साथ निरंतर सामाजिक एवं मानव सेवा में सक्रिय रहते हैं। उनकी सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणादायी है। एमएलसी डॉ. तरुण कुमार चौधरी ने कहा कि सावन के पवित्र माह में शिवभक्त कांवड़ियों की निःस्वार्थ सेवा करना अत्यंत पुण्य का कार्य है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सहयोग, सद्भाव, भाईचारे और मानवता की भावना को और अधिक मजबूत करते हैं। रोटरी क्लब ऑफ समस्तीपुर सिटी के अध्यक्ष रजनीश अग्रवाल ने कहा कि कांवड़ियों की सेवा मानवता और सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। रोटरी क्लब सदैव समाजहित और जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर रहा है। उन्होंने कहा कि श्री रामचन्द्र सेवा ट्रस्ट के साथ मिलकर आयोजित यह शिविर शिवभक्तों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का एक सार्थक प्रयास है। सुप्रसिद्ध चिकित्सक, श्री रामचन्द्र सेवा ट्रस्ट के संस्थापक एवं रोटरी क्लब ऑफ समस्तीपुर सिटी के सचिव डॉ. मनोज कुमार सिंह ने शिविर में उपस्थित सभी अतिथियों, सहयोगियों, सेवाभावी साथियों एवं शिवभक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रावणी मेला को लेकर बाबा कुशेश्वरस्थान मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था का जिला प्रशासन ने लिया जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। श्रावणी मेला के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक, मिथिला क्षेत्र, दरभंगा मनोज कुमार तिवारी, जिलाधिकारी कौशल कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रड्डी जला रड्डी सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों ने बाबा कुशेश्वरस्थान मंदिर परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर, श्रद्धालुओं के आवागमन वाले मार्गों, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था का स्थल पर जायजा लिया। संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती एवं ड्यूटी प्वाइंट का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि श्रावणी मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे। श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखने और भीड़ बढ़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। वरीय पुलिस अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को सतर्कता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग एवं व्यवस्था का पालन करने, भीड़ में धैर्य बनाए रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक कर्मियों का सहयोग करने की अपील की।

सावन के अंतिम सोमवार पर देर रात भैरवा स्थान पहुंचे डीएम-एसएसपी, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। सावन के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने देर रात भैरवा स्थान मंदिर पहुंचकर सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। डीएम-एसएसपी ने बलहा घाट से भैरवा स्थान मंदिर परिसर तक श्रद्धालुओं के आवागमन, यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनका आवागमन सुगम एवं सुरक्षित बना रहे। इस दौरान भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा भीड़ की लगातार निगरानी करने पर विशेष जोर दिया गया। डीएम एवं एसएसपी ने मंदिर परिसर में स्थापित कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया और वहां से की जा रही निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं लगातार बनाए रखने को कहा गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने भैरवा स्थान मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, बेनीपट्टी सारंग पाणि पाण्डेय, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

सीमांत मुख्यालय में निःशुल्क हृदय एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। सीमांत मुख्यालय, सशस्त्र सीमा बल एसएसबीपटना की चिकित्सा शाखा द्वारा सोमवार को कार्मिकों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य से निःशुल्क हृदय एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में एसएसबी के उप महानिरीक्षक (चिकित्सा) डॉ. एस.के. राय, कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. निशी कांत, एशियन सिटी हॉस्पिटल, पटना के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आदित्य कुमार तथा साईं हॉस्पिटल, पटना की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या कुमारी एवं उनकी टीम ने कार्मिकों की स्वास्थ्य जांच की।शिविर के दौरान 42 कार्मिकों की हृदय संबंधी जांच तथा 61 कार्मिकों की नेत्र जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आवश्यक जांच के साथ कार्मिकों को हृदय एवं नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई।एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर कार्मिकों के स्वास्थ्य संरक्षण, समय पर रोगों की पहचान तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर कार्मिकों के लिए उपयोगी एवं लाभकारी पहल साबित हुआ।

सावन के अंतिम सोमवार को शिवालयो व मंदिरो में दर्शन जलाभिषेक पूजा पाठ को लेकर आस्था का उमड़ा जनसैलाब

झूमते नाचते दिखे कांवरिया व श्रद्धालु बोलबम के जयकारें से भक्तिमय हुआ माहौल

● मंदिर शिवालयो में श्रद्धालुभक्त जनों कांवरियो की देर शाम तक उमड़ी अपार भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी । जयनगर प्रखण्ड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र स्थित विभिन्न शिवालयों और मंदिरों में पवित्र श्रावण मास के चौथे अंतिम सोमवार को दर्शन पूजा पाठ जलाभिषेक को लेकर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मन्दिरों अहले सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिला। वही क्षेत्र में बोल बम हर हर हर महादेव ॐ नमः शिवाय से जय घोष जयकारें के मन्दिर और क्षेत्र गुंजयमान हो रहा था और माहौल भक्तिमय हो गया। सोमवार को भी जयनगर स्थित कमला नदी से श्रद्धालु भक्त जन और कांवरियों के द्वारा माँ कमला की पूजा अर्चना कर जलबोझकर झूमते नाचते गाते विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक पूजा पाठ को लेकर प्रस्थान करते देखें गये। प्रसिद्ध शिलानाथ धाम समेत शिवालयों मंदिर व कमला नदी परिसर पर्ण कुटी मंदिर के आसपास मेला का भी आयोजन किया गया है। जिला क्षेत्र के कपिलेश्वर स्थान, उगना, डोकहर, कलना धाम, शिलानाथ धाम, बस्ती पंचयात स्थित जागेश्वर नाथ बाबा मंदिर बिहार का सबसे ऊंचा दुर्गा मंदिर , ग्रामीण क्षेत्र के पीठवा टोल स्थित भूतनाथ मंदिर, शहरी क्षेत्र के मेन रोड स्थित नागा बाबा महावीर मंदिर, कमला रोड राम जानकी मंदिर, मनोकामना काली मंदिर, भेलवा चौक दुःख हरन महादेव स्थान समेत अन्य शिवालयों और मंदिरों में आस्था के साथ श्रद्धालुओं के द्वारा शिवालयों और मंदिरों में पूजा पाठ संध्या तक जारी रहा। कई श्रद्धालु व्रत रखकर भी शिवालयों व घर पर भी पूजा अर्चना जलाभिषेक किया। सावन पर्व को ले शिवालयो एवं मंदिरों को रंग बिरंगे फूलों ,टिमटिमाती लाईट बती रौशनी से भव्यता से सजाया गया जो कि आकर्षण का केंद्र मनमोह दृश्य लग रहा था। भक्तिमय भजन कीर्तन गीत संगीत धार्मिक अनुष्ठान जय कारें जय घोष से क्षेत्र में भक्ति मय का माहौल व्याप्त है।वही देर शाम शिवालयों में बाबा का भव्य श्रृंगार किया कर पूरे विधिविधान के साथ विशेष पूजा पाठ भव्य आरती की जाएगी।कमला नदी के पास एसडीआरएफ और पुलिस बल की तैनाती की गई है। वही शिवालयों मंदिर परिसर में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

सरस्वती विद्या निकेतन में बिहार विद्या साथी कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों में 24७7, 1:1 इंटरैक्टिव प्लेटफार्म बिहार विद्या साथी का शुभारंभ किया। जिला स्तर पर इस कार्यक्रम का लाईव प्रसारण जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में समाहरणालय सभागार में तथा जिलान्तर्गत सभी 21 सरस्वती विद्या निकेतन में किया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्ग-दर्शन में छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयास किया जा रहा है। बिहार विद्या साथी ऐप इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से विद्यार्थी जब चाहें, जहाँ से चाहें, अपनी पढ़ाई से संबंधित समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे। ज़िलाधिकारी ने कहा मुजफ्फरपुर जिला के 21 सरस्वती विद्या निकेतन के लगभग 6000 विद्यार्थी इस ऐप से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। ऐप की विशेषता एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मॉडल विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 60 सेकेन्ड के अंदर 24७7 निःशुल्क लाइव शिक्षक की उपलब्धता होगी। विद्यार्थियों को अपनी पसंद के शिक्षक से पढ़ने की सुविधा मिलेगी। पढ़ाई के दौरान पाठ से जुड़ी किसी समस्या का निःशुल्क एवं त्वरित समाधान प्राप्त होगा। एआई टूल्स के माध्यम से कॉन्सेप्ट लर्निंग की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थियों को अध्यायवार टेस्ट, मॉडल टेस्ट, प्रैक्टिस सेट उपलब्ध होगा। विद्यार्थियों की लर्निंग प्रगति, टेस्ट स्कोर, कमजोर विषयों की पहचान इत्यादि का प्रावधान है। कक्षा 9-10 के विद्यार्थियों के लिये सभी विषय तथा कक्षा 11-12 के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को लाइव ट्यूटर सपोर्ट के साथ बिहार बोर्ड, जेईई एवं नीट की तैयारी के लिए डिजिटल अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी।इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से ज़िलाधिकारी ने संवाद स्थापित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सावन की अंतिम सोमवारी पर गेरुआमय हुआ जयनगर सामूहिक कांवर यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। सावन माह की अंतिम सोमवारी के अवसर पर जलाभिषेक को लेकर जयनगर में भव्य सामूहिक कांवर यात्रा निकाली गई। हजारों की संख्या में कांवरिया श्रद्धालुओं के शामिल होने से पूरा क्षेत्र गेरुआमय हो गया। बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से जयनगर का वातावरण भक्तिमय हो उठा। बस्ती पंचायत स्थित बाबा जागेश्वर नाथ मंदिर परिसर से बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े और हाथों में ध्वज लेकर सामूहिक कांवर यात्रा शुरू हुई। इसमें ग्रामीणों के साथ शहरवासियों और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कांवर यात्रा क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कमला पुल स्थित कमला नदी के तट पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कांवर में जल भरा। जल बोझने के बाद श्रद्धालु नाचते-गाते और बोल बम, हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंचे। इसके बाद कतारबद्ध होकर बाबा जागेश्वर नाथ मंदिर, पार्वती मंदिर, नंदी मंदिर, हनुमान मंदिर और क्षेत्र के सबसे ऊंचे दुर्गा मंदिर में जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई।इस विशाल सामूहिक कांवर यात्रा में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष, युवा और युवतियों समेत हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। बाबा जागेश्वर नाथ मंदिर का विशाल शिवलिंग और मंदिर परिसर में स्थित बिहार का सबसे बड़ा दुर्गा मंदिर श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। मंदिर परिसर की आकर्षक सजावट और बाबा के भव्य श्रृंगार के दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। वहीं, सावन की अंतिम सोमवारी पर कपिलेश्वर स्थान समेत विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक के लिए जयनगर स्थित कमला नदी से जल लेकर कांवरियों के समूह शनिवार और रविवार को भी जाते दिखाई दिए। सोमवार को प्रसिद्ध शिलानाथ मंदिर, नागा बाबा मंदिर, भूतनाथ मंदिर, राम-जानकी मंदिर, मनोकामना काली मंदिर समेत क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों और मंदिरों में देर शाम तक जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।देर शाम तक मंदिरों में बाबा के भव्य श्रृंगार के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कमला नदी के तटों पर एसडीआरएफ की टीम के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की टीम भी निगरानी में जुटी रही।

नेपाल से शराब तस्करी पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, 135 लीटर शराब बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में शराब की अवैध तस्करी के खिलाफ सशस्त्र सीमा बल की 48वीं वाहिनी, जयनगर की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई। ह्वाईह्व समवाय हरने के विशेष गश्ती दल ने गुप्त सूचना के आधार पर बिशौल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 135 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद की। मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक साथी फरार हो गया। तस्करी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की गईं।जानकारी के अनुसार, 24 अगस्त को करीब 8:30 बजे सीमा स्तंभ संख्या 279/09 से लगभग डेढ़ किलोमीटर अंदर भारतीय क्षेत्र के बिशौल इलाके में सशस्त्र सीमा बल का विशेष गश्ती दल निगरानी कर रहा था। इसी दौरान दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर बोरियां लेकर आते दिखाई दिए। जवानों को देखते ही दोनों मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगे। गश्ती दल ने पीछा कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि दूसरा आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा। गिरफ्तार व्यक्ति के पास मौजूद बोरियों की तलाशी लेने पर दिलवाले सोफी नेपाली देशी शराब की 450 बोतलें बरामद हुईं। प्रत्येक बोतल 300 मिलीलीटर की थी। इस प्रकार बरामद शराब की कुल मात्रा 135 लीटर पाई गई। मौके से पल्सर एनएस-125 और हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनित कुमार पासवान (26 वर्ष), पिता छोटी पासवान, ग्राम एवं डाकघर खौना, थाना बासोपट्टी, जिला मधुबनी के रूप में हुई है। पूछताछ में प्रारंभिक रूप से उसने बताया कि उक्त शराब उसे राजेश रावत, निवासी करुणा, थाना हरलाखी, जिला मधुबनी से प्राप्त हुई थी। मामले में शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।बरामद शराब, दोनों मोटरसाइकिलों एवं गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक जब्ती और गिरफ्तारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए थाना हरलाखी को सुपुर्द किया जा रहा है। 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में शराब तस्करी सहित अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ सशस्त्र सीमा बल पूरी सतर्कता और मुस्तैदी से कार्रवाई कर रही है। उन्होंने सीमा क्षेत्र में तैनात जवानों को सूचना तंत्र मजबूत करते हुए तस्करी की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने का निर्देश दिया तथा कार्रवाई में शामिल जवानों की तत्परता की सराहना की।

कुशेश्वरस्थान में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, हर हर महादेव के जयकारों से गूंजा मिथिला का देवघर

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा). मिथिला के देवघर के नाम से मशहूर बाबा कुशेश्वरनाथ शिव मंदिर में सावन की अंतिम सोमवारी पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए रात्रि से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में जुटने लगी। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रात्रि 12 बजे के बाद ही जलाभिषेक प्रारंभ करा दिया गया। इसके बाद लगातार श्रद्धालु बाबा कुशेश्वरनाथ का जलाभिषेक करते रहे। सोमवारी को मंदिर परिसर में महिला श्रद्धालुओं की संख्या सबसे अधिक देखने को मिली। बड़ी संख्या में महिलाएं हाथों में पूजा की सामग्री, बेलपत्र, फूल और जल लेकर बाबा के दर्शन के लिए कतार में खड़ी रहीं। श्रद्धालुओं की भीड़ का आलम यह था कि कुशेश्वरस्थान बाजार के दोनों तरफ करीब एक-एक किलोमीटर लंबी कतार लग गई। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए.दिन चढ़ने के साथ तेज धूप और उमस के कारण श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान तीन श्रद्धालु गर्मी और धूप के कारण बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों और प्रशासन की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुशेश्वरस्थान पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। न्यास समिति और प्रशासन रहा मुस्तैद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए मंदिर न्यास समिति के सदस्य और प्रशासन लगातार सक्रिय रहे। श्रद्धालुओं को कतार में व्यवस्थित रखने, भीड़ को नियंत्रित करने और मंदिर तक सुरक्षित तरीके से पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किया गया। भीड़ के कारण किसी तरह की अव्यवस्था उत्पन्न न हो, इसके लिए प्रशासन और न्यास समिति के सदस्य लगातार निगरानी करते रहे। मंदिर परिसर के साथ-साथ कुशेश्वरस्थान बाजार और आसपास के मार्गों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। हर तरफ श्रद्धालुओं की आवाजाही से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव का नाम जपते हुए अपनी बारी का इंतजार करते रहे। जयकारों से गूंजता रहा पूरा कुशेश्वरस्थान बाबा के जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मंदिर परिसर से लेकर बाजार तक लगातार हर-हर महादेव, बोल बम और जय कुशेश्वर के जयकारे गूंजते रहे। पूरा कुशेश्वरस्थान शिवभक्ति में डूबा नजर आया। सावन की अंतिम सोमवारी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर बाबा कुशेश्वरनाथ के प्रति लोगों की गहरी आस्था को प्रदर्शित किया।

महिला की हत्या में दोषी एक अभियुक्त को आजीवन सश्रम कारावास

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला एससी,एसटी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश नवीन कुमार ठाकुर की अदालत ने महिला की हत्या के मामले में जाले थाना क्षेत्र के काजी बहेड़ा गांव निवासी मो. शहनवाज को आजीवन सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। एससी,एसटी के विशेष लोक अभियोजक संजीव कुमार कुंवर ने बताया कि अभियुक्त को बीएनएस की धारा 103 एवं एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) के तहत दोषी करार दिया गया। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त 2024 को तड़के करीब चार बजे काजी बहेड़ा गांव में घर के बगल स्थित बांसबाड़ी में सुनीता देवी की हत्या कर दी गई थी। मृतका की पुतोहु अहिल्या देवी के आवेदन पर जाले थाना में अज्ञात हत्यारे के विरुद्ध कांड संख्या 162/24 दर्ज किया गया था। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने 28 अगस्त 2024 को लहेरियासराय स्टेशन से संदिग्ध मो. शहनवाज को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने रस्सी से गला दबाकर सुनीता देवी की हत्या करने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त रस्सी भी बरामद की। अनुसंधान पूरा होने के बाद पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में आरोपपत्र समर्पित किया। मामले का विचारण एससी/एसटी केस संख्या 02/25 के तहत शुरू हुआ। न्यायालय ने 27 फरवरी 2025 को बीएनएस की धारा 103 तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) के तहत आरोप गठित किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अनुसंधानकर्ता एवं चिकित्सक समेत कुल सात गवाहों की गवाही कराई गई। विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि अदालत ने 18 अगस्त को अभियुक्त को दोषी घोषित किया था। सोमवार को सजा के बिंदु पर अभियोजन एवं बचाव पक्ष की दलीलें सुनने तथा अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के बाद अदालत ने मो. शहनवाज को आजीवन सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियुक्त 29 अगस्त 2024 से जेल में बंद है।

लहेरियासराय स्टेशन पर नमो भारत रैपिड व जोगबनी-दानापुर इंटरसिटी का होगा ठहराव

दरभंगा। रेलवे कनेक्टिविटी के क्षेत्र में दरभंगा एवं लहेरियासराय स्टेशन को प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की पहल तेज हो गई है। रेलवे मंत्रालय ने लहेरियासराय स्टेशन पर जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड ट्रेन तथा जोगबनी-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव को मंजूरी दे दी है। शीघ्र ही दोनों ट्रेनों का ठहराव शुरू किया जाएगा। स्थानीय सांसद सह रेलवे स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा भेजे गए पत्र के माध्यम से मंत्रालय के निर्णय की जानकारी दी। सांसद ने बताया कि लहेरियासराय स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर उन्होंने 11 एवं 13 अगस्त 2026 को रेल मंत्री से मुलाकात कर पत्र सौंपा था। इसके पूर्व भी रेलवे स्टैंडिंग कमेटी की विभिन्न बैठकों में उन्होंने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने कहा कि लहेरियासराय एक पुराना एवं महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है। यहां दोनों ट्रेनों के ठहराव से हजारों यात्रियों को लाभ मिलेगा तथा पटना सहित अन्य क्षेत्रों की यात्रा में समय और संसाधन की बचत होगी। खासकर जयनगर, सीतामढ़ी एवं झंझारपुर की ओर से आने वाले यात्रियों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी।सांसद ने बताया कि लहेरियासराय होकर गुजरने वाली दिल्ली, मुंबई, कोलकाता सहित देश के प्रमुख महानगरों की लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव के लिए भी पहल की जा रही है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अन्य ट्रेनों के ठहराव की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। डॉ. ठाकुर ने दोनों ट्रेनों के ठहराव की मंजूरी के लिए रेल मंत्री, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे लहेरियासराय से पटना की यात्रा और अधिक सुगम होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य की एनडीए सरकार दरभंगा और मिथिला को रेलवे के मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शंभु अगेही शिखर सम्मान से सम्मानित हुए 40 साहित्यकार,11 पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। हिन्दी समाहार मंच के तत्वावधान में शंभु अगेही की दशम पुण्य स्मृति समारोह के दूसरे दिन स्नेह अगेही शिक्षण संस्थान, शुभंकरपुर में बहुभाषी कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिलेश कुमार चौधरी ने की। इस अवसर पर बिहार सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए करीब 40 साहित्यकारों को शंभु अगेही शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों चितरंजन सिन्हा कनक, डॉ. शारदाचरण, पवन कुमार वर्मा (बनारस), डॉ. विनोद कुमार सिन्हा एवं प्रेम कुमार वर्मा सहित अन्य अतिथियों ने शंभु अगेही के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर 11 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इनमें श्रीमद्भागवत गीता एवं रघुवंश महाकाव्य (प्रेम कुमार वर्मा), आओ गणिनाथ मेरे गाँव में एवं अंचरा के फूल (सूबेदार नंद किशोर साहू), आंगुरी में पांखुरी (डॉ. उषा श्रीवास्तव), मगर साक्षी क्या करें (सरोज कुमार वर्मा), साहस की जीत (डॉ. सतीश चंद्र भगत), बज्जिका बाल किरण (डॉ. पुष्पा गुप्ता), गोइठा (डॉ. सुधांशु चक्रवर्ती), बज्जिका मन गंध (सविता राज) तथा ओझराएल डीह (शेखर श्रीवास्तव) शामिल हैं। प्रेम कुमार वर्मा को स्नेह अगेही वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से जीवनोपलब्धि अलंकरण सम्मान प्रदान किया गया। वहीं सरोज कुमार वर्मा, पुष्पा गुप्ता, सविता राज, ई. राणा ब्रजेश, सुधांशु चक्रवर्ती, उषा श्रीवास्तव, मोजीर अहमद आजाद, अतुल कुमार मिश्र, सूबेदार नंद किशोर साहू, कुमकुम मिश्र सान्वी, शेखर कुमार श्रीवास्तव सहित कई साहित्यकारों को शंभु अगेही शिखर सम्मान दिया गया। चितरंजन सिन्हा कनक ने कहा कि साहित्यकारों की स्मृति को जीवंत रखने के लिए उनकी कृतियों को आत्मसात करना जरूरी है। डॉ. विनोद कुमार सिन्हा ने शंभु अगेही को विद्यापति की तरह बहुविध साहित्यकार बताया। डॉ. राजरंजन प्रसाद ने उन्हें निष्काम कर्मयोगी बताते हुए साहित्य एवं समाज सेवा में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम के अंत में बहुभाषी कवि सम्मेलन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से शंभु अगेही को श्रद्धांजलि अर्पित की। धन्यवाद ज्ञापन अगेही की बड़ी पुत्री साधना सिन्हा ने किया।

रामदयालु से चांदनी चौक तक 44.76करोड की लागत से सड़क का होगा चौड़ीकरण

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल रामदयालु नगर से चांदनी चौक के बीच अब 4.50 किलोमीटर लंबी 6-लेन सड़क का निर्माण और उन्नयन किया जाएगा। करीब 44.76 करोड़ रुपये की लागत वाली इस बहुप्रतीक्षित परियोजना से रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। पथ निर्माण विभाग और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अधिकारियों के अनुसार सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण समेत संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति मिल चुकी है। अब जल्द ही सड़क चौड़ीकरण और उन्नयन का काम शुरू होने की उम्मीद है। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने बताया कि परियोजना के मार्ग में आने वाली एनएचएआई से संबंधित औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। परियोजना निदेशक एनएचएआई एवं पीआईयू-मुजफ्फरपुर के पत्रांक-701 के माध्यम से पूरी परियोजना के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी कर दिया गया है। इससे परियोजना के निर्माण कार्य में आने वाली प्रमुख बाधाएं दूर हो गई हैं। रामदयालु नगर से चांदनी चौक के बीच प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहनों का दबाव रहता है। वर्तमान में सड़क पर अधिक यातायात दबाव के कारण कई बार लंबा जाम लग जाता है। सड़क के 6-लेन में चौड़ीकरण और आधुनिक तरीके से उन्नयन के बाद वाहनों का आवागमन अधिक सुगम और निर्बाध होने की उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण से लोगों के समय और ईंधन की बचत होगी। यातायात व्यवस्था बेहतर होने से सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की संभावना है। इसके साथ ही आसपास के इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। पथ निर्माण विभाग के सचिव ने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क चौड़ीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मुजफ्फरपुर के आधुनिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद शहर के यातायात को बेहतर बनाने में भी इसका बड़ा योगदान होगा। परियोजना एक नजर में: रामदयालु नगर से चांदनी चौक तक 4.50 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण एवं उन्नयन किया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 44.76 करोड़ रुपये है और सड़क को 6-लेन स्वरूप में विकसित किया जाएगा।

सीढ़ी घाट पर जल भरने गया 9वीं का छात्र नदी में डूबा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के सीढ़ी घाट पर सोमवार को धनेश्वर नाथ मंदिर में जलार्पण के लिए जल भरने के दौरान 16 वर्षीय किशोर बूढ़ी गंडक नदी के गहरे पानी में डूब गया। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। बचाव कार्य शुरू होने में देरी का आरोप लगाते हुए परिजनों और मौके पर मौजूद कांवरियों ने जमकर हंगामा किया। किशोर की पहचान तुर्की थाना क्षेत्र के लदौरा निवासी सतेंद्र शाह के 16 वर्षीय पुत्र ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। ऋषभ नौवीं कक्षा का छात्र था। बताया गया कि वह अपने अन्य साथी युवकों के साथ धनेश्वर नाथ मंदिर में जलार्पण के लिए सीढ़ी घाट पर जल भरने पहुंचा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। जल भरने के दौरान अचानक ऋषभ का पैर फिसल गया या पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देखकर साथ आए युवकों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी की गहराई और तेज बहाव के कारण वह पानी में ओझल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ऋषभ के परिजन रोते-बिलखते सीढ़ी घाट पहुंचे। परिजनों का आरोप था कि हादसे के काफी देर बाद तक प्रभावी बचाव कार्य शुरू नहीं किया गया। गोताखोरों की टीम के समय पर नहीं पहुंचने से आक्रोशित परिजनों और कांवरियों ने घाट पर हंगामा किया और प्रशासनिक व्यवस्था पर नाराजगी जताई। हंगामे की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश की जा रही थी। खबर लिखे जाने तक उसका पता नहीं चल सका था।

जकात सेंटर इंडिया के मुजफ्फरपुर यूनिट ने करीब 55 जरूरतमंद परिवारों को दी सहायता

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जकात सेंटर इंडिया, मुजफ्फरपुर यूनिट की ओर से आज जरूरतमंद एवं पात्र लाभार्थियों के बीच सहायता राशि एवं स्वरोजगार से जुड़ी सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान करीब 55 लोगों को सहायता प्रदान की गई, जिसमें लगभग 10 लाख रुपये की सहायता राशि का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को तत्काल आर्थिक सहयोग देने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ाना रहा। इस अवसर पर 11 जरूरतमंद लाभार्थियों को सिलाई मशीन प्रदान की गई, ताकि वे सिलाई कार्य के माध्यम से अपनी आय का साधन विकसित कर सकें। वहीं 9 लाभार्थियों को ठेला उपलब्ध कराया गया, जिससे वे छोटे व्यवसाय के जरिए अपना रोजगार शुरू कर सकें। इसके अलावा छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर उनकी शिक्षा को जारी रखने में सहयोग दिया गया। संस्था की ओर से शिक्षा को आर्थिक कठिनाइयों के कारण प्रभावित होने से बचाने और प्रतिभावान एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर देने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में जकात सेंटर इंडिया के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि जकात का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों को सम्मानजनक जीवन, रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना भी है। सिलाई मशीन और ठेला जैसे साधन उपलब्ध कराने का उद्देश्य लाभार्थियों को लंबे समय तक अपनी आजीविका चलाने में सक्षम बनाना है। संस्था का मानना है कि सामूहिक प्रयास और व्यवस्थित तरीके से जकात का उपयोग समाज के कमजोर वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। जरूरतमंद परिवारों, छोटे कारोबार शुरू करने वाले लोगों और विद्यार्थियों तक सहायता पहुंचाकर समाज में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

मां-बेटे का शव बूढ़ी गंडक से बरामद नीट की तैयारी कर रहा था बेटा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। रविवार शाम से लापता एक महिला और बेटे का शव सोमवार सुबह बूढ़ी गंडक नदी से बरामद किया गया है। मृतकों की पहचान पिंकी देवी (38) और उनके पुत्र आदर्श रौशन (17) के रूप में हुई है। मूल रूप से सीतामढ़ी के रहने वाले थे। बेटा नीट की तैयारी करता था। पढ़ाई के लिए चंदवारा घाट, हरपुर में किराए के मकान में रह रहे थे। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र की है। पिंकी देवी के भाई संजय साह ने बताया कि उनकी बहन सीतामढ़ी के रीगा रोड की निवासी थी। उनके पति डॉ. नीरज कुमार मूल रूप से शिवहर के रहने वाले हैं और चंदवारा इलाके में एक क्लीनिक चलाते हैं। रविवार को डॉ. नीरज ने फोन कर परिजनों को पत्नी और बेटे के लापता होने की सूचना दी थी, जिसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई थी। तलाश के दौरान चंदवारा पुल के नीचे बांध पर मां-बेटे की स्कूटी लावारिस हालत में मिली थी। इसके बाद सोमवार सुबह नदी में शव दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। गोताखोरों की मदद से बेटे आदर्श रौशन का शव भी नदी से बाहर निकाला गया। अहियापुर पुलिस ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार,महिला और उसके बेटे के लापता होने की सूचना उनके पति ने रविवार को थाने में दी थी। जांच के दौरान चंदवारा पुल से स्कूटी बरामद हुई थी। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तबादले के बाद भी पूर्व सीओ ने निपटाए 20 दाखिल-खारिज आवेदन

● जमीन का रकबा बढ़ाने का भी आरोप-जांच में गंभीर अनियमितता

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जमीन से जुड़े मामलों में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार लगातार नए प्रावधान लागू कर रही है, लेकिन राजस्व विभाग के स्तर पर ही नियमों की अनदेखी के मामले सामने आ रहे हैं। कुढ़नी के पूर्व अंचलाधिकारी अनिल कुमार संतोषी पर तबादले और प्रभार सौंपे जाने के बाद भी दाखिल-खारिज के आवेदनों का निपटारा करने का आरोप लगा है। बताया गया कि पूर्व सीओ ने तबादले और प्रभार देने के बाद भी एक-दो नहीं, बल्कि 20 दाखिल-खारिज आवेदनों का निपटारा कर दिया। इनमें से 18 आवेदनों को स्वीकृति दी गई, जबकि महज दो आवेदनों को अस्वीकृत किया गया। इन दोनों मामलों में आपत्ति दर्ज होने की बात सामने आई है। जांच में यह भी सामने आया कि एक रैयत की जमीन के रकबे में भी कथित तौर पर गलत तरीके से वृद्धि की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी कुमार गौरव ने तीन अधिकारियों की संयुक्त जांच टीम गठित की थी। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में पूर्व सीओ अनिल कुमार संतोषी के कार्यों को गंभीर अनियमितता की श्रेणी में रखा है। संयुक्त जांच रिपोर्ट में संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा भी की गई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद राजस्व विभाग में इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जांच में यह सवाल भी उठाया गया है कि प्रभार सौंपे जाने के बाद पूर्व सीओ ने किन परिस्थितियों में दाखिल-खारिज के इतने मामलों का निपटारा किया। अनिल कुमार संतोषी वर्तमान में पूर्वी चंपारण जिले के बंदोबस्त कार्यालय में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर अब उनके खिलाफ विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। जमीन से जुड़े दाखिल-खारिज मामलों में इस तरह की अनियमितता सामने आने से राजस्व व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि संबंधित अधिकारी के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

सावन की अंतिम सोमवारी पर बाबा खगेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

मुजफ्फरपुर। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर जिले के बंदरा प्रखंड अंतर्गत मतलूपुर गांव स्थित अति प्राचीन बाबा खगेश्वर नाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।पहलेजाघाट से गंगाजल लेकर अहले सुबह से ही बमों का आना शुरू हो गया।वहीं विभिन्न क्षेत्रों से शिवभक्त गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचे और बाबा खगेश्वर नाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। अहले सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो लगातार जारी रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ बाबा भोलेनाथ पर गंगाजल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। मंदिर परिसर में पूरे दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा और बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते नजर आए। सावन की सोमवारी के मौके पर मंदिर परिसर में मेला भी आयोजित किया गया। मेले में आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने खरीदारी की और धार्मिक आयोजन का आनंद लिया। बाबा खगेश्वर नाथ मंदिर क्षेत्र का अति प्राचीन शिवस्थल माना जाता है, जिसके प्रति स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में भी विशेष आस्था और श्रद्धा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। बंदरा की अंचलाधिकारी अदिति राय स्वयं लगातार मौके पर कैंप करती रहीं और व्यवस्थाओं का जायजा लेती रहीं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मंदिर परिसर में तैनात रही। स्वास्थ्यकर्मियों ने भक्तों की सेवा के लिए आवश्यक व्यवस्था संभाली।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक स्नातकोत्तर एवं पीएचडी में नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में स्नातक , स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के नये छात्रों की नामांकन और डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया आज शुरू हो गई। विश्वविद्यालय की ओर से नामांकन के लिए एकल खिड़की व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में विभिन्न स्टाल और टेबल लगाकर नामांकन के सभी कार्य एक ही जगह किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की ओर से दूसरे राज्यों से नामांकन के लिए आने वाले छात्रों के मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर भी स्टाल लगाए गए हैं और दोनों ही जगह से विश्वविद्यालय आने जाने के लिए मुफ्त बस सर्विस उपलब्ध करवाई गई है। विश्वविद्यालय में छात्रों एवं अभिभावकों के रहने एवं खाने की भी उचित व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पी के प्रणव ने बताया कि कुलपति इस बात को काफी सचेत रहते हैं कि छात्र छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से नामांकन के विभिन्न चरणों को सुगमता से पूरा करने के लिए सभी स्टाल एक ही जगह लगाये गये हैं। पंजाब नेशनल बैंक की ओर से भी स्टाल लगाया गया है ताकि छात्र अपना बैंक एकाउंट खोल सके और यदि किसी को आर्थिक समस्या हो तो उन्हें बैंक की ओर स्टूडेंट लोन एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में देश के 27 राज्यों से छात्र नामांकन के लिए आते है ऐसे में उन्हें किसी भी तरह की कोई समस्या न हो इसकी विशेष व्यवस्था की गई है। कुलसचिव ने कहा कि कुलपति डॉ पी एस पांडेय छात्रों के नामांकन को लेकर लगातार अपडेट ले रहे हैं। विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी हार्टिकल्चर, बीएससी फिशरीज, बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, बीएससी कम्यूनिटी साइंस सहित अन्य आठ स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषयों में नामांकन की प्रक्रिया कल भी चलेगी। समाचार लिखे जाने तक सभी विषयों में समेकित रूप से लगभग साठ प्रतिशत से अधिक सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। कल के नामांकन के उपरांत यदि सीटें खाली रह जायेगी तो दूसरे राउंड की काउंसलिंग कराई जा सकती है । विश्वविद्यालय में सभी सीटों पर नामांकन सीयूइटी परीक्षा में प्राप्त रैंक एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की काउंसलिंग के बाद की जाती है। विश्वविद्यालय की लगातार बढ़ रही रैंकिंग एवं छात्रों के विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलता को देखते हुए सबसे उत्कृष्ट छात्र यहां नामांकन के लिए लालायित रहते हैं। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय में 27 राज्यों के छात्रों ने नामांकन लिया था।

बाप-बेटी का रिश्ता शर्मसार, डेढ़ साल तक सहती रही दुष्कर्म का दर्द, अब पिता गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिस उम्र में बेटी को अपने पिता के पास सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करना चाहिए, उसी रिश्ते पर गंभीर आरोप ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। सरैया थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बेटी ने अपने पिता पर पिछले करीब डेढ़ वर्ष से दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। विरोध करने पर मारपीट और धमकी देने की बात भी सामने आई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने शिकायत में बताया है कि उसकी मां का निधन वर्ष 2019 में हो गया था। उसके दो छोटे भाई भी हैं। आरोप है कि मां की मौत के बाद से पिता ने उसके साथ कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई और किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। पीड़िता के अनुसार, शुक्रवार को पिता ने एक बार फिर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। इसी दौरान मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंची। सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपित को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा है। जांच रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि नाबालिग से जुड़े मामले में उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जा रही है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सावन माह की चौथी और अंतिम सोमवारी पर सोमवार को बाबा गरीबनाथ धाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आधी रात 12 बजे से ही बाबा के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा गरीबनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर ह्यहर-हर महादेवह्न और ह्यजय बाबा गरीबनाथह्न के जयकारों से गूंजता रहा। मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, रात में ही करीब डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा का जलाभिषेक कर चुके थे। वहीं, अहले सुबह के बाद स्थानीय श्रद्धालुओं की भी बड़ी भीड़ मंदिर पहुंची। बिहार के प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ धाम में चौथी सोमवारी को लेकर रात 12 बजे से शुरू हुआ जलाभिषेक का सिलसिला सोमवार सुबह तक लगातार जारी रहा। सामान्य कांवरियों के साथ बड़ी संख्या में डाक कांवरिया भी बाबा के दरबार में पहुंचे। भक्त बाबा गरीबनाथ का जयकारा लगाते हुए मंदिर पहुंच रहे थे और श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक कर रहे थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद उनके उत्साह और बाबा के प्रति आस्था में कोई कमी नहीं दिखाई दी। भक्तों में पूरे दिन भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए बाबा गरीबनाथ मंदिर के सामने अरघा लगाया गया था। इसी के माध्यम से श्रद्धालुओं से जलाभिषेक कराया गया। वहीं, भक्तों को बाबा के दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसर में एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी। एलईडी स्क्रीन के जरिए श्रद्धालुओं ने बाबा गरीबनाथ के दर्शन किए। चौथी सोमवारी पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगातार माइकिंग के जरिए श्रद्धालुओं को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे थे। मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार स्थिति का जायजा लेते रहे। एसडीपीओ टाउन-1 सुरेश कुमार और एसडीएम पूर्वी आनंद उत्सव भी मौके पर मौजूद रहे और कांवरियों की सेवा तथा व्यवस्थाओं की निगरानी करते दिखाई दिए। बाबा गरीबनाथ धाम मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि बाबा पर जलाभिषेक का सिलसिला लगातार जारी है। रात से लेकर सुबह तक लाखों श्रद्धालु बाबा का जलाभिषेक कर चुके हैं और आगे भी भक्तों के पहुंचने का क्रम जारी है। उन्होंने कहा कि बाबा गरीबनाथ के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था लगातार बढ़ रही है। स्थानीय श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। प्रधान पुजारी ने बताया कि सावन माह की अंतिम सोमवारी का धार्मिक मान्यताओं में विशेष महत्व माना जाता है। चौथी सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष आस्था रहती है। इसी कारण बाबा गरीबनाथ धाम में देर रात से ही भक्तों की भीड़ जुट गई थी। ह्यहर-हर महादेवह्न और ह्यजय बाबा गरीबनाथह्न के जयकारों के बीच श्रद्धालु बाबा का जलाभिषेक कर आशीर्वाद लेते रहे।

दुबहा में महिला से चेन छीनतई, अपाचे सवार दो बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सकरा थाना क्षेत्र के दुबहा में सोमवार को बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला से चेन छीनतई की घटना को अंजाम दिया। अपाचे बाइक पर सवार दोनों युवक महिला को निशाना बनाने के बाद तेजी से मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जुटे, लेकिन तब तक बदमाश काफी दूर निकल चुके थे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि बदमाश अपाचे बाइक पर सवार होकर पहुंचे थे और मौका मिलते ही महिला के गले से चेन झपट लिया। वारदात के बाद दोनों बदमाश फरार हो गए। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बदमाशों की पहचान के लिए आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

कांटी में 6901 लीटर विदेशी शराब बरामद,ट्रक जब्त

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र में पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की है। मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, बिहार, पटना से मिली गुप्त सूचना के आधार पर कांटी थाना की पुलिस टीम ने रविवार को लस्करीपुर गांव में एनएच-27 के निकट कार्रवाई की। इस दौरान एक ट्रक में छिपाकर रखी गई 6901.56 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ लगातार छापेमारी व सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के क्रम में मिली सूचना के बाद कांटी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार, मामले में कांटी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बरामद शराब के स्रोत और इसके परिवहन में शामिल लोगों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्र के 14 पीएचसी की बदलेगी सूरत, दो करोड़ की लागत से अत्याधुनिक होंगे लेबर रूम और प्रसूति वार्ड

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिले के 14 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लेबर रूम और प्रसूति वार्ड का करीब दो करोड़ रुपये की लागत से कायाकल्प किया जाएगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर सुरक्षित और स्वच्छ प्रसव की व्यवस्था सुनिश्चित करने की योजना है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम और आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से धरातल पर उतारी जा रही है। इस संबंध में आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रबंधक जय प्रकाश सिंह ने जिलाधिकारी सह सचिव जिला स्वास्थ्य समिति को पत्र भेजकर आवश्यक प्रशासनिक सहयोग और अनुमति मांगी है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। योजना के तहत चयनित स्वास्थ्य केंद्रों के भवन और आंतरिक हिस्सों का आवश्यक जीर्णोद्धार किया जाएगा। लेबर रूम और प्रसूति वार्ड को स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। प्रसूति वार्ड में संक्रमण की रोकथाम पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके लिए साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था के साथ प्रसव के दौरान संक्रमण फैलने से रोकने के लिए निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य केंद्रों पर 24 घंटे निर्बाध बिजली और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने की योजना है। मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में वेटिंग रूम, आधुनिक शौचालय और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था को भी बेहतर किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए बेहतर और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। अब तक कई ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं, साफ-सफाई और बेहतर प्रसूति व्यवस्था के अभाव में मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई जगह लेबर रूम और प्रसूति वार्ड की स्थिति खराब होने के कारण जच्चा-बच्चा के संक्रमण की चपेट में आने का खतरा बना रहता था। वहीं, जर्जर फर्श, दीवारों और पर्याप्त प्राइवेसी की कमी से महिलाओं को भी परेशानी होती थी। आधुनिक और सुरक्षित प्रसव वार्ड तैयार होने से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। इससे गरीब परिवारों को निजी अस्पतालों में इलाज और प्रसव पर होने वाले अधिक खर्च से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

संगम घाट के पास अज्ञात महिला का शव बरामद

मुजफ्फरपुर। जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र स्थित सोनियापुर संगम घाट के पास गाइड बांध के नीचे सोमवार सुबह एक महिला का शव मिला है। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। सुबह टहलने के लिए निकले स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी। एक व्यक्ति ने गाइड बांध के नीचे शव पड़े होने की जानकारी स्थानीय लोगों को दी। लोगों ने मौके पर पहुंचने के बाद शव को देखा। शुरूआत में कपड़े से चेहरा ढका होने के कारण उन्हें शव पुरुष का लगा, लेकिन चेहरा देखने पर महिला का शव होने की पुष्टि हुई। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि हत्या के बाद शव को रविवार रात यहां लाकर फेंका गया होगा। हालांकि, महिला की मौत कैसे हुई और शव यहां किसने फेंका, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं हो सकी है। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांच के बाद शव महिला का पाया गया। शव करीब एक-दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है।

बक्सों के ताले तोड़कर करीब 10 लाख की चोरी, डॉग स्क्वायड और एफएसएल टीम ने शुरू की जांच

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सरैया थाना क्षेत्र में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर बक्सों के ताले तोड़ दिए और उनमें रखे जेवरात, नकदी समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। चोरी की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों ने करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति चोरी होने की जानकारी पुलिस को दी है। बताया गया कि चोर घर के पिछले हिस्से से अंदर पहुंचे और घर में रखे बक्सों के ताले तोड़ दिए। चोरों ने बक्सों में रखे जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान निकाल लिया और बक्सों को पास के 1किमी दूर बंसवारी में छोड़कर फरार हो गए। सुबह परिवार के सदस्य नीचे घर में आए तो कमरों और आसपास सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। जांच करने पर चोरी की घटना का पता चला। घटना की सूचना मिलते ही सरैया थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार और नौशाद आलम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और डॉग स्क्वायड की मदद से घर के पिछले हिस्से से लेकर बांसवारी तक जांच की। पुलिस टीम ने चोरों के आने-जाने के संभावित रास्तों और घटनास्थल से सुराग जुटाने का प्रयास किया। थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने बताया कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर मामले की छानबीन की जा रही है। एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। डॉग स्क्वायड की मदद से फिलहाल कोई महत्वपूर्ण सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस वैज्ञानिक तरीके से जांच करते हुए चोरी में शामिल अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। वहीं, घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

नदी में डूबे दो युवक, एक की मौत दूसरा गंभीर

मुजफ्फरपुर। मुसहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बूढ़ी गंडक के आथर घाट पर सोमवार को जलबोझी के दौरान बड़ा हादसा हो गया। नदी में स्नान और जल लेने के दौरान दो युवक गहरे पानी में डूब गए। हादसे के बाद घाट पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को पानी से बाहर निकाला। इनमें से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों और कांवरियों ने मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद एक युवक का शव पानी से बाहर निकाला गया। वहीं दूसरे युवक को गंभीर हालत में निकालकर तत्काल एसकेएमसीएच भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही मुसहरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया।

बाबा गरीबनाथ धाम में स्वास्थ्य मंत्री ने किया जलाभिषेक, राज्य की सुख-समृद्धि की कामना

प्रात: किरण संवाददाता

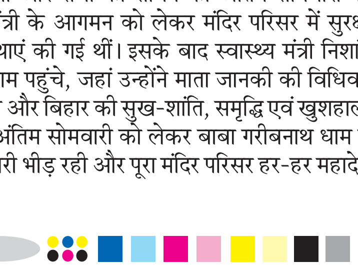

मुजफ्फरपुर। पवित्र सावन मास की अंतिम सोमवारी के अवसर पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सोमवार को मुजफ्फरपुर के प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ धाम पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। उन्होंने बाबा गरीबनाथ से राज्यवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर पहुंचने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने बाबा गरीबनाथ का विधिवत जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं का अभिवादन भी स्वीकार किया और सभी को सावन की अंतिम सोमवारी की शुभकामनाएं दीं। स्वास्थ्य मंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार सीतामढ़ी के पुनौरा धाम पहुंचे, जहां उन्होंने माता जानकी की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश और बिहार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर बाबा गरीबनाथ धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा।

सम्पादकीय

तपते शहर, जलता भविष्य

भारतीय शहरों में पड़ रही भीषण गर्मी अब महज एक मौसम संबंधी घटना नहीं बल्कि जलवायु न्याय का मुद्दा बन गई है। लू को अक्सर एक क्षणिक जलवायु घटना माना जाता है, लेकिन लू के असमान प्रभाव आवास, आय, रोजगार, पानी और बिजली की उपलब्धता और भीषण गर्मी से बचने की क्षमता में व्याप्त असमानताओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। अमीर लोग वातानुकूलित इमारतों में शरण ले सकते हैं, जबकि लाखों शहरी गरीबों को काम, स्कूल और घर जाने के लिए दिन की भीषण गर्मी सहनी पड़ती है। दिल्ली में हाल ही में दर्ज की गई भीषण गर्मी, जिसमें सुंदर नगरी का सतही तापमान 54 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया, इस असमान वास्तविकता को दशार्ती है। दुनिया के अन्य हिस्सों के विपरीत, जलवायु परिवर्तन शहरी डिजाइन और विकास प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है, जिससे भारतीय शहर अधिक गर्म हो रहे हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण भीषण गर्मी की घटनाएं बढ़ रही हैं, इनकी अवधि लंबी हो रही है और तीव्रता भी बढ़ रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर, शहरीकरण शहरी ऊष्मा द्वीप (यूएचआई) प्रभाव के माध्यम से तापमान को और बढ़ा सकता है। दिन के दौरान, कंक्रीट, डामर और अन्य निर्मित सतहें सूर्य से ऊष्मा अवशोषित करती हैं और धीरे-धीरे इसे छोड़ती हैं, जिससे रात के बाद आस-पड़ोस गर्म हो जाते हैं। शहरों के अनियोजित और तीव्र विकास ने प्राकृतिक शीतलन क्षेत्रों को ऊष्मा धारण करने वाले बुनियादी ढांचे से प्रतिस्थापित कर दिया है। वनस्पति की कमी से स्थिति और भी बिगड़ जाती है। पेड़ और हरे-भरे स्थान तापमान को नियंत्रित करते हैं और वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को छाया प्रदान करते हैं। ये गर्मी से बचाव के सबसे प्रभावी प्राकृतिक अवरोधों में से एक हैं, जो धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, खासकर ऊंची इमारतों वाले और गरीब इलाकों में। इमारतों की घनी आबादी भी वायु प्रवाह को बाधित कर सकती है, जिससे इमारतों के बीच गर्म हवा जमा हो सकती है। शहरी गर्मी का अन्याय असमान रूप से प्रभावित होता है, और इसके अनुकूलन की क्षमता भी असमान होती है। गरीब लोग अक्सर अनौपचारिक बस्तियों में या खराब ढंग से बने घरों में रहते हैं, जिनमें हवा का आवागमन कम होता है, इन्सुलेशन सीमित होता है और छत टिन की होती है। दिन के सबसे गर्म समय में ये घर बाहर के तापमान से कहीं अधिक गर्म हो सकते हैं। भीड़भाड़ वाले कमरों में, जहां बिजली की आपूर्ति अनियमित होती है और एयर कंडीशनर या पंखे का लंबे समय तक उपयोग करने की क्षमता न होती है, गर्मी का सामना करना विशेष रूप से खतरनाक होता है। ऐसे में कई परिवारों के लिए घर ही शरणस्थल बन जाता है। असुरक्षा का एक अन्य पहलू व्यवसाय है। अनौपचारिक क्षेत्र के कई श्रमिक, जैसे कि सड़क विक्रेता, निर्माण श्रमिक, सफाईकर्मी, डिलीवरी कर्मी, यातायात पुलिसकर्मी, घरेलू कामगार आदि, दिन के सबसे गर्म घंटों में काम करने से बच नहीं पाते हैं। औपचारिक कर्मचारियों के विपरीत, इनमें से कई को उपस्थिति या उत्पादकता और/या बिक्री के आधार पर वेतन मिलता है। स्वास्थ्य कारणों से छुट्टी लेने पर आय का नुकसान हो सकता है। गर्मी से उत्पादकता में कमी, ग्राहकों की संख्या में गिरावट, खराब होने वाली वस्तुओं की बबादी और शारीरिक थकान भी होती है। परिणामस्वरूप, यह गर्मी कम आय और पानी, बिजली और स्वास्थ्य देखभाल के बढ़ते खर्चों के दुष्चक्र को जन्म दे सकती है। स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव भी एक जैसे नहीं होते। लंबे समय तक उच्च तापमान के लक्षणों में निर्जलीकरण, सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी और अनिद्रा शामिल हैं। बुजुर्ग, पहले से ही कमजोर लोग और छोटे बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल, स्वच्छ पानी और शीतलन की सुविधा मिलने की संभावना कम होती है। रात में खराब नींद के दीर्घकालिक प्रभाव भी हो सकते हैं, क्योंकि इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, खासकर गर्म जलवायु में जहां घरों में पर्याप्त शीतलन की व्यवस्था नहीं होती, और जो भीड़भाड़ वाले होते हैं और रात में बंद नहीं किए जा सकते। गर्मी से संबंधित संवेदनशीलता केवल मौसम स्टेशन पर दर्ज किए गए उच्चतम तापमान का मामला नहीं है; इसमें गर्मी के संपर्क में रहने की अवधि और गर्मी के प्रभावों को कम करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता भी शामिल हो सकती है। भारतीय शहरों को लू से निपटने की सामान्य रणनीतियों से हटकर शहरी नियोजन के लिए लू-प्रतिरोधी और सामाजिक रूप से समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

स्कूल में पढ़ाई या बाहरी दखल?

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सरकारी विद्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान हो सकता है, विशेष रूप से सामुदायिक केंद्र के रूप में। सार्वजनिक महत्व का अर्थ सार्वजनिक पहुंच नहीं है। व्यापक अर्थ में, समुदाय में विद्यालय भी शामिल होता है, लेकिन विद्यालय को प्रतिदिन अपने छात्रों की शिक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इसलिए, किसी को भी इस आधार पर कक्षाओं में जाने, शिक्षकों को बाधित करने या शैक्षणिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने की छूट नहीं होनी चाहिए कि विद्यालय एक सार्वजनिक भवन है। अनाधिकृत प्रवेश से सीखने की प्रक्रिया पर कई तरह से असर पड़ सकता है। अगर कोई कक्षा में घुसकर शिक्षकों से अनावश्यक बातचीत करता है, छात्रों से बिना अनुमति के संपर्क करता है, या कोई निजी मुद्दा या समस्या स्कूल के माहौल में लाता है, तो इससे पढ़ाई में बाधा आ सकती है। छात्र ध्यान भटकने लगते हैं, शिक्षकों का ध्यान भंग होता है और अनुशासन भंग होता है। अगर ऐसा परीक्षाओं, स्कूल के कार्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान होता है, तो इसके और भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

विद्यालय महज कक्षाओं, इमारतों और चारदीवारी का समूह नहीं है। यह एक संवेदनशील संस्था है जहाँ समाज के भविष्य का निर्माण होता है। यह वह स्थान है जहाँ बच्चे बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक रूप से विकसित होते हैं। इसलिए, सुरक्षा, अनुशासन और शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना मात्र प्रशासनिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक अनिवार्य तत्व है। इस संदर्भ में, हांसी जिले के सरकारी स्कूलों में उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा बिना अनुमति के प्रवेश करने वाले या परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति पर रोक लगाने के निर्देश उल्लेखनीय हैं। ये निर्देश एक ऐसे बिंदु पर बल देते हैं जिसे अक्सर भुला दिया जाता है: स्कूल एक सीखने का स्थान होना चाहिए, न कि अनावश्यक अशांति, व्यवधान और सुरक्षा समस्याओं से ग्रस्त स्थान। विद्यालय समुदाय आधारित संस्थान होते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सरकारी विद्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान हो सकता है, विशेष रूप से सामुदायिक केंद्र के रूप में। सार्वजनिक महत्व का अर्थ सार्वजनिक पहुंच नहीं है। व्यापक अर्थ में, समुदाय में विद्यालय भी शामिल होता है, लेकिन विद्यालय को प्रतिदिन अपने छात्रों की शिक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इसलिए, किसी को भी इस आधार पर कक्षाओं में जाने, शिक्षकों को बाधित करने या शैक्षणिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने की छूट नहीं होनी चाहिए कि विद्यालय एक सार्वजनिक भवन है। अनाधिकृत प्रवेश से सीखने की प्रक्रिया पर कई तरह से असर पड़ सकता है। अगर कोई कक्षा में घुसकर शिक्षकों से अनावश्यक बातचीत करता है, छात्रों से बिना अनुमति के संपर्क करता है, या कोई निजी मुद्दा या समस्या स्कूल के माहौल में लाता है, तो इससे पढ़ाई में बाधा आ सकती है। छात्र ध्यान भटकने लगते हैं, शिक्षकों का ध्यान भंग होता है और अनुशासन भंग होता है। अगर ऐसा परीक्षाओं, स्कूल के कार्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान होता है, तो इसके और भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह सिर्फ अनुशासन से जुड़ी समस्या नहीं है। आज के समय में, विद्यालय सुरक्षा का मुद्दा बहुआयामी है। बेहतर प्रवेश नियंत्रण बच्चों की सुरक्षा, कर्मचारियों की सुरक्षा, महत्वपूर्ण फाइलों और डिजिटल हार्डवेयर की सुरक्षा के साथ-साथ अप्रिय घटनाओं से बचाव से भी जुड़ा है। स्कूल परिसर में अनाधिकृत प्रवेश, चाहे वह वयस्कों द्वारा हो या बच्चों द्वारा, गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, आगंतुकों का रिकॉर्ड रखना, आगंतुकों के इरादे को समझना और उचित अनुमति प्राप्त करना संस्थागत सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हांसी प्रशासन के निदेर्शों की दिलचस्प बात यह है कि इनका उद्देश्य स्कूलों को समाज से अलग करना नहीं है। इसके बजाय, वे प्रवेश के लिए उचित अनुमति और वैध उद्देश्य की आवश्यकता पर जोर देते हैं। माता-पिता, शिक्षा अधिकारी, निरीक्षण दल और अन्य अधिकृत व्यक्तियों के स्कूलों में जाने के पीछे निश्चित रूप से अच्छे कारण होंगे। बच्चों की प्रगति में सहयोग के लिए माता-पिता और स्कूलों को एक-दूसरे के साथ रचनात्मक रूप से संवाद करना चाहिए। हालांकि, यह संवाद ऐसी प्रणाली के माध्यम से होना चाहिए जो कक्षा शिक्षण में बाधा न डाले। अभिभावकों के लिए मिलने का समय निर्धारित किया जा सकता है और स्कूलों में आगंतुकों का रजिस्टर और स्कूल अधिकारियों या शिक्षकों से मिलने के समय के बारे में स्पष्ट नीति हो सकती है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि किसी भी वास्तविक चिंता का समाधान गोपनीयता और सम्मानपूर्वक किया जाए और शैक्षणिक दिनचर्या बाधित न हो। इसका उद्देश्य स्कूल को समुदाय से अलग करना नहीं है, बल्कि स्कूल/समुदाय के बीच आपसी संवाद के लिए एक अनुशासित और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करना है। एक अन्य समस्या यह है कि प्रभावशाली लोग कभी-कभी विद्यालयों पर दबाव डालते हैं। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के कामकाज पर राजनीतिक, सामाजिक या व्यक्तिगत प्रभाव का असर नहीं पड़ना चाहिए। कई बार लोगों को निजी मामलों को सुलझाने, शिक्षकों को डराने-धमकाने या प्रशासनिक मामलों में दखल देने के लिए विद्यालयों में लाया जाता है। ये गतिविधियाँ न केवल अनुशासन को नुकसान पहुँचाती हैं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की गरिमा और स्वतंत्रता को भी ठेस पहुँचाती हैं। प्रभावी शिक्षण तभी संभव है जब स्कूल के बाहर से कोई धमकी या अनावश्यक दबाव न हो। स्कूल एक ऐसा स्थान होना चाहिए जहाँ संघर्ष या प्रभाव प्रदर्शन की अनुमति न हो। इसलिए, शिक्षा की गुणवत्ता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रशासकों को इस तरह के हस्तक्षेप से बचाना महत्वपूर्ण है। लेकिन सख्त आदेश इस समस्या का समाधान नहीं हो सकते। विद्यालयों में इन निदेर्शों को लागू करने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक व्यवस्था होनी चाहिए। सभी संस्थानों के लिए आगंतुकों का रजिस्टर रखना और उनके आने का कारण दर्ज करना महत्वपूर्ण है। आगंतुकों से केवल संबंधित अधिकारी की जानकारी में ही शिक्षक या छात्र मिल सकते हैं और प्रवेश की निगरानी की जानी चाहिए, खासकर जब बच्चे विद्यालय में हों। बड़े विद्यालयों में, यदि संभव हो, तो सुरक्षा कर्मचारियों, निर्धारित प्रवेश द्वार और प्रवेश बिंदुओं तथा उपयुक्त निगरानी प्रणालियों के बारे में भी विचार किया जा सकता है।

स्मार्ट बेबी मॉनिटर के दौर में कहीं खो न जाए बचपन

लेकिन वह क्यों रो रहा है, यह समझने के लिए क्या किसी एल्गोरिद्म से अधिक जरूरी मां की गोद, पिता का स्पर्श, दादी की अनुभवी नजर या नानी की वह सहज समझ नहीं है, जो बिना किसी सेंसर के बच्चे की आवाज से उसकी परेशानी पहचान लेती थी? यही वह प्रश्न है जिस पर आज के माता-पिता और पूरे समाज को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। एक दशक पहले तक भी भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश केवल माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं हुआ करती थी। दादा-दादी, नाना-नानी और परिवार के दूसरे बुजुर्ग बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। बच्चा रात में रोता था तो दादी बिना घड़ी देखे उठ जाती थी। बच्चे के माथे पर हाथ रखकर तापमान का अंदाजा लगा लेती थी। रोने के अंदाज से पहचान लेती थीं कि बच्चा भूखा है, पेट में दर्द है, नींद आ रही है या केवल गोद चाहता है। नानी की लोरी में कोई वैज्ञानिक एल्गोरिद्म नहीं था, लेकिन उसमें भावनात्मक सुरक्षा थी। दादा की उंगली पकड़कर चलने में कोई आधुनिक सेंसर नहीं था, लेकिन उसमें आत्मविश्वास था। मां की गोद में कोई डिजिटल ट्रैकिंग नहीं थी, लेकिन उसमें बच्चे के लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह थी। आज परिवार छोटे हो गए हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

धन की प्रचुरता इंसान को भौतिक सुविधाओं की कई बंदिशों से मुक्त कर देती है। बेहतर घर, बेहतर शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, अत्याधुनिक तकनीक और जीवन को आसान बनाने वाले तमाम संसाधन धनवान व्यक्ति के लिए उपलब्ध होते हैं। लेकिन यही प्रचुरता कभी-कभी इंसान को ऐसी अप्रत्यक्ष बेड़ियों में भी जकड़ देती है, जिनका अहसास उसे बहुत देर से होता है। आज बच्चों की परवरिश इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनती दिखाई दे रही है। आधुनिक माता-पिता अपने बच्चों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर पहले से कहीं अधिक सजग हैं। बच्चे कब सोए, कितनी देर सोए, कितनी बार करवट बदली, कब रोया, कितनी देर रोया, कमरे का तापमान कितना है, इन सबकी जानकारी अब स्मार्ट उपकरणों के जरिए हासिल की जा सकती है। स्मार्ट बेबी मॉनिटर सिस्टम धीरे-धीरे आधुनिक परिवारों का हिस्सा बन रहे हैं। तकनीक निश्चित रूप से उपयोगी है। वह माता-पिता को दूर रहकर भी बच्चे पर नजर रखने की सुविधा देती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बच्चे को केवल देख लेना ही उसे समझ लेना है? बच्चा रो रहा है, यह मशीन बता सकती है। लेकिन वह क्यों रो रहा है, यह समझने के लिए क्या किसी एल्गोरिद्म से अधिक जरूरी मां की गोद, पिता का स्पर्श, दादी की अनुभवी नजर या नानी की वह सहज समझ नहीं है, जो बिना किसी सेंसर के बच्चे की आवाज से उसकी परेशानी पहचान लेती थी? यही वह प्रश्न है जिस पर आज के माता-पिता और पूरे समाज को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। एक दशक पहले तक भी भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश केवल माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं हुआ करती थी। दादा-दादी, नाना-नानी और परिवार के दूसरे बुजुर्ग बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। बच्चा रात में रोता था तो दादी बिना घड़ी देखे उठ जाती थी। बच्चे के माथे पर हाथ रखकर तापमान का अंदाजा लगा लेती थी। रोने के अंदाज से पहचान लेती थीं कि बच्चा भूखा है, पेट में दर्द है, नींद आ रही है या केवल गोद चाहता है। नानी की लोरी में कोई वैज्ञानिक एल्गोरिद्म नहीं था, लेकिन उसमें भावनात्मक सुरक्षा थी। दादा की उंगली पकड़कर चलने में कोई आधुनिक सेंसर नहीं था, लेकिन उसमें आत्मविश्वास था। मां की गोद में कोई डिजिटल ट्रैकिंग नहीं थी, लेकिन उसमें बच्चे के लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह थी। आज परिवार छोटे हो गए हैं। नौकरी, महानगरीय जीवन, व्यस्तता और बदलती पारिवारिक संरचना ने बच्चों को बुजुर्गों के सहज सान्निध्य से दूर किया है। उस खाली जगह को भरने के लिए तकनीक तेजी से आगे आई है। अब बच्चे की निगरानी इंसानी आंखों से ज्यादा कैमरे कर रहे हैं और बच्चे की गतिविधियों को समझने का प्रयास अनुभव से ज्यादा डेटा के माध्यम से किया जा रहा है। स्मार्ट बेबी मॉनिटर निश्चित रूप से उपयोगी उपकरण हैं। वे नींद, गतिविधि, आवाज और कई अन्य संकेतों की निगरानी कर सकते हैं। कामकाजी माता-पिता के लिए यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है। लेकिन तकनीक की सबसे बड़ी सीमा यही है कि वह भावनाओं की पूरी भाषा नहीं समझ सकती है। बच्चे के रोने की आवाज रिकॉर्ड की जा सकती है, लेकिन उसके भीतर छिपी बेचैनी का पूरा अर्थ मशीन कैसे समझेगी? बच्चा चुप है, इसका अर्थ यह नहीं कि वह खुश है। बच्चा खेल रहा है, इसका अर्थ यह नहीं कि वह भावनात्मक रूप से सुरक्षित है। बच्चा सो रहा है, इसका अर्थ यह भी नहीं कि उसके मन में कोई डर नहीं है। बचपन केवल गतिविधियों का संग्रह नहीं है। यह भावनाओं, रिश्तों, स्पर्श, संवाद, जिज्ञासा, सुरक्षा और विश्वास से निर्मित होता है। मशीन बच्चे की गतिविधि पकड़ सकती है, लेकिन परिवार ही उसकी भावना पकड़ सकता है। अक्सर यह महसूस किया जाता है कि आज की पीढ़ी के बच्चे पहले की तुलना में अधिक तेज, जिज्ञासु और तकनीक-समझ रखने वाले हैं। वे छोटी उम्र में स्मार्टफोन, टैबलेट, कंप्यूटर और दूसरी डिजिटल तकनीकों का इस्तेमाल करना सीख जाते हैं। कई बच्चे ऐसी चीजें समझ लेते हैं जिनसे पिछली पीढ़ी का परिचय काफी बाद में हुआ था। कभी-कभी लगता है कि आज का बच्चा ज्ञान और तकनीकी समझ में आइंस्टीन और न्यूटन को चुनौती देने की क्षमता लेकर पैदा हुआ है। लेकिन इसी तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। बौद्धिक क्षमता और भावनात्मक परिपक्वता एक ही चीज नहीं हैं। बच्चा बहुत कुछ जान सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह अपनी भावनाओं को समझता भी हो। वह मशीन चला सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह किसी दुखी व्यक्ति को सांत्वना देना जानता हो। वह हजारों वीडियो देख सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे दादा की कहानी सुनने का धैर्य हो। वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सवाल पूछ सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह अपने माता-पिता से मन की बात कहने में सहज हो। यहीं आधुनिक पालन-पोषण की सबसे बड़ी चुनौती सामने आती है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित रहे। इसमें कोई बुराई नहीं है। बल्कि यह माता-पिता का स्वाभाविक दायित्व है। समस्या तब शुरू होती है जब सुरक्षा की चिंता बच्चे की स्वतंत्रता को निगलने लगती है। हर समय निगरानी, हर गतिविधि पर नजर, हर व्यवहार का विश्लेषण और हर जोखिम से बच्चे को बचाने का प्रयास धीरे-धीरे उसे जीवन के वास्तविक अनुभवों से दूर कर सकता है। बचपन में गिरना भी सीखने का हिस्सा है। गलती करना भी सीखने का हिस्सा है। कभी हार जाना भी व्यक्तित्व निर्माण का हिस्सा है। हर समस्या से बच्चे को बचा लेना उसे मजबूत नहीं बनाता। कई बार उसे समस्या का सामना करने की क्षमता से वंचित कर देता है। जिस बच्चे को हर समय किसी न किसी सुरक्षा घेरे में रखा जाता है, वह बड़ा होकर स्वतंत्र निर्णय लेने में कठिनाई महसूस कर सकता है।

महर्षि विश्वामित्र का श्रीराम से सिद्धाश्रम का पूर्व वृत्तांत बताना तथा पूजित होना

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

दिव्यास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करके श्रीराम ने चलते-चलते ही महामुनि विश्वामित्र से मधुर वाणी में पूछा। भगवन्! सामने वाले पर्वत के पास ही जो यह मेघों की घटा के समान सघन वृक्षों से परिपूर्ण स्थान दिखाई देता है क्या है? उसके विषय में जानने के लिए मेरे मन में बड़ी तीव्र उत्कण्ठा हो रही है। दर्शनीयं मृगाकीर्णं मनोहरमतीव च। नानाप्रकारैः शकुनैर्वल्गुभाषैरलंकृतम्। वाल्मीकि रामायण बालकाण्ड सर्ग २८-८ यह दर्शनीय स्थान मृगों के झुण्ड से भरा हुआ होने के कारण अत्यन्त मनोहर प्रतीत होता है। अनेक प्रकार के पक्षी अपनी मधुर शब्दावली से इस स्थान की शोभा में वृद्धि करते हैं। मुनिश्रेष्ठ! इस प्रदेश की इस सुखमयी स्थिति से यह जान पड़ता है कि अब हम लोग उस भयानक ताटकवन से बाहर निकल आए हैं। भगवन्! मुझे सब कुछ बताइए। यह किसका आश्रम है? महामुने! जहाँ आपकी यज्ञ क्रिया हो रही है, जहाँ वे पापी, दुराचारी, ब्रह्महत्यारे, दुरात्मा, राक्षस आपके यज्ञ में विघ्न उत्पन्न करने आया करते हैं और जहाँ मुझे यज्ञ की रक्षा तथा राक्षसों के वध का कार्य करना है, उस आश्रम का कौन सा देश है? मुनिश्रेष्ठ! यह सब मैं सुनना चाहता हूँ। श्रीराम का वचन सुनकर महातेजस्वी विश्वामित्र जी ने उनके प्रश्न का उत्तर देना आरम्भ किया। श्रीराम! पूर्वकाल में यहाँ भगवान विष्णु ने बहुत वर्षों एवं सौ युगों तक तपस्या के लिए निवास किया था। उन्होंने यहाँ बहुत बड़ी तपस्या की थी। यह स्थान महात्मा वामन का वामन अवतार धारण करने के उद्यत हुए श्रीविष्णु का अवतार ग्रहण से पूर्व आश्रम था। सिद्धाश्रम इति ख्यातः सिद्धो ह्यत्र महातपाः। एतस्मिन्नेव काले तु राजा वैरोचनिर्बलिः।। निर्जित्य दैवतगणान् सेन्द्रान् सहमरुद्गणान्। कारयामास तद्राज्यं त्रिषु लोकेषु विश्रुतः।। वाल्मीकिरामायण बालकाण्ड सर्ग २९-४, ५ इसी सिद्धाश्रम के नाम से प्रसिद्धि थी क्योंकि यहाँ महातपस्वी विष्णु को सिद्धि प्राप्त हुई थी। जब वे तपस्या करते थे, उसी समय विरोचनकुमार राजा बलि ने इन्द्र और मरुद्गणों सहित समस्त देवताओं को पराजित करके उनका राज्य अपने अधिकार में कर लिया था। वे तीनों लोकों में विख्यात हो गए थे। उन महाबली असुरराज ने एक यज्ञ का आयोजन किया। उधर बलि यज्ञ में लगे हुए थे, उधर अग्नि आदि देवता स्वयं इस आश्रम में पधारकर भगवान-विष्णु से बोले- सर्वव्यापी परमेश्वर! बलि एक उत्तम यज्ञ का अनुष्ठान कर रहे हैं। उनका यह यज्ञ सम्बन्धी नियम पूर्ण होने से पहले ही हमें अपना कार्य सिद्ध कर लेना चाहिए। इस समय जो याचक इधर-उधर से आकर उनके यहाँ याचना के लिए उपस्थित होते हैं, वे गो, भूमि और सुवर्ण आदि सम्पत्तियों में से जिस वस्तु को लेना चाहते हैं, उनको वे समस्त वस्तुएँ राजा बलि यथावत रूप से अर्पित करते हैं। स त्वं सुरहितार्थाय मायायोगमुपाश्रितः। वामनत्वं गतो विष्णो कुरु कल्याणमुत्तमम्।। वाल्मीकिरामायण बालकाण्ड सर्ग २९-९ अतः विष्णो! आप देवताओं के हित के लिए अपनी योगमाया का आश्रय ले वामन रूप धारण करके उस यज्ञ में जाइये और हमारा उत्तम कल्याण कीजिए। श्रीराम! इसी समय अग्नि के समान तेजस्वी महर्षि कश्यप की धर्मपत्नी अदिति के साथ अपने तेज से प्रकाशित होते हुए वहाँ आए। वे एक सहस्त्र दिव्य वर्षों तक चालू रहने वाले महान व्रत को अदिति के साथ ही समाप्त करके आए थे। उन्होंने वरदायक भगवान मधुसूदन की स्तुति की- भगवन्! आप तपोमय हैं। तपस्या की राशि है। तप आपका ही स्वरूप है। आप ज्ञानस्वरूप है। मैं भलिभाँति, तपस्या करके उसके प्रभाव से आपका पुरुषोत्तमजी का दर्शन कर रहा हूँ। मैं आपकी शरण में आया हूँ। कश्यपजी के सारे पाप धुल गए थे। भगवान श्रीहरि ने अत्यन्त प्रसन्न होकर उनसे कहा- महर्षे! तुम्हारा कल्याण हो। तुम अपनी इच्छा के अनुसार कोई वर माँगो क्योंकि तुम मेरे विचार से वर पाने के लिए योग्य हो। भगवान का यह वचन सुनकर मरीचिनन्दन कश्यप ने कहा- परमेश्वर! सम्पूर्ण देवताओं की अदिति की तथा मेरी भी आपसे एक ही बात के लिए बारम्बार याचना है। आप अत्यन्त प्रसन्न होकर मुझे यह एक ही वरदान प्रदान करें।

क्यों नहीं पढ़ रहे हैं? रुचि नहीं या हालात ने रोक दी राह, 8 .7 करोड़ युवाओं की कहानी में छिपे हैं कई सवाल

कांतिलाल मांडोत

भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। ऐसे में युवाओं की शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास केवल सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के आर्थिक भविष्य से जुड़ा सवाल है। नीति आयोग की नई रिपोर्ट ह्यरीइमैजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत @2047ह्ण में सामने आया आंकड़ा इसी चिंता को गहरा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 29 वर्ष की उम्र के करीब 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी में हैं और न ही किसी तरह की ट्रेनिंग ले रहे हैं। यह संख्या रिपोर्ट में शामिल कुल आबादी का करीब 11 प्रतिशत है। हालांकि इसमें नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को शामिल नहीं किया गया है। इस आंकड़े को केवल बेरोजगारी के नजरिए से देखना आसान है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है। सवाल यह नहीं है कि 8.7 करोड़ युवा पढ़ाई क्यों नहीं कर रहे या नौकरी से क्यों दूर हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या वे पढ़ना ही नहीं चाहते, या उनके सामने ऐसी परिस्थितियां हैं जिनके कारण पढ़ाई जारी रखना संभव नहीं है? क्या परिवार उन्हें शिक्षा दिलाने में रुचि नहीं रखते, या आर्थिक और सामाजिक मजबूरियां उन्हें कम उम्र में ही दूसरी जिम्मेदारियों की ओर धकेल देती हैं? इन सवालों का जवाब खोजे बिना भारत के कौशल विकास और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल होगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह के करीब 88 प्रतिशत लोग घरेलू कामों में लगे हैं। इसका अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि ये युवा कोई काम नहीं कर रहे। खासकर घरों में जिम्मेदारियां निभाने वाले युवाओं का श्रम अक्सर औपचारिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में दिखाई नहीं देता। खाना बनाना, छोटे भाई-बहनों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, घर के दूसरे काम और परिवार की जिम्मेदारियां निभाना भी काम है, लेकिन इसके बदले उन्हें न वेतन मिलता है और न ही रोजगार का अनुभव प्रमाणित होता है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की स्थिति को केवल ह्यकाम नहीं करने वालेह्ण वर्ग के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इस तस्वीर में महिलाओं की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। घरेलू जिम्मेदारियां, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की कमी, रोजगार के अवसरों तक सीमित पहुंच और सामाजिक अपेक्षाएं युवतियों की शिक्षा तथा रोजगार के रास्ते में बड़ी बाधाएं बन सकती हैं। कई परिवारों में लड़कों की पढ़ाई को भविष्य में कमाई से जोड़कर देखा जाता है, जबकि लड़कियों से घरेलू जिम्मेदारियां संभालने की अपेक्षा की जाती है। परिणाम यह होता है कि पढ़ाई बीच में छूट जाती है और कौशल प्रशिक्षण का अवसर भी नहीं मिल पाता। लेकिन समस्या केवल लड़कियों तक सीमित नहीं है। गरीब और निम्न आय वाले परिवारों में लड़कों के सामने भी पढ़ाई छोड़कर कमाने की मजबूरी हो सकती है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो किशोर या युवा से उम्मीद की जाती है कि वह दुकान, कारखाने, खेत, निर्माण स्थल या किसी छोटे व्यवसाय में हाथ बंटाए। ऐसे में पढ़ाई परिवार के लिए तत्काल जरूरत के सामने पीछे चली जाती है। परिवार यह सोच सकता है कि आज की कमाई ज्यादा जरूरी है, जबकि शिक्षा का लाभ कई साल बाद मिलेगा। यही सोच अनेक युवाओं को औपचारिक शिक्षा से दूर कर देती है। यह भी मानना गलत होगा कि हर युवा पढ़ाई से इसलिए दूर है क्योंकि उसकी पढ़ाई में रुचि नहीं है। शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां भी इसके पीछे हो सकती हैं। किसी विद्यार्थी को विषय कठिन लग सकता है, स्कूल या कॉलेज की दूरी अधिक हो सकती है, पढ़ाई का खर्च परिवार की क्षमता से बाहर हो सकता है या उसे पढ़ाई के बाद रोजगार मिलने का भरोसा न हो। यदि किसी युवा को यह दिखाई देता है कि उसके आसपास पढ़े-लिखे लोग भी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो उसके मन में शिक्षा की उपयोगिता को लेकर सवाल पैदा होना स्वाभाविक है। माता-पिता की भूमिका भी यहां निर्णायक है। कई परिवार शिक्षा का महत्व समझते हैं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण बच्चों को लगातार पढ़ा नहीं पाते। दूसरी ओर कुछ परिवारों में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी भी हो सकती है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में अभिभावकों को यह जानकारी नहीं होती कि सामान्य शिक्षा के साथ कौन-कौन से कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध हैं और उनसे रोजगार के कौन से रास्ते खुल सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

फरार शराब धंधेबाज को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पानापुर (सारण)गुप्त सूचना के आधार पर स्थानीय थाने की पुलिस ने बिजौली गांव में छापेमारी कर फरार शराब धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार धंधेबाज बिजौली गांव निवासी आनंद नट बताया जाता हैं।मालूम हो कि गुप्त सूचना के आधार पर स्थानीय थाने की पुलिस ने गत 14 अगस्त की शाम मिथौरा चौक के समीप छापेमारी कर बाइक से शराब लें जा रहे बिजौली गांव निवासी संजीत कुमार नट एवं जीपुरा गांव निवासी पांडेय नट को गिरफ्तार किया था।पुलिसिया पूछताछ में दोनों शराब धंधेबाजों ने बताया था कि वे बिजौली गांव निवासी शराब कारोबारी आनंद नट एवं अनिल राय के पास से शराब खरीद कर खुदरा बिक्री करते हैं। थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराब कारोबारी को न्यायालय भेज दिया गया।उन्होंने बताया कि शराब कारोबारियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

मांझी में तालाब में नहाने के क्रम में युवक डूबा, तलाश जारी

मांझी। मांझी प्रखंड के नचाप गांव के राम जानकी मंदिर के समीप बने छठ घाट के पास दोस्तों के साथ नहाने गया एक युवक गहरे पानी में डूब गया. खबर भेजे जाने तक युवक की खोजबीन जारी थी. तालाब में डूबे युवक की पहचान नचाप गांव निवासी शैलेश सिंह के पुत्र रितीश कुमार सिंह उर्फ धनु (18 वर्ष) के रूप में की गयी है. बताया जाता है कि सोमवार को दोपहर में रितीश अपने दोस्तों के साथ मंदिर के पास स्थित छठ घाट के समीप पोखरा में नहाने गया था. नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी ज्यादा होने के कारण वह देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गया. घटना के बाद दोस्तों ने गांव में जाकर शोर मचाया. सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से युवक की तलाश में जुट गये. इधर घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है. गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है. सूचना पर मांझी के थानाध्यक्ष बिनोद कुमार के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गयी, लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी मांझी के सीओ और सरकारी गोताखोर की टीम मौके पर नहीं पहुंची. जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश दिखा. ग्रामीणों का कहना है कि समय पर गोताखोर पहुंच जाते तो शायद जल्दी से युवक की तलाश हो जाती. ग्रामीणों ने जल्द से जल्द एसडीआरएफ की टीम को बुलाने की मांग की है.

आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं दर्जनों सेविका एवं सहायिका

पानापुर (सारण)। प्रखंड के दर्जनों सेविकाओं एवं सहायिकाओं को पिछले आठ माह से वेतन नहीं मिला है जिससे उनके समक्ष आर्थिक तंगी की समस्या उत्पन्न हो गयी है।बताया जाता है कि इन सेविकाओं एवं सहायिकाओं के खाते से संबंधित कुछ तकनीकी समस्या थी जिसमें सुधार के लिए सीडीपीओ कार्यालय को उपलब्ध कराया जा चुका है। विभागीय कर्मियों की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण प्रखंड के लगभग 54 सेविकाओं एवं 60 से ज्यादा सहायिकाओं का दिसंबर 2025 से मानदेय बकाया है।विभागीय अनदेखी से आजिज दर्जनों सेविका सोमवार को सीडीपीओ कार्यालय पहुंची एवं आवेदन देकर अविलम्ब वेतन भुगतान की गुहार लगायी है। सीडीपीओ कार्यालय को दिए आवेदन में सेविकाओं ने कहा है कि वेतन नहीं मिलने के कारण हमसभी आर्थिक तंगी से जूझ रहे है। इस मामले में वेतन लंबित होने के कारणों की जानकारी लेने के लिए सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना पदाधिकारी) सुधा कुमारी से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका मोबाइल ंद था।

11 सितंबर को लगेगा दिव्यांगता प्रमाणीकरण शिविर

पानापुर (सारण)दिव्यांग बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने एवं आवश्यक सहाय सामग्री उपलब्ध कराने के लिए आगामी 11 सितंबर को बीआरसी में विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा।शिविर में 06 से 18 आयु वर्ग के बच्चों की जांच और पंजीकरण किया जायेगा।समावेशी शिक्षा प्रभारी प्रखंड साधनसेवी पलकधारी ने बताया कि प्रखंड के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में नामांकित बच्चों के अलावे गैर नामांकित दिव्यांग बच्चे भी इस शिविर में भाग लें सकते हैं। इस शिविर में दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया के साथ जरूरत के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराने के लिए सूची तैयार की जायेगी।उन्होंने बताया कि अबतक जिन बच्चों का युडीआईडी अथवा दिव्यांगता प्रमाणपत्र नहीं बना हैं उनके अभिभावक शिविर में दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक खाते की छायाप्रति एवं रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के साथ पहुंचे।उन्होंने बताया कि शिविर में श्रवण निःशक्त, दृष्टिबाधित,मानसिक, अस्थि दिव्यांगता सहित 21 प्रकार के दिव्यांगता की जांच की जायेगी।

मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना से 185 बच्चों को मिला नया जीवन, ऑपरेशन के बाद लौटी मुस्कान

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। हर मां-बाप की सबसे बड़ी इच्छा होती है कि उनका बच्चा स्वस्थ रहे, खुलकर हंसे-खेले और अपने सपनों की उड़ान भरे। लेकिन कई बार जन्म से मौजूद बीमारी, दिल में छेद, कटे-फटे होंठ, टेढ़े-मेढ़े पैर, कुपोषण या शारीरिक और मानसिक विकास में देरी जैसी समस्याएं समय रहते पहचान में नहीं आ पातीं। आर्थिक तंगी और जानकारी के अभाव में कई परिवार इलाज तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे बच्चों और उनके परिवारों के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) उम्मीद की एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर सामने आया है। कार्यक्रम की खासियत यह है कि बच्चों को इलाज की तलाश में भटकने का इंतजार नहीं करना पड़ता, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल टीमें खुद आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों तक पहुंचकर बच्चों की जांच करती हैं। स्क्रीनिंग के दौरान किसी बीमारी या जन्मजात समस्या की आशंका मिलने पर बच्चे को आगे की जांच और उपचार के लिए जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) भेजा जाता है। डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि सारण जिले में अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच आरबीएसके के तहत 2,548 आंगनबाड़ी केंद्रों को कवर करते हुए दो लाख 31 हजार से अधिक बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। स्क्रीनिंग के बाद 4,178 बच्चों को डीईआईसी छपरा रेफर किया गया। इनमें 221 बच्चों में विभिन्न बीमारियों की पहचान की गई, जबकि 120 बच्चों की निःशुल्क सफल सर्जरी कराई जा चुकी है।

दिल में छेद से लेकर इलाज तक, बाल हृदय योजना बनी उम्मीदः जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना भी बड़ी उम्मीद बनकर सामने आई है। इस योजना के तहत जरूरतमंद बच्चों के हृदय रोग का उपचार और सर्जरी निःशुल्क कराने की व्यवस्था है। सारण जिले में अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच 34 बच्चों की हृदय सर्जरी कराई जा चुकी है। वहीं वर्ष 2021 से जुलाई 2026 तक 185 बच्चों का दिल में छेद का सफल सर्जिकल उपचार कराया गया है। गंभीर हृदय रोग से पीड़ित बच्चे के इलाज में परिवार को आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सरकारी स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। जरूरत के अनुसार बच्चे को घर से अस्पताल, पटना और विशेषज्ञ उपचार केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था में भी सहयोग दिया जाता है।

जन्म से 18 वर्ष तक बच्चों की स्वास्थ्य निगरानीः आरबीएसके के जिला समन्वयक डॉ. जितेंद्र प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाती है। कार्यक्रम का मुख्य फोकस चार प्रमुख श्रेणियों पर है, जिन्हें 4-डी कहा जाता है–जन्मजात दोष, बीमारियां, पोषण संबंधी कमियां और विकास में देरी।जन्मजात हृदय रोग, कटे-फटे होंठ और तालू, पैर की विकृतियां, कुपोषण, एनीमिया तथा बच्चों के शारीरिक या मानसिक विकास में देरी जैसी समस्याओं की पहचान की जाती है। जरूरत के अनुसार बच्चों को जांच, उपचार और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती है। जिले में कुल 30 आरबीएसके मोबाइल स्वास्थ्य टीमें कार्यरत हैं। ये टीमें आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी स्कूलों और निर्धारित डिलीवरी प्वाइंट पर जाकर बच्चों की स्क्रीनिंग करती हैं।

45 तरह की स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और उपचारः आरबीएसके के तहत लगभग 45 प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और उपचार की व्यवस्था की गई है। स्क्रीनिंग के दौरान किसी बच्चे में गंभीर बीमारी या जन्मजात समस्या की आशंका मिलने पर उसे डीईआईसी भेजा जाता है। यहां विशेषज्ञ जांच के बाद जरूरत पड़ने पर बच्चे को उच्च चिकित्सा संस्थान के लिए रेफर किया जाता है।

एक स्क्रीनिंग से बदल सकती है बच्चे की जिंदगीः कई बच्चों के इलाज की शुरूआत किसी बड़े अस्पताल से नहीं, बल्कि गांव या मोहल्ले के आंगनबाड़ी केंद्र से होती है। आरबीएसके की टीम वहां पहुंचती है, बच्चे की जांच करती है और बीमारी की आशंका होने पर उसे आगे की जांच के लिए रेफर किया जाता है। डीईआईसी में जांच के बाद जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ उपचार और सर्जरी की राह खुलती है। यानी एक सामान्य स्वास्थ्य जांच कई बार बच्चे के पूरे भविष्य की दिशा बदल सकती है। लाभार्थी बोले-इलाज की चिंता थी, सरकारी योजना ने दिया सहाराः दिघवारा की रहने वाली पूजा देवी ने बताया कि शुरूआत में हमें बच्चे की बीमारी की गंभीरता का पता ही नहीं था। जांच के दौरान समस्या की जानकारी मिली तो चिंता बढ़ गई कि इलाज और ऑपरेशन का खर्च कैसे उठाएंगे। लेकिन सरकारी व्यवस्था के माध्यम से जांच से लेकर आगे के इलाज की प्रक्रिया में मदद मिली। आज बच्चे के इलाज के बाद उसकी सेहत में सुधार देखकर पूरे परिवार को राहत मिली है।उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए इस तरह की सुविधा किसी बड़ी मदद से कम नहीं है। अगर समय पर बीमारी की पहचान नहीं होती, तो इलाज में देरी हो सकती थी। मेरे बेटे के दिल में था छेदः रिविलगंज प्रखंड शैलेंद्र कुमार यादव ने कहा कि मेरे बच्चे को पहले सामान्य कमजोरी समझकर हम लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते थे। जब आरबीएसके की टीम ने जांच की और आगे इलाज के लिए रेफर किया, तब हमें बीमारी की जानकारी मिली।पता चला कि उसके दिल में छेद है। सरकारी योजना के तहत जांच और इलाज की सुविधा मिली, जिससे हमें काफी राहत मिली। अहमदाबाद में बिना किसी रुपए खर्च के दिल में छेद का सर्जरी हुआ। आने-जाने और रहने खाने तक की सारी सुविधाएं मुफ्त में मिली।

जनता के दरबार में 43 फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

- अपर समाहर्ता प्रमोद कुमार ने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। सबका सम्मान, जीवन आसान की भावना के साथ आमलोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित होने वाले जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में सोमवार को 43 फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता प्रमोद कुमार ने जनता दरबार में उपस्थित लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। प्राप्त आवेदनों में सर्वाधिक मामले राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित रहे। इसके अलावा शिक्षा, विद्युत, नगर निगम तथा आपदा से जुड़े मामलों को लेकर भी लोगों ने अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए।

अपर समाहर्ता ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमलोगों की शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है।

भूमि-विवाद से लेकर बिजली और शिक्षा तक पहुंचे फरियादीः जनता दरबार में आए विभिन्न मामलों पर संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े। प्रशासन की ओर से प्राप्त सभी आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित किया जाने वाला यह कार्यक्रम आमलोगों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इससे लोगों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने तथा उनके समाधान की दिशा में त्वरित कार्रवाई का अवसर मिल रहा है।

विधायक की मांग पर जिला प्रशासन ने परसा प्रखंड मे उपलब्ध कराई बड़ी टेंडर अग्निशमक वाहन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। परसा विधानसभा क्षेत्र के विधायक डा. करिश्मा राय द्वारा बीते सात अप्रैल को सांसद राजीव प्रताप रूड़ी की अध्यक्षता मे हुई जिला अनुश्रवन समिति (दिशा) की बैठक में परसा प्रखंड मे अग्निशमक वाहन की व्यवस्था करने की मांग को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी सह सचिव जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति (दिशा) के पत्रांक 1803/डीआरडीए दिनांक 10-06-26 के आलोक मे अनुमंडल अग्निशमालय एक बड़ी वाटर टेंडर अग्निशमक वाहन की प्रतिनियुक्ति जिला अग्निशमक पदाधिकारी सारण के पत्रांक 867 दिनांक 06/08/26 को जारी करते हुए सभी साजो समान के प्रखंड मुख्यालय परसा को उपलब्ध कराइ गइ है । जिला प्रशासन ने उप विकास आयुक्त, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी को पत्र जारी कर अग्निशमन वाहन की रख रखाव व चालक व अग्निको के आवासन की व्यवस्था करने का निर्देश जारी किया है। स्थानीय विधायक डा. करिश्मा राय के प्रयास से परसा प्रखंड को मिले अग्निशमक वाहन की जानकारी होते ही परसा वासियो मे खुशी की लहर दौड़ गई। इस नेक कार्य के लिए मुखिया राम अयोध्या राय, अवधेश राय, गोपाल साह, वीरबल साह, पूर्व मुखिया राज किशोर राय, राम लगन साह, प्रो विमल प्रसाद,लाल बाबू राय, लाल बहादुर राय, देवीलाल राय, राजेश राय, उमेश राय, अजय राय,भूषण राय आदि ने स्थानीय विधायक डॉ करिश्मा राय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

रिटायर्ड शिक्षक का असामयिक निधन, मुखिया को पितृ शोक

प्रात: किरण संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड के गलिमापुर गांव निवासी रिटायर्ड शिक्षक तथा जैथर पंचायत के मुखिया राजीव रंजन सिंह उर्फ गुन्नु सिंह के 77 वर्षीय पिता छविनाथ सिंह का असामयिक निधन रविवार को पटना में हो गया। वे अपनी पत्नी राजकुमारी देवी का स्वास्थ्य जांच कराने पटना के मेदांता अस्पताल में ले गए थे। वहां मुखिया पुत्र की सलाह पर उन्होंने अपने स्वास्थ्य का भी रुटीन चेकअप कराया। वहां उनका रिपोर्ट देखकर चिकित्सक ने उनका स्वास्थ्य पूर्णतः फीट बताया। लेकिन अगले ही दिन वे अपने पटना स्थित आवास पर खाना खाकर कुर्सी पर बैठे थे, कि इसी बीच उनकी सांसे थम गईं। जिसके बाद में उन्हें पुनः मेदांता अस्पताल ले जाया गया। वहां जांचोपरांत चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की खबर जैसे ही लोगों को मिली, प्रखंड के शिक्षकों, उनके तथा उनके मुखिया पुत्र के शुभचिंतकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं आम लोगों के बीच शोक की लहर व्याप्त हो गई। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर पैतृक आवास गलिमापुर गांव पहुंचा कि भारी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, शुभचिंतकों तथा आम लोगों ने वहां पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर फूल माला चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त स्वजनों का ढ़ाढस बंधाया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में स्थानीय विधायक जनक सिंह, तरैया के पूर्व राजद प्रत्याशी शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिला पार्षद छवी नाथ सिंह, धीरज सिंह, मुखिया धनंजय पांडेय, राज किशोर सिंह, पन्नालाल राय, अजमल रहमानी, अमर सिंह, एमडी वारिस, शिक्षक राज बलम ठाकुर, अनिरुद्ध सिंह, श्रीराम सिंह, कमला सिंह, मुख्तार राय, हामिद अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, जितेंद्र सिंह,सुनील सिंह मुख्य रूप से शामिल हैं।

अंतिम सोमवारी पर धनी धर्मनाथ मंदिर में भारत स्काउट और गाइड सारण ने संभाला सेवा का मोर्चा

- श्रद्धालुओं की सहायता में मुस्तैद रहे 50 स्काउट-गाइड कैडेट, सेवा और अनुशासन का दिया संदेश
- कैडेटों ने पूरी तत्परता, अनुशासन और विनम्रता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का किया निर्वहन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। सावन माह की अंतिम सोमवारी के अवसर पर छपरा शहर के प्रसिद्ध धनी धर्मनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सेवा एवं सहायता के लिए भारत स्काउट और गाइड, सारण के 50 कैडेटों ने समर्पण और अनुशासन के साथ सेवा कार्य किया।

अनुमंडल पदाधिकारी, छपरा सदर एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, सारण के संयुक्त निर्देश के आलोक में आयोजित इस सेवा-सहायता अभियान के दौरान स्काउट-गाइड कैडेटों ने मंदिर परिसर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यक सहयोग प्रदान किया और सेवा भावना का परिचय दिया। सेवा शिविर का नेतृत्व जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज ने किया। कैडेटों को अलग-अलग टोलियों में विभाजित कर श्रद्धालुओं की सहायता एवं व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

विभिन्न टोलियों का नेतृत्व जिला प्रशिक्षक सोनू गुप्ता, आशुतोष कुमार एवं खुशी ठाकुर ने किया। कैडेटों ने पूरी तत्परता, अनुशासन और विनम्रता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। इस अवसर पर भारत स्काउट और गाइड, सारण के कैडेटों की सेवा भावना की लोगों ने सराहना की। सावन की अंतिम सोमवारी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच स्काउट-गाइड की सक्रिय भागीदारी ने सेवा ही सर्वोपरि के संदेश को सार्थक किया।

भारत स्काउट और गाइड का यह सेवा अभियान युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

नाला के ढक्कन, पुलिया एवं मरम्मति कार्यों को लेकर महापौर ने की बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा,कार्यालय। छपरा नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों की छोटी लेकिन बेहद आवश्यक समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्राथमिक स्तर पर बेहद आवश्यक नाला के ढक्कन, छोटी पुलिया तथा नाले के छोटे स्तर की मरम्मति से संबंधित कार्यों को चिह्नित कर शीघ्रता से कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक मरम्मति कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना और छोटी-छोटी समस्याओं का समय पर समाधान करना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नाला के खुले या क्षतिग्रस्त ढक्कन तथा छोटी पुलिया जैसी समस्याओं से आम लोगों को परेशानी के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी रहती है। इसलिए ऐसे कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि अपने क्षेत्र में इस प्रकार की समस्या होने पर मेयर कंट्रोल रूम में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समस्या को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

ईद मिलाद-उन-नबी पर शांति और भाईचारे से जुलूस निकालने पर बनी सहमति

प्रात: किरण संवाददाता

भेल्दी। ईद मिलाद-उन-नबी त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर रविवार को भेल्दी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष श्रवण कुमार पाल ने की। इसमें जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न समुदायों के लोगों ने हिस्सा लिया। बैठक में त्योहार के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान डीजे पर पूर्णतः रोक लगाने और बिना अनुमति कोई जुलूस नहीं निकालने पर सहमति बनी। अधिकारियों ने कहा कि जुलूस के लिए जो रूट निर्धारित किया गया है, उसी मार्ग से जुलूस निकाला जाएगा। निर्धारित रूट में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा।

सभी लोगों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि ईद मिलाद-उन-नबी का त्योहार आपसी प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश देता है। इसलिए सभी लोग मिल-जुलकर शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाएं और जुलूस के दौरान अनुशासन बनाए रखें। थानाध्यक्ष ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी तरह की समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। बैठक में मुखिया प्रतिनिधि रामनाथ बैठा, नागेश्वर चौहान, पूर्व मुखिया फैजुल्ला अंसारी, ईद मोहम्मद, वीरेंद्र व्यास, शैलेंद्र राय, नागेंद्र निराला समेत दर्जनों जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद थे।

हाईवा ने टोटो में मारी टक्कर, महिला समेत चार की मौत, तीन नाजुक

भेल्दी। छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच 722 पर रविवार की रात सोनहो टोल टैक्स के समीप एक तेज रफ्तार हाईवा ने एक टोटो में सीधी टक्कर मार दी जिसमें एक महिला समेत चार की मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए।मृतकों में अमनौर थाने के सुल्तानगंज गांव के फारूख मियां (60) व शहीदा खातून(30),संजिदा खातून व सुरेश पंडित शामिल हैं।वही घायलों में दिलशाद अहमद,अर्श साजन शामिल हैं।घटना के बाद आक्रोशितो ने शव को एनएच पर रखकर रखकर छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच 722 को पूरी तरह जाम कर दिया जिससे वाहनो की लंबी कतारें लग गई और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

संठा में आज गूंजेगा महावीरी भक्ति का जयघोष

प्रात: किरण संवाददाता

डोरीगंज। सावन के अंतिम मंगलवार को होती है विशेष पूजा, मंदिर परिसर में लगाए जाते हैं करीब एक हजार ध्वज संठा। सावन मास के अंतिम मंगलवार को संठा स्थित प्रसिद्ध महावीरी मंदिर में आज श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। विशेष महावीरी पूजा को लेकर मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। पूजा की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां महावीरी पूजा सावन के अंतिम मंगलवार अथवा शनिवार को विशेष रूप से की जाती है। इस

अवसर पर मंदिर परिसर में करीब एक हजार ध्वज श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जाते हैं। मान्यता है कि जिन भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है, वे अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मंदिर में ध्वज अर्पित करते हैं। महावीरी पूजा के दौरान भगवान हनुमान को प्रसाद के रूप में सैकड़ों मन रोट, लड्डू और खीर चढ़ाए जाते हैं।

श्री चित्रांश समिति की बैठक सम्पन्न

छपरा कार्यालय।श्री चित्रांश समिति छपरा के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ पंकज कुमार की अध्यक्षता में समिति की आम सभा की बैठक ब्रज किशोर किंडर गार्टन पर हुई, जिसमें व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उप-समितियों का गठन किया गया। श्री चित्रांश संपर्क उप-समिति के समन्वयक दीपक श्रीवास्तव तथा उप-समन्वयक हर्षवर्धन श्रीवास्तव, विवाह उप-समिति के समन्वयक, इस समिति के महासचिव रविशंकर श्रीवास्तव, उप-समन्वयक सुबोध कुमार सिन्हा तथा अविनाश कुमार को बनाया गया। वित्त व्यवस्था उप-समिति के समन्वयक रविशंकर दत्ता तथा उप-समन्वयक श्री प्रकाश मणि को बनाया गया।

4 सितंबर से 8 सितंबर तक श्री कृष्णा झूलनोत्सव

छपरा कार्यालय। महर्षि दधीचि की तपोभूमि उमानाथ मंदिर परिसर में श्री कृष्ण झूलनोत्सव 4 सितंबर से 8 सितंबर एवं 18 एवं 19 सितंबर को महर्षि दधीचि जन्मोत्सव एवं नवनिर्मित दधीचि मंदिर का लोकार्पण कार्यक्रम मनाया जाएगा जिसमें देश-विदेश से सैकड़ो लोगों की उपस्थिति होगी। परम संत गोविंद देव गिरी जी के संरक्षण में दधीचि सेवा ट्रस्ट इंदौर एवं दधिचि आश्रम उमानाथ मंदिर विकास समिति छपरा के संयुक्त सहयोग से भव्य कार्यक्रम मनाया जाएगा। 18 सितंबर को संध्या भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में मथुरा काशी अयोध्या से कलाकार आएंगे 19 सितंबर नगर परिभ्रमण शोभा यात्रा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक ने समस्त छपरा वासियों को सादर आमंत्रित किया।

ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर छपरा रेड ड्रॉप वॉरियर्स द्वारा आयोजित 33वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 52 यूनिट ऐतिहासिक रक्तदान

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद (स० अ० व०) की पैदाइश की खुशी में मनाए जाने वाले ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर मानवता, भाईचारे और जनकल्याण का संदेश देते हुए छपरा रेड ड्रॉप वॉरियर्स द्वारा आयोजित 33वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन छपरा कटहरीबाग स्थित शुभारम्भ पैलेस में कुल 52 यूनिट रक्तदान हुआ, जिसे आयोजकों ने छपरा में स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। छपरा रेड ड्रॉप वॉरियर्स के संस्थापक अध्यक्ष तारिक अनवर ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल रक्तदान शिविर आयोजित करना नहीं, बल्कि

छपरा में ऐसी सामाजिक व्यवस्था और जागरूकता तैयार करना है जहां जरूरत के समय किसी मरीज और उसके परिवार को रक्त के लिए भटकना न पड़े।

उन्होंने कहा कि 52 यूनिट का यह ऐतिहासिक रक्तदान छपरा के लोगों की इंसानियत और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रमाण है। हमारा संकल्प है कि हम सब मिलकर ऐसी स्थिति बनाने का प्रयास करेंगे कि छपरा में रक्त की कमी के कारण किसी की जिंदगी न जाए। तारिक अनवर ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों, चिकित्सकों, Palm View Hospital Blood Center की टीम, समाजसेवियों, सामाजिक संस्थाओं तथा छपरा रेड ड्रॉप वॉरियर्स के सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक सफलता है। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पैगंबर हजरत मुहम्मद (स० अ० व०) की शिक्षाओं में इंसानियत और जरूरतमंदों की मदद का विशेष महत्व है। इसी संदेश को व्यवहारिक रूप देने के लिए रक्तदान से बेहतर माध्यम नहीं हो सकता, क्योंकि रक्तदान में किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए अपना रक्त दिया जाता है, जहां जाति, धर्म और समुदाय की कोई दीवार नहीं रहती।

लायंस क्लब ऑफ छपरा ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, धर्मनाथ मंदिर में किए डस्टबिन भी दान

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। लायंस क्लब ऑफ छपरा द्वारा धर्मनाथ मंदिर, छपरा परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन क्लब के अध्यक्ष लायन डॉ. उज्ज्वल वर्मा के नेतृत्व में किया गया। शिविर में लोगों की निःशुल्क ब्लड जांच, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर तथा हड्डी एवं ऑर्थोपेडिक संबंधी रोगों की जांच की गई। चिकित्सकों ने लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया। इस अवसर पर धर्मनाथ मंदिर परिसर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से डस्टबिन भी दान किए गए। इन डस्टबिन का सहयोग क्लब के सदस्य लायन कृष्ण प्रसाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में क्लब के प्रशासनिक अधिकारी लायन डॉ. विकास कुमार सिंह, लायन मनोज वर्मा, लायन ट्विंकल सौरभ, लायन डॉ. मंझय

शर्मा, लायन अविनाश श्रीवास्तव एवं लायन कृष्ण प्रसाद सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। धर्मनाथ मंदिर के पुजारी श्री धनजी बाबा ने लायंस क्लब ऑफ छपरा के इस सामाजिक एवं जनसेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जांच और स्वच्छता के क्षेत्र में क्लब द्वारा किया जा रहा कार्य समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं सराहनीय है। लायंस क्लब ऑफ छपरा के सदस्यों ने कहा कि क्लब आगे भी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जनसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

अंतिम सोमवारी पर शिवालय में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

सहार भोजपुर। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर सोमवार को सहार स्थित शिवालय में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, फूल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। अंतिम सोमवारी को लेकर मंदिर परिसर में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा हम पार्टी के प्रदेश महासचिव अभिषेक नारायण पाण्डेय

सहार। सहार गांव निवासी अभिषेक नारायण पाण्डेय उर्फ गुंजन बाबा को हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) पार्टी के बिहार प्रदेश महासचिव मनोनीत किया गया है। हम पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अनील कुमार द्वारा बिहार के दर्जनों पदाधिकारीयों का पत्र जारी किया गया है। जिसमे सहार गांव निवासी अभिषेक नारायण पाण्डेय उर्फ गुंजन बाबा को हम पार्टी के प्रदेश महासचिव मनोनीत किया गया है। प्रदेश महासचिव मनोनीत होने पर सहार सहित क्षेत्र के अन्य समर्थकों सुनील कुमार निराला, शिवम कुमार, गोविंद कुमार, सहित अन्य ने खुशी व्यक्त किया है।

नए इलाकों में फैला, बाढ़ का पानी संपर्क पथ प्रभावित

बड़हरा। प्रखंड क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर स्थिर रहने के बावजूद बाढ़ का पानी लगातार नए इलाकों के बधार और खेतों में पहुंच रहा है। फारहदा गांव के समीप सब्जी के खेतों में पानी प्रवेश करने से किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। ग्रामीण पिंटू कुमार ने बताया कि फिलहाल कुछ सब्जी के खेतों में ही पानी पहुंचा है। यदि पानी में वृद्धि जारी रही तो अन्य सब्जी के खेत भी जलमग्न हो जाएंगे। इससे किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका है। मिल्की, चमन के डेरा समेत करीब दो दर्जन गांवों के बधार और निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। बाढ़ का पानी कई संपर्क पथों पर भी चढ़ गया है। सबलपुर-चमन के डेरा, बखोरापुर टोला, केशोपुर-सरैयां मुख्य मार्ग, पुराना सबलपुर टोला, नेकनाम टोला, सिरसिया, बखोरापुर-बड़का लौहर तथा दुर्ग टोला-शिवपुर-फारहदा पथ पर पानी पहुंच गया है। बखोरापुर स्थित भव्य काली मंदिर जाने वाला संपर्क पथ भी प्रभावित है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। वहीं, बाढ़ प्रभावित इलाकों के कई विद्यालयों में पठन-पाठन भी स्थगित किया गया है। बाढ़ का पानी बढ़ने से ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है।

अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी आस्था की भीड़, हर-हर महादेव से गूंजा बड़हरा

बड़हरा। सावन की अंतिम सोमवारी पर सोमवार को बड़हरा प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बड़हरा, एकौना, बिराहीपुर, बखोरापुर, पड़रिया, सेमरिया, पंडितपुर, रामपुर और मनीछपरा सहित अन्य गांवों के शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन व जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। मंदिर परिसर में पूरे दिन हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे गूंजते रहे। अंतिम सोमवारी को लेकर महिला और पुरुष श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, फूल, धतूरा और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। कई श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ से सुख, शांति, समृद्धि और परिवार की उन्नति की कामना की। भक्ति में डूबा रहा पूरा क्षेत्र अंतिम सोमवारी को लेकर सुबह से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। पूजा-अर्चना के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर भगवान शिव की आराधना की, जबकि युवाओं और बच्चों में भी पूजा को लेकर खासा उत्साह दिखा। सावन की अंतिम सोमवारी होने के कारण श्रद्धालुओं ने इसे विशेष फलदायी मानते हुए भगवान शिव की आराधना की। लोगों का कहना था कि सावन में महादेव की पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भीड़ ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल बना दिया।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का भगवान विष्णु एवं बुद्ध नगरी में जिलाअध्यक्ष अजय कुशवाहा ने भव्य स्वागत किए

गया जी। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जद(यूझ्र) संजय झा का गया जी बोधगया कि पावन धरती पर जिला जद(यूझ्र) परिवार की ओर से इंजीनियर अजय कुशवाहा जी की अध्यक्षता मे भव्य स्वागत किया गया है इस स्वागत कार्यक्रम मे विधायक मनोरमा देवी , पूर्व मंत्री विनोद प्रसाद यादव , चन्दन कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, शौकत अली, अलाकजेंदर खान , मधुसूदन राय, धनंजय शर्मा।

अधिकारियों ने ज्ञानपुर गांव में बाढ़ के हालात का लिया जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। कोईलवर अंचल के बाढ़ प्रभावित ज्ञानपुर गांव का सोमवार को अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह एवं राजस्व अधिकारी राजभूषण सिंह ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने गांव पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत की तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गांव में अभी कहीं से बाढ़ का पानी घरों में प्रवेश नहीं किया है। पटनाझ्रबक्सर फोरलेन की ओर से गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने के कारण इस रास्ते से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। ग्रामीणों की सुविधा और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अंचल प्रशासन की ओर से दो नावों की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं अंचल की आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कोईलवर अंचल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर प्रशासन की लगातार निगरानी है। जहां भी आवश्यकता होगी, वहां तत्काल राहत एवं बचाव की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। उधर स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार से बाढ़ के पानी की बढ़ोतरी में कुछ कमी देखी जा रही है। हालांकि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

भूमि संबंधी 15 मामलों की हुई जनसुनवाई

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर । अंचल कार्यालय में सोमवार को ईज ऑफ लिविंग कार्यक्रम के तहत आयोजित जनसुनवाई में भूमि संबंधी समस्याओं को लेकर फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अन्य दिनों की अपेक्षा सोमवार को अधिक संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने एक-एक फरियादी की समस्याओं को गंभीरता से सुना। शिकायतों की संख्या अधिक होने के कारण जनसुनवाई लगातार लगभग पांच घंटे तक चली। जनसुनवाई के दौरान कुल 15 मामले सामने आए, जिनमें दाखिल-खारिज, परिमार्जन, दखल-कब्जा, सीमांकन तथा अन्य राजस्व विवाद शामिल थे। अंचलाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया। वहीं पांच मामलों में विवाद की प्रकृति जटिल पाए जाने पर संबंधित राजस्व कर्मचारियों से विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की गई है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अगली निर्धारित तिथि पर सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने कहा, ईज ऑफ लिविंग कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को उनकी भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है। हर शिकायत की निष्पक्ष सुनवाई हमारी प्राथमिकता है। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका मौके पर ही निपटारा किया गया है। जटिल मामलों में तथ्यों और अभिलेखों की गहन जांच के बाद ही निर्णय लिया जाएगा, ताकि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो। उन्होंने बताया कि राजस्व से जुड़े मामलों के त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन के लिए अंचल प्रशासन लगातार प्रयासरत है। लोगों से भी अपील की गई कि वे भूमि संबंधी मामलों में सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ जनसुनवाई में उपस्थित हों, जिससे उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

रालोमो के प्रदेश उपाध्यक्ष ने नव पदस्थापित डीएम व एसपी का किया स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले में नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित का सोमवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात कर स्वागत किया। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जागा कुशवाहा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा से उनके कार्यालय में मुलाकात कर बुके भेंट कर भोजपुर की धरती पर उनका स्वागत किया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित से उनके कार्यालय में भेंट कर उन्हें अंगवस्त्र भेंट करते हुए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर जागा कुशवाहा ने कहा कि भोजपुर की जनता को नवपदस्थापित दोनों अधिकारियों से जनहित एवं विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों पदाधिकारी निष्पक्ष प्रशासन, बेहतर कानून-व्यवस्था और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेंगे।राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेताओं ने दोनों अधिकारियों के सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए जिले के सर्वांगीण विकास में सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

सावन सोमवारी पर बाबा दिनेश्वर नाथ धाम में उमड़ी आस्था

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी पर कोईलवर प्रखंड के गोरैया घाट स्थित प्रसिद्ध बाबा दिनेश्वर नाथ धाम में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। तड़के भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर में लगनी शुरू हो गई थीं। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने पहले सोन नदी में आस्था की डुबकी लगाई, उसके बाद भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की।श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को गंगाजल, सोन नदी का जल, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, अक्षत एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर दिनभर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान रहा। अंतिम सोमवारी होने के कारण भोजपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के कई जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पहुंचे।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर एवं आसपास सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए। पूरे दिन श्रद्धालु शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन-पूजन करते रहे। इस अवसर पर सावन के महीने में सोमवार व्रत की महिमा बताते हुए आचार्य उपेन्द्र शास्त्री ने कहा, श्रावण मास की अंतिम सोमवारी का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन भगवान शिव का श्रद्धा और विधि-विधान से जलाभिषेक करने पर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। बाबा दिनेश्वर नाथ धाम की महिमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है और यहां सच्चे मन से आने वाले श्रद्धालुओं पर भोलेनाथ की विशेष कृपा बनी रहती है। गौरतलब है कि कोईलवर के सोन नदी तट स्थित गोरैया घाट पर अवस्थित बाबा दिनेश्वर नाथ धाम श्रावण मास में आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। प्रत्येक सोमवार यहां हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

बबुरा में चार गैर-जमानतीय वारंटी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा । भोजपुर जिले के बबुरा थाने की पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर-जमानतीय वारंट के मामलों में कार्रवाई करते हुए चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में नंदकिशोर पासवान (ग्रामझ्रबबुरा), शत्रुधन विंद (ग्रामझ्रफुहां), भगत उर्फ भरत उर्फ रोहित बीन (ग्रामझ्रपचरुखिया कला) तथा हरे राम बीन (ग्रामझ्रफुहां) शामिल हैं। सभी गिरफ्तार आरोपित बबुरा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। बबुरा थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि सभी वारंटियों को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि न्यायालय से जारी वारंटों के निष्पादन के लिए पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पीजी दाखिला परीक्षा को शाहाबाद के चारों जिलों में बनाए गए 14 केंद्र

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में पीजी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा 27 अगस्त को आयोजित की जाएगी। तीसरी दफा आयोजित होने वाली इस प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए एडमिट कार्ड बुधवार को ऑनलाइन जारी कर दिया गया। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के पोर्टल से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए शाहाबाद के चारों जिलों में कुल 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आरा मुख्यालय के अलावा बक्सर, रोहतास और कैमूर जिले में भी परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा को लेकर केंद्राधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रशासनिक स्तर पर भी परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। पीजी प्रवेश परीक्षा में विभिन्न विषयों में कुल 10,881 अभ्यर्थी शामिल होंगे। विश्वविद्यालय में पीजी की कुल 5998 सीटों पर नामांकन लिया जाना है। सबसे अधिक आवेदन इतिहास, भूगोल, भौतिकी, गणित आदि विषयों में प्राप्त हुए हैं। विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए जिलावार परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, ताकि दूर-दराज के अभ्यर्थियों को परीक्षा देने के लिए अधिक दूरी तय नहीं करनी पड़े।परीक्षा की दो पालियां होंगी। पहले पेपर की परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरे पेपर की परीक्षा दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक होगी। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की इंट्री सुबह 9:30 बजे से शुरू होगी। सुबह करीब 10:30 बजे गेट बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित समय से पहले केंद्र पर पहुंचने की सलाह दी गई है।पीजी प्रवेश परीक्षा के लिए आरा मुख्यालय में सात केंद्र बनाए गए हैं। इनमें एचडी जैन कॉलेज, महाराजा बहादुर राम रणविजय प्रसाद सिंह कॉलेज, जगजीवन कॉलेज, एसबी कॉलेज, एमएम महिला कॉलेज, टीएसआई महिला कॉलेज और डीके कॉलेज शामिल हैं। बक्सर में दो केंद्र तथा रोहतास और कैमूर जिले में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिलों में बनाए गए केंद्रों पर अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार आवश्यक व्यवस्था की गई है। दो समूहों में होगी प्रवेश परीक्षा प्रवेश परीक्षा दो समूहों में आयोजित होगी। पहले समूह में ग्रुप ए के लिए 50 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं दूसरे समूह में ग्रुप बी के लिए 150 अंकों की परीक्षा होगी। इसमें 75 प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। विषय आधारित प्रश्नों के माध्यम से अभ्यर्थियों की विषयगत जानकारी की जांच की जाएगी।पीजी में नामांकन के लिए सफल विद्यार्थियों की मेरिट सूची परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी। परीक्षा परिणाम के बाद विश्वविद्यालय स्तर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पीजी सत्र 2026-28 में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय के विभिन्न विषयों में दाखिला लिया जाना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से परीक्षा में अनुशासन बनाए रखने और सभी आवश्यक निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

वीकेएसयू में वोकेशनल और प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के लिए अब समान शुल्क

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में संचालित वोकेशनल और प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के शुल्क में अब एकरूपता लाने की तैयारी शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस दिशा में अलग-अलग समितियों के गठन का निर्णय लिया है। शुल्क निर्धारण को लेकर विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल और सिंडिकेट की बैठक में महत्वपूर्ण चर्चा हुई, जिसके बाद समान शुल्क प्रणाली लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। बताया जाता है कि अभी तक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में वोकेशनल पाठ्यक्रमों की फीस अलग-अलग निर्धारित है। शुल्क में अंतर के कारण विद्यार्थियों को नामांकन के समय परेशानी का सामना करना पड़ता है। कॉलेजों की संख्या बढ़ने के साथ विश्वविद्यालय ने सभी संस्थानों में शुल्क संरचना को एक समान करने का निर्णय लिया है। इससे विद्यार्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में 15 कॉलेजों में बीबीए की पढ़ाई संचालित है, जबकि 21 कॉलेजों में बीसीए की पढ़ाई होती है। इसके अलावा चार कॉलेजों में बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस और तीन कॉलेजों में एलएलबी पाठ्यक्रम संचालित हैं। वहीं, जैन कॉलेज, जगजीवन राम कॉलेज सहित कई संस्थानों में भी वोकेशनल एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में नामांकन लिया जा रहा है। बीबीए और बीसीए में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर प्राप्त सभी आवेदनों का डाटा विश्वविद्यालय की ओर से संबंधित कॉलेजों को भेज दिया गया है। इसी आधार पर कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इन पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए कई अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इससे विद्यार्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान आरक्षण रोस्टर का पालन किया जाना है। विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नई समितियां विभिन्न कॉलेजों में संचालित पाठ्यक्रमों, सीटों और वर्तमान शुल्क की समीक्षा करेंगी। समिति की रिपोर्ट और उसके अनुमोदन के बाद समान शुल्क प्रणाली लागू किए जाने की संभावना है। विश्वविद्यालय प्रशासन के इस निर्णय से सभी कॉलेजों में शुल्क को लेकर समान व्यवस्था स्थापित होगी और विद्यार्थियों को अलग-अलग शुल्क देने की परेशानी से राहत मिलेगी।

गोदरेज एग्रोवेट ने की एक्वा फीड बिजनेस के विस्तार की घोषणा

GODREJ AGROVET Godrej

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने अपने एक्वा फीड कारोबार के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए फिश फीड कंपनियों में शामिल होने के लक्ष्य के साथ भविष्य-भविष्य-उन्मुख विकास रणनीति की घोषणा की है। इस रणनीति के तहत गोदरेज एग्रोवेट अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने के साथ-साथ नवाचार तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को और गति देगा, ताकि मत्स्यपालन से जुड़े किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले फीड समाधान उपलब्ध कराए जा सकें। कंपनी फीड कन्वर्जन रेशियो (एफसीआर) में सुधार पर विशेष ध्यान रहेगा, जिससे किसानों की उत्पादन लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और उनकी लाभप्रदता में सुधार होगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कटारिया ने कहा कि सरल शब्दों में कहें तो फिश फीड कारोबार गोदरेज एग्रोवेट की रणनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल है। हम इसे अपने समग्र पशु पोषण कारोबार का एक मजबूत स्तंभ मानते हैं और इसे दोहरे अंकों (डबल-डिजिट) की विकास दर से आगे बढ़ाना चाहते हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम निवेश कर रहे हैं, साथ ही नवाचार और अनुसंधान एवं विकास पर भी लगातार जोर दे रहे हैं। हमें एक्वा फीड कारोबार की अपार संभावनाओं पर पूरा विश्वास है। इस क्षेत्र में हमारे लिए विकास के अवसर बेहद उत्साहजनक हैं, हमारी महत्वाकांक्षाएं बड़ी हैं और हम उन्हें पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। अपनी विकास रणनीति के तहत गोदरेज एग्रोवेट अपने वितरक नेटवर्क के साथ जुड़ाव भी मजबूत कर रहा है। कंपनी ने हाल ही में अपने दृष्टिकोण ऐप का उन्नत संस्करण लांच किया है, जिससे वितरकों के साथ संवाद और समन्वय अधिक सहज और प्रभावी होगा तथा सहयोग एवं सेवा वितरण में भी सुधार आएगा।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंची बड़हरा सीएचसी की मेडिकल टीम, प्रभारी ने ग्रामीणों को बांटी दवाएं

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा नदी के बाढ़ ग्रस्त इलाको के बीच बड़हरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मेडिकल टीम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर ग्रामीणों का हाल जाना। सीएचसी प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने प्रभावित गांवों में पहुंचकर लोगों के बीच आवश्यक दवाओं का वितरण किया। इस दौरान डॉ. अरविंद कुमार ने ग्रामीणों से स्वास्थ्य संबंधी ह्य जानकारी ली और बाढ़ के दौरान होने वाली बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने लोगों को दूषित पानी से बचने, पानी को उबालकर या शुद्ध करने के बाद ही पीने तथा आसपास साफ-सफाई रखने की सलाह दी। साथ ही बाढ़ के पानी में अनावश्यक रूप से जाने से बचने और किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या होने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की। मेडिकल टीम ने ग्रामीणों के बीच जरूरी दवाएं वितरित करने के साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जागरूक भी किया। प्रभारी ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में लोगों के स्वास्थ्य पर विशेष नजर रखी जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार मेडिकल टीम भेजकर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम के गांवों में पहुंचने से ग्रामीणों को काफी राहत मिली। लोगों ने बाढ़ की स्थिति के बीच दवा वितरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की सराहना की।

गुंडी में शराब के खिलाफ कृष्णागढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 260 लीटर महुआ शराब बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

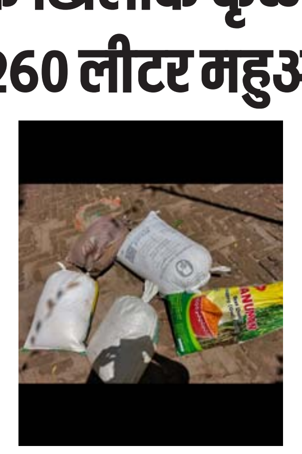

बड़हरा। गुप्त सूचना के आधार पर कृष्णगढ़ थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुंडी गांव में छापेमारी की। पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान करीब 260 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गुंडी गांव में भारी मात्रा में देसी महुआ शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना मिलते ही कृष्णगढ़ थाना पुलिस ने टीम गठित कर बताए गए स्थान पर छापेमारी की। पुलिस टीम को देखते ही शराब से जुड़े लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तलाशी के दौरान अलग-अलग स्थानों से कुल करीब 260 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की गई। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही शराब के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद गुंडी सहित आसपास के इलाकों में अवैध शराब का कारोबार करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार का भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार से भक्तिमय हुआ बखोरापुर

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड के बखोरापुर पश्चिम बगीचा स्थित प्राचीन पुष्प कला शिव मंदिर एवं बजरंगबली मंदिर परिसर के नवनिर्माण और जीर्णोद्धार को लेकर सोमवार को भूमि पूजन किया गया। विद्वान ब्राह्मणों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठान के बीच पूजन संपन्न हुआ। हवन और पूजा-अर्चना के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर को 3डी नक्शे के अनुरूप आधुनिक स्वरूप देने की योजना है। पुराने मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार कर उसे नई सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। हजारों ग्रामीणों ने दिया एकता का संदेश भूमि पूजन समारोह में बखोरापुर गांव के हजारों ग्रामीण शामिल हुए। बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों की भागीदारी ने ग्रामीण एकता और आपसी सद्भाव की मिसाल पेश की। ग्रामीणों ने मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य को जल्द पूरा कराने का संकल्प लिया। समारोह में मंदिर कार्यकारिणी के सदस्य डब्लू सिंह, रविंद्र सिंह, राम लखन सिंह, अनिल सिंह, संपत सिंह, राजू सिंह, हरे कृष्णा सिंह, संजय सिंह, संतोष सिंह, अखिलेश सिंह, रवि रंजन सिंह, राजा सिंह, कुंवर सिंह, चिंटू सिंह, बच्चा सिंह व मुन्ना सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं जय मां काली बखोरापुर वाली मंदिर न्यास समिति, भोजपुर के अध्यक्ष व होटल मौर्या पटना के कार्यकारी निदेशक बीडी सिंह, सह मुख्य संरक्षक रविशंकर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण तिवारी, मुख्य सलाहकार सिद्धार्थ कुमार उर्फ दीपू और प्रशासक कंचन कुमार समेत समिति के कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। आधुनिक तकनीक से होगा निर्माण मंदिर के निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य की देखरेख आर्किटेक्ट इंजीनियर निरंजन सिंह करेंगे। कार्यकारिणी के अनुसार निर्माण आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक तरीके से कराया जाएगा। बखोरापुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर के विकास की तर्ज पर शिव मंदिर को भी धार्मिक आस्था के साथ आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की योजना है। नाम प्रचार वाले दान को स्वीकार नहीं करेगी समिति मंदिर कार्यकारिणी ने दान को लेकर भी स्पष्ट नीति बनाई है। समिति के अनुसार ऐसे दान को स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिसमें दानदाता अपना नाम प्रचारित या सार्वजनिक कराने की इच्छा रखता हो। सोशल मीडिया, प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नाम प्रचारित कराने के उद्देश्य से दिए जाने वाले दान को वापस करने की बात कही गई है। समिति केवल गुप्त रूप से धनराशि या निर्माण सामग्री के रूप में किए गए सहयोग को प्राथमिकता देगी। मंदिर कार्यकारिणी सदस्य सुनील सिंह गोपाल ने बताया कि निर्माण कार्य शुरू होने की तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर के जीर्णोद्धार को पूरा कर इसे बखोरापुर और भोजपुर की धार्मिक पहचान के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

पहाड़ी क्षेत्रों में एमएसएमई को बढ़ावा देने पर दिया जोर

एमएसएमई के जरिए ही पहाड़ी क्षेत्रों में रोजगार देकर पलायन रोकने में सफलता पाई जा सकती है

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने आज देहरादून का दौरा किया और वहां खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, कोयर बोर्ड तथा एमएसएमई मंत्रालय के अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा की है। मांझी ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पहाड़ी क्षेत्रों में नियमित रूप से जाएं और स्थानीय लोगों के साथ सीधे संवाद कर उन्हें एमएसएमई से जुड़ी गतिविधियों, प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दें। उन्होंने विशेष रूप से पहाड़ों में उपलब्ध स्थानीय संसाधनों और औषधीय महत्व वाले पौधों एवं उत्पादों की पहचान करने तथा उनके वैज्ञानिक प्रसंस्करण के माध्यम से मूल्यवर्धन और निर्यात की संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कम से कम प्रत्येक माह दो जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम पहाड़ी क्षेत्रों में आयोजित किए जाएं। तत्काल प्रभाव से टिहरी गढ़वाल और पौड़ी गढ़वाल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मांझी ने कहा कि अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए जहां एमएसएमई गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर विकसित किए जा सकते हैं। मांझी ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों और विभिन्न व्यावहारिक बाधाओं के कारण वहां बड़े उद्योग स्थापित करना चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और पहाड़ों से पलायन रोकने का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

जीतन राम मांझी ने अधिकारियों से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों, पारंपरिक उत्पादों, औषधीय पौधों तथा अन्य संभावनाओं की पहचान कर उनके आधार पर नए उद्यम विकसित करने की दिशा में ठोस पहल करने को कहा है। इसके साथ ही, स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें उद्यमिता से जोड़ने और उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। इसके साथसाथ केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों से कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित कार्यों को प्रभावी और समयबद्ध तरीके से पूरा करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। अगर लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें स्थानांतरण से लेकर निलंबन तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अधिकारियों से कहा कि एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं का लाभ पहाड़ों के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए अधिकारियों को कार्यालयों तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर जाकर काम करना होगा।

डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने भाजपा के राष्ट्रीय संगठन, वरिष्ठ नागेंद्र नाथ त्रिपाठी से की औपचारिक मुलाकात

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने भाजपा के राष्ट्रीय संगठन, वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क नागेंद्र नाथ त्रिपाठी से औपचारिक मुलाकात किया है, इस अवसर पर डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी का जीवन संगठन, समर्पण और कार्यकर्ता निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान आज भी दे रहे हैं क्योंकि भाजपा एक ऐसा परिवार है जहां हर वर्ग हर समुदाय और हर क्षेत्र के कार्यकर्ता अपनी मेहनत के बल पर नेतृत्व करने का अवसर मिलता है भाजपा ही एक मात्र ऐसा राजनीतिक दल है जहां जमीन पर पसीना बहाने वाले एक साधारण कार्यकर्ता के समर्पण को पहचाना जाता है मुझे गर्व है कि मैं राजनीतिक दल का सिपाही हूं जो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक दल हैं आने वाले दिनों में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्मदिन के अवसर पर देश सेवा,जन सेवा के 25 वर्ष होने जा रही है हम सभी कार्यकर्ता उनके द्वारा किये गये कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लेते हुए भारत का राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को सम्मान हेतु सभी लोग पूरा 6 छंद गाए इसके लिए युवाओं प्रेरित करेंगे।

मेहंदी प्रतियोगिता में वंदना कुमारी प्रथम, ज्योति साहू द्वितीय और स्वाती कुमारी तृतीय रहीं

तैलिक साहू सभा ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। गया जिला तैलिक साहू सभा की ओर से रविवार को टिकारी रोड स्थित तैलिक भवन में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गया जी की पूर्व जिला अध्यक्ष लक्ष्मी देवी ने की, जबकि मंच का संचालन अनीता देवी ने की है। सावन महोत्सव में महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। मेहंदी प्रतियोगिता में पहाड़पुर की वंदना कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। चंदौली की ज्योति साहू द्वितीय तथा बरतारा की स्वाती कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया है। प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं ने सावन की पारंपरिक संस्कृति और उत्सव के रंगों को जीवंत किया है।

हजारों महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने लिया हिस्साः सावन महोत्सव में गया जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, बच्चियां एवं पुरुष शामिल हुए हैं इस कार्यक्रम में अन्नू देवी, अनीता देवी, विमला देवी, सरिता देवी, आशा देवी, सरोज देवी, पूनम देवी, अनीता कुमारी, मनोरमा देवी, सराज देवी, लक्ष्मी देवी, रेखा देवी समेत कई महिलाएं उपस्थित रहीं हैं।

आयोजकों ने बताया कि सावन महोत्सव का उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक मंच पर लाकर सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना है। इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सावन के गीतों और पारंपरिक उत्सव का आनंद लिया है। आयोजन को लेकर तैलिक समाज की महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया है। सावन महोत्सव का आयोजन गया जिला तैलिक साहू सभा के जिला अध्यक्ष संजु साव के नेतृत्व में किया गया। संगठन मंत्री सुरेश प्रसाद समेत सभा के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य आयोजन की व्यवस्था में सक्रिय रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर उपस्थित लोगों ने आयोजकों को बधाई दी।

पांच अभियुक्तों को पांच साल कारावास

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में जिला जज द्वितीय आनंदिता सिंह ने कुटुम्बा थाना कांड संख्या -32/13, एसटीआर -266/13, 84/23 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए सभी पांचों अभियुक्तों को सजा सुनाई है एपीपी मदन प्रसाद ने बताया कि अभियुक्त रमेश राम, प्रमोद राम, विनोद राम, धिरेन्द्र राम और लालदेव न राम बसडिहा कुटुंबा को भादंवि धारा -341/149 में एक माह की सजा, धारा 323/149 में छः महीने की सजा,धारा 324/149 में दो साल की सजा, धारा 147 में छः महीने की सजा, धारा 148 में एक साल की सजा और 307/149 में पांच साल की सजा और पन्द्रह हजार रुपए जुमार्ना लगाया है सभी सजाएं साथ साथ चलेगी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि अभियुक्त को उल्लेखित धाराओं में 17/08/26 को दोषी ठहराया गया था और अन्य चार महिला अभियुक्त चिंता देवी, कुंती देवी,मरच्छी देवी और सुनीता राम को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया था, इस वाद के सूचक विजय राम ने 06/04/13 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि 03/04/13 को 1:30 बजे दिन में एक फोन आया कि तुम्हारे बेटे जितेन्द्र को कुछ लोग मार देंगे तो दोडकर देखने गये तो सभी अभियुक्तों ने मिलकर हम पर हमला कर दिया जिससे हमारा सिर फट गया और मैं विहोश हो गये तो उपस्थित लोगों ने हमें सदर अस्पताल लाया, घटना के पिछे का कारण जमीनी विवाद बताया गया कि चार फरिकदार को सरकारी पर्चा मिला था और जमीन मापी 12/04/13 को होना था इससे पूर्व ही अभियुक्तों ने विजय राम पर हमला कर दिया, आरोप गठन -4/12/13 और 8/2/16 को हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

भू जल स्तर में गिरावट, गांव मे जल संकट से लोग परेशान

करपी। प्रखंड क्षेत्र के पूरैनियां शेखा पंचायत के लखीमपुर परहां गांव के लोग इस भीषण गर्मी के मौसम में जल संकट से जूझ रहा है। भू जल स्तर में गिरावट आ जाने के बाद से ही गांव में जल संकट बना हुआ है। पीएचडी विभाग के द्वारा जो नल जल योजना का संचालन किया जा रहा है उसका भी दयनीय स्थिति है। पंचायत के वार्ड नंबर 2 के कई घरों में पेयजल पर भी आफत आया हुआ है ।पूरे पंचायत में नल जल योजना का बुरा हाल है ।पूरे गांव की आबादी लगभग डेढ़ सौ घर की है जिसमें सामान्य जाति से लेकर और महा दलित परिवार के लोग भी वहां रहते हैं। जल के संकट से सारे लोग जूझ रहे हैं। इसकी सूचना अरवल जिला में जाकर लोगों ने पीएचडी विभाग को दी थी लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यहां तक की स्थानीय लोगों के मांग पर कुर्था विधानसभा सदस्य पप्पू कुमार वर्मा के द्वारा भी हाथी चापाकल लगाने की अनुशंसा विभाग से की गई थी लेकिन विभाग के द्वारा विधायक द्वारा अनुशंसित चापाकल को भी आज तक नहीं लगाया गया है। विभाग की मनमानी इस बात को दशार्ता है कि जब विधायक के अनुशंसा का पालन पीएचडी विभाग नहीं कर पा रही है तो आम जनता की समस्या से इन्हें क्या लेना देना है।

रक्तदान महादान मानव जीवन बचाने के लिए आगे आए लोग

गया जी । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ए पी कॉलोनी गया द्वारा आज रेड क्रॉस हाल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर दादी प्रकाश मुनि जी के पुण्य स्मृति दिवस विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर रखा गया था हर एक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशेष शिविर में रक्तदाताओं ने लगभग 50 यूनिट रक्तदान किया है। साथ ही साथ दादी प्रकाश मुनि जी का श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हमारे गया शहर के मगध आइजी विकास वैभव , केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति रामेश्वर प्रसाद, स्पेशल गेस्ट में गैस शहर के प्रमुख व्यवसाय कैलाश डालमिया, दीपेंद्र अग्रवाल जी, राजकुमार अग्रवाल , डॉक्टर प्रकाश डॉक्टर संजीत, ऊषा डालमियां , सुशीला डालमिया , महाबोधि सोसाइटी टेंपल के अध्यक्ष जिन आनंद भंते।

26 दिनों से शिवभक्तों की सेवा में समर्पित पथ प्रदर्शक, समाजसेवियों ने सम्मानित कर बढ़ाया हौसला

औरंगाबाद। औरंगाबाद की चर्चित स्वयंसेवी संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार की जा रही कांवरियों की सेवा के लिए संस्था के सदस्यों को सम्मानित किया गया। देवघर की समाजसेविका अंजली सिंह एवं उनके पति एचडीएफसी बैंक के प्रबंधक कमलेश कुमार सिंह ने पथ प्रदर्शक परिवार के सदस्यों को अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं भोले बाबा की तस्वीर देकर सम्मानित किया। समाजसेविका अंजली सिंह ने कहा कि पथ प्रदर्शक की टीम जिस समर्पण और सेवाभाव से कांवरियों की सेवा कर रही है, वह प्रेरणादायक है। इसी सेवा भावना को प्रोत्साहित करने के लिए टीम को सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि कांवरिया पथ पर जितने भी सेवा शिविर लगाए जाएं, वे शिवभक्तों की सुविधा के लिए कम ही हैं। पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि संस्था लगातार 26वें दिन भी शिवभक्तों की सेवा में जुटी हुई है। जख्म, दर्द और फोड़े से परेशान कांवरियों की सेवा कर उन्हें काफी आत्मसंतुष्टि मिलती है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में रक्तदान जागरूकता, रक्तदान शिविर आयोजन एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए कार्यरत संस्था पथ प्रदर्शक ने इस वर्ष पहली बार बाबा बैद्यनाथ धाम में एक माह के लिए निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर लगाया है।

सांसद ने सुनी आम जनता और किसानों की समस्याएं

प्रात: किरण संवाददाता

हसपुरा/दाउदनगर। काराकाट लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजाराम सिंह ने सोमवार को अपने पार्टी कार्यालय दाउदनगर में जनता दरबार लगाया। इस दौरान संसदीय क्षेत्र के गोह, उपहरा, ओबरा, दाउदनगर, नवीनगर, एनटीपीसी, नोखा और काराकाट से सैकड़ों ग्रामीण और किसान अपनी-अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। सभी ने आवेदन के माध्यम से सांसद को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। सांसद राजाराम सिंह ने बारी-बारी से सभी फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर त्वरित कार्रवाई और निष्पादन का निर्देश दिया। इस अवसर पर सांसद ने कहा, मेरा शुरू से ही निचले स्तर के ग्रामीणों और किसानों से लगाव रहा है। किसानों और ग्रामीणों की जो भी जनसमस्या है, उसके समाधान के लिए मैं सदैव प्रतिबद्ध रहूंगा। कार्यक्रम में गायक जितेन्द्र कुमार विचारक, शैलेश कुमार, रंजन कुमार, कमलेश यादव, सनोज कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे। अंत में सांसद ने सभी को समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

जीबीएम कॉलेज शिक्षक संघ ने शिक्षकों के अनुरोध पर शीघ्रता के साथ यथोचित कदम नहीं उठाए जाने पर जताई नाराजगी

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के शिक्षक संघ ने मगध विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त सीनियर तथा नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों के कई माहों के वेतन के भुगतान नहीं होने पर काफी नाराजगी जताई है। सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों का दो-तीन माह से वेतन नहीं मिलना अत्यंत अपमानजनक एवं अफसोसजनक बात है। संघ की अध्यक्ष डॉ अनामिका कुमारी ने बताया कि वो संघ की उपाध्यक्ष डॉ बनीता कुमारी एवं एमयू के विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों के शिक्षक संघों के सदस्यों के साथ शिक्षकों के कई लंबित मांगों को लेकर एमयू के कुलपति प्रो दिलीप कुमार केसरी से भी मिल चुकी हैं। वे भी शिक्षक संघ की ओर से इस संबंध में कुलपति को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों की समस्याओं पर गंभीरता एवं सहानुभूति के साथ यथोचित कदम उठाए जाने का अनुरोध कर चुकी हैं। शिक्षकों के विभिन्न मुद्दों पर ध्यान देते हुए माननीय कुलपति महोदय ने आश्वासन दिया था कि शीघ्र ही इन सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा, लेकिन अभी तक इस संबंध में यथोचित कार्रवाई प्रतीक्षित है।

डॉ अनामिका कुमारी ने कहा कि तीन-तीन माह तक शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मियों के वेतन का न मिल पाना एक तरह की बड़ी क्रूरता एवं असंवेदनहीनता ही है, जिसके कारण सभी शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मियों को गंभीर आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। डॉ बनीता कुमारी ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों के बकाया वेतन का अविलंब भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। शिक्षक संघ की सचिव डॉ नगमा शादाब ने एनपीएस संबंधी मामलों पर भी शीघ्रातिशीघ्र उचित कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई है।

जीबीएम कॉलेज शिक्षक संघ की कोषाध्यक्ष डॉ रुखसाना परवीन ने शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ता के भुगतान किए जाने की मांगों को दुहराया है। शिक्षक संघ की संयुक्त सचिव डॉ अमृता कुमारी घोष ने कहा कि जीबीएम कॉलेज शिक्षक संघ मगध विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के शिक्षक संघों के साथ है। कॉलेजों को विश्वविद्यालय से अलग किए जाने के मुद्दे पर भी संघ के सदस्य एकजुटता के साथ खड़े रहेंगे।

शांति निकेतन एकेडमी, गया की सभी शाखाओं में 'ग्रीन डे' का भव्य आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

गया। शांति निकेतन एकेडमी की सभी शाखाओं–ए.पी. कॉलोनी, कटारी हिल रोड और गोविंदपुरम (रौना, चाकंद)–में बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ ह्यग्रीन डेह्न (हरियाली दिवस) का आयोजन किया गया है। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय (थीम) प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।ह्व रखा गया था। समारोह के दौरान पूरा विद्यालय परिसर हरे रंग की छटा से सराबोर नजर आया, जहाँ प्लेग्रुप से लेकर सीनियर केजी तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया है। हरे रंग की आकर्षक पोशाकों में सजे बच्चों ने मंच पर शानदार रैंप वॉक कर सभी का मन मोह लिया, जिसमें प्लेग्रुप से समर्थ और सान्वी की प्रस्तुति बेहद खास रही है। बच्चों के रचनात्मक विकास और प्रकृति से जुड़ाव के लिए सब्जी प्रिंटिंग गतिविधि आयोजित की गई है, जिसमें नर्सरी से अंशिका और शिवांश ने अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाई है। वहीं, जूनियर केजी से काव्या और सृष्टि ने फ्रूट सलाद मेकिंग गतिविधि में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इसके साथ ही मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गई हैं। नन्हे बच्चों को प्रकृति को करीब से समझाने के लिए एक विशेष ह्यटच एंड फीलह्न गतिविधि कराई गई, जिसमें सीनियर केजी से सिमरन और इल्मा ने विभिन्न प्राकृतिक चीजों को छूकर महसूस करने में उत्साहपूर्वक भाग लिया है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए ह्यशो एंड टेलह्न गतिविधि के जरिए बच्चों को हरे रंग और प्रकृति के महत्व से परिचित कराया गया है। इसके अलावा, विद्यालय परिसर में एक विशेष पौधा रोपण अभियान चलाया गया, जिसमें बच्चों और शिक्षकों ने मिलकर पौधे लगाए और पृथ्वी को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर शांति निकेतन एकेडमी के चेयरमैन श्री हरि प्रपन्न ने थीम आधारित दिवस मनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन खेल-खेल में सीखने और करके सीखने की अवधारणा को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने हरे रंग का स्वास्थ्य संबंधी महत्व बताते हुए कहा कि हरा रंग हमारी आँखों की रोशनी और मानसिक शांति के लिए अत्यंत लाभदायक होता है। इस कार्यक्रम को और प्रेरणादायी बनाते हुए निदेशक ने अपने संबोधन में कहा, हम केवल बच्चों को किताबें पढ़ना नहीं सिखा रहे, बल्कि हम उस भावी पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं जो इस धरती की रक्षक बनेगी। प्रकृति से जुड़कर सीखना ही सच्चा ज्ञान है, और यही बच्चे कल हमारे पर्यावरण की ढाल बनेंगे।

पौधारोपण से हरियाली और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

प्रात: किरण संवाददाता

गया। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के उद्देश्य से इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज द्वारा अतरी प्रखंड के सोनारा गांव में प्लांटेशन ड्राइव-2 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब की ओर से 100 पौधों का रोपण किया गया तथा ग्रामीणों को पौधों के संरक्षण एवं देखभाल के लिए जागरूक किया गया है। अभियान का उद्देश्य हरित आवरण को बढ़ाना, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना तथा ग्रामीणों को वृक्षों के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मधु प्रिया ने कहा, आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, स्वस्थ वातावरण और सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। क्लब की ओर से संदेश दिया गया– एक पौधा केवल पेड़ नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और उम्मीद का उपहार है। इसी अवसर पर सोनारा गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें क्लब से जुड़े चिकित्सकों ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं पर आवश्यक परामर्श दिया गया है। शिविर में ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज की जांच की गई तथा जरूरतमंद लोगों को दवाइयां, मलहम एवं स्प्रे उपलब्ध कराए गए हैं। ग्रामीणों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता, पर्याप्त नींद एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया है। क्लब की सचिव स्नेहा शाही ने कहा, स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। हमारा प्रयास प्रकृति संरक्षण के साथ जनस्वास्थ्य को भी सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा– स्वस्थ जीवन का आधार है संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और सकारात्मक सोच। इस कार्यक्रम में डॉ. तेजस्वी नंदन, डॉ. सोनम, डॉ. लवली, डॉ. पल्लवी, स्वाति जैन एवं शाजिया हबीब सहित क्लब के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई हू।

पौधारोपण एवं स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया है। इस पहल से लगभग 10,000 लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज का यह संयुक्त प्रयास पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामुदायिक सेवा के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

551 फीट लंबी भव्य कांवर यात्रा निकाली गई

प्रात: किरण संवाददाता

मानपुर। खिजरसराय प्रखंड की कुड़वा पंचायत स्थित श्यामनगर गांव से शनिवार को सावन के पावन अवसर पर 551 फीट लंबी भव्य कांवर यात्रा निकाली गई। जो रविवार को फतुहा त्रिवेणी संगम पर पहुंच कर वहां से जलभरी कर ग्रामीणों ने पुनः कुडवा खिजरसराय पहुंचे यह कावर ग्रामीणों के आपसी सहयोग से आयोजित कियाजाता है यह यात्रा लगातार पांचवें वर्ष निकाली जा रही है। यात्रा को लेकर श्यामनगर समेत आसपास के गांवों में श्रद्धालुओं में खासा उत्साह था यात्रा के दौरान डीजे की धुन और भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती के जयकारों के बीच श्रद्धालु कांवर लेकर रवाना हुए हैं। श्यामनगर के अलावा कुड़वा पंचायत और आसपास के गांवों के हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए हैं। 551 फीट लंबी कांवर यात्रा लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा है। यात्रा के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों का पूरा सहयोग मिल रहा है। जिला प्रशासन के सहयोग से श्रद्धालुओं के ठहरने, पेयजल, भोजन और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है उन्होंने बताया कि यात्रा अब श्यामनगर की पहचान बनती जा रही है और हर वर्ष इसमें श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। श्रद्धालु बस से फतुहा पहुंचें और वहां से पवित्र जल भरकर पैदल कांवर यात्रा शुरू किया यह यात्रा फतुहा, रोडसारी, दनियावां, हुलासगंज, नई बाजार और कुड़वा होते हुए बनावर पहाड़ होते हुए, भगवान शिव का जलाभिषेक किया आयोजकों ने बताया कि यात्रा धार्मिक आस्था के साथ ग्रामीण एकता का भी संदेश देती है। इसमें बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं समेत विभिन्न वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल होते हैं।

बुलडोजर कार्रवाई और वास भूमि के मुद्दे पर भाकपा-माले ने उठाई आवाज, 13 सूत्री मांगपत्र सौंपा

प्रात: किरण संवाददाता

शेरघाटी। गरीबों के घरों पर बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बुलडोजर कार्रवाई नहीं करने और भूमिहीन परिवारों को वास भूमि उपलब्ध कराने की मांग को लेकर भाकपा-माले (लिबरेशन) ने सोमवार को शेरघाटी में धरना-प्रदर्शन किया। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को 13 सूत्री मांगपत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। मांगपत्र में कहा गया कि सभी भूमिहीन गरीब परिवारों को पांच डिसमिल वास भूमि का परचा देने के साथ आवास की गारंटी की जाए। वर्षों से जिस जमीन पर गरीब परिवार बसे हुए हैं, उन्हें उसी जमीन का वास भूमि परचा दिया जाए।

देवकुंड में एक लाख भक्तों ने चढ़ाया जल

गोह (औरंगाबाद)(सं.)। गोह प्रखंड के देवकुंड में सावन महीने के अंतिम सोमवारी को लगभग एक लाख भक्तों में जलाभिषेक किया। पूरे दिन भर जल चढ़ाने के लिए भक्तों की लंबी कतार लगी रही। पूरा देवकुंड बोल बम के नारों से गूंजता रहा। सैंकड़ो की संख्या में पटना गाय घाट से कांवर में गंगाजल भरकर कांवरिया देवकुंड पहुंचे और बाबा दुधेश्वनाथ पर चल चढ़ाया। दाउदनगर एसडीओ अमित राजन, एसडीपीओ अशोक कुमार दास काफी देर तक देवकुंड मेला का जायजा लिया और स्थानीय पदधिकारी को कई आवश्यक निर्देश दिए। सुबह तीन बजे से ही मंदिर के गर्भ गृह का मुख्य दरवाजा आम भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिया गया था।

महिला सशक्तिकरण संवाद, समूह गीत एवं भक्ति संगीत, नृत्य का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिला के जिला परिषद सभागार औरंगाबाद में महिला सशक्तिकरण संवाद, समूह गीत एवं भक्ति संगीत, नृत्य सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक सहभागिता तथा सामूहिक सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण संवाद से संबंधित प्रतियोगिता का विशेष रूप से आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक भूमिका, उनके अधिकार, आत्मनिर्भरता, निर्णय लेने की क्षमता तथा समाज के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी जैसे विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गए।

सरकारी योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर नए एसडीओ का जोर

प्रात: किरण संवाददाता

शेरघाटी। शेरघाटी अनुमंडल के नए एसडीओ के रूप में आईएएस अधिकारी जतिन कुमार ने सोमवार को योगदान देने के साथ ही प्रशासनिक गतिविधियां तेज कर दीं। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर सरकार की योजनाओं को समय पर और प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने का निर्देश दिया। निवर्तमान एसडीओ मनीष कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर नए एसडीओ का स्वागत किया और उन्हें कार्यभार सौंपा। इसके बाद जतिन कुमार ने अनुमंडल कार्यालय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने सभी प्रखंडों के बीडीओ, सीओ, आरओ, अनुमंडल आपूर्ति पदाधिकारी, एमओ, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, कल्याण पदाधिकारी और कृषि पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे।
साथ ही योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जाएं। नए एसडीओ ने झारखंड से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों का भी अवलोकन किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना, खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ सही लाभुकों तक पहुंचाना और शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में बताया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और जनहितकारी बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, मंगलवार, 25 अगस्त, 2026

अमर शहीदों के त्याग एवं बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें: जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। 24 अगस्त 1942 को भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बेतिया के आठ अमर शहीदों की स्मृति में सोमवार को शहीद स्मारक परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने अमर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उनके अदम्य साहस, त्याग और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्रद्धांजलि समारोह का शुभारंभ सशस्त्र बल के जवानों द्वारा अमर शहीदों के सम्मान में दी गई सलामी परेड के साथ हुआ। इसके पश्चात माननीय महापौर, नगर निगम बेतिया, गरिमा देवी सिकारिया, जिलाधिकारी तरनजोत सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक कुमार गौतम, उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन सहित उपस्थित अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने कहा कि बेतिया की धरती के वीर सपूतों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर इतिहास में अमिट स्थान बनाया है। उनका त्याग और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि अमर शहीदों ने हमें यह संदेश दिया है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और देश के सम्मान, एकता एवं विकास के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा अपने जिले, राज्य और देश के विकास में सक्रिय एवं सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, वह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों के संघर्ष एवं बलिदान का परिणाम है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम उनके सपनों के अनुरूप एक मजबूत, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। श्रद्धांजलि सभा के दौरान शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने शहीदों के आश्रितों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार और समाज शहीदों के परिवारों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा तथा उनके सम्मान और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं शहीदों के परिजन उपस्थित थे।

नगर निगम क्षेत्र के एक एक आवारा कुत्ता का वर्थ कंट्रोल के साथ रेबीज टीका लगाने के बाद ही कुत्तो के आतंक से मिलेगी आजादी:गरिमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायादेश के आलोक में नगर निगम द्वारा पारित प्रस्ताव पर शहर में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने के लिए बड़ी पहल की गई है। नगर निगम द्वारा पारित प्रस्ताव के आधार पर कायार्देश जारी किया गया है। जारी कायार्देश के अनुसार महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि प्रतिष्ठित संस्था संतुलन जीव कल्याण को दो वर्षों के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। ई- टेंडरिंग विधि से निविदा आमंत्रण की विहित प्रक्रिया के तहत चयनित एजेंसी जल्द ही इस कार्य की शुरूवात करेगी। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र के सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर उनका बर्थ कंट्रोल किया जाएगा और अनिवार्य रूप से एंटी रैबीज का टीका लगाया जाएगा। इसके बाद ही उन्हें पकड़े गए उसी स्थान पर छोड़ा जाएगा। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिया है कि बिना बर्थ कंट्रोल और बिना रैबीज टीकाकरण के किसी भी कुत्ते को नहीं छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह अभियान सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करेगा और शहरवासियों को कुत्तों के काटने और लगातार बढ़ती आबादी की समस्या से राहत मिलेगी। यहां उल्लेखनीय है कि इस फैसले से शहर में स्वच्छता और सुरक्षा को लेकर लोगों में उम्मीद के साथ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का अनुपालन सुनिश्चित होने की उम्मीद जगी है।

संक्षिप्त खबरें

बेडरूम में घुसा विषधर कोबरा रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

बगहा। वाल्मीकिनगर पंचायत के चरघरिया वार्ड नंबर-8 निवासी हरिदयाल राम के घर में सोमवार को एक विषधर कोबरा सांप घुस गया। परिजनों ने सांप को बेडरूम में रेंगते हुए देखा, जिसके बाद घर में अफरा-तफरी मच गया। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना रेस्क्यू कर्मी कन्हैया कुमार को दी। सूचना मिलते ही रेस्क्यू कर्मी कन्हैया कुमार मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक सांप की तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद बेडरूम के एक कोने में छिपे कोबरा को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर लिया गया। सांप के रेस्क्यू होने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू कर्मी कन्हैया कुमार ने बताया कि कोबरा को बाद में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के घने जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों ने समय पर सूचना देकर सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कराने में सहयोग किया।

नेपाल में दो वर्षीय बालिका की हत्या, सौतेली मां गिरफ्तार

बगहा। नेपाल के सप्तरी जिले में दो वर्षीय बालिका की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी सौतेली मां मुस्कान खातुन को गिरफ्तार किया है। घटना शम्भुनाथ नगरपालिका-3 के ट्रैफिक चौक की है। पुलिस के अनुसार, बालिका रविवार सुबह घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गई थी। बाद में उसका शव घर के पीछे झाड़ियों में मिला। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मोहम्मद इरफान की दो वर्षीय बेटी खुशी खातुन सुबह करीब पौने दस बजे तक घर के सामने खेल रही थी। इसके बाद वह अचानक गायब हो गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने काफी तलाश की, लेकिन बच्ची का पता नहीं चला। इसके बाद इलाका प्रहरी कार्यालय रुपनी को सूचना दी गई। तलाश के दौरान घर के पीछे झाड़ियों में बच्ची का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए राजविराज स्थित गजेन्द्र नारायण सिंह अस्पताल भेजा। पुलिस के अनुसार, मुस्कान ने बच्ची की हत्या करने के बाद शव को घर के पीछे झाड़ियों में फेंकने की बात बताई है। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस आरोपी को अदालत से हिरासत में रखने की अनुमति लेने की प्रक्रिया में है। बच्ची के पिता विदेश में रोजगार करते हैं।

नेपाल सीमा पर दो भारतीय बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो गंभीर

मैनाटांड। भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के मुरईया बाजार में सोमवार को दो भारतीय नंबर की बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को नेपाली पुलिस की निगरानी में इलाज के लिए बीरगंज स्थित नारायणी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, गोपालपुर थाना क्षेत्र के बैशाखवा निवासी हीरालाल अपने एक साथी के साथ नेपाल स्थित भाथा बाबा मंदिर में दर्शन कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान इनरवा थाना क्षेत्र के खमिया गांव निवासी रुस्तम मियां किसी काम से बाइक से नेपाल की ओर जा रहे थे। बॉर्डर पार करने के बाद मुरईया बाजार के समीप दोनों बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नेपाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को बीरगंज स्थित नारायणी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार नेपाली पुलिस की निगरानी में जारी है। हादसे के बाद सीमा क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

श्रावण के अंतिम सोमावरी के अवसर पर बड़ी संख्या मे शिवभक्त जलाभिषेक किया

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली। श्रावण मास के चतुर्थ सोमवारी के अवसर पर सुगौली प्रखंड क्षेत्र में काफी चहल पहल रहा नगर के महादेव टोला स्थित जोड़ा पंचमुखी शिवालय मंदिर मे श्रद्धालुओं की भीड अहले सुबह से ही पहुचने लगी .तथा हर हर महादेव के जयघोष से गुंजमय रहा .सुगौली के विभिन्न शिव मंदिरों में एवं क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना किया। अहले सुबह से हीं बोल बम - जय भोलेनाथ की गूंज गुंजने लगी। इसको लेकर नगर के महादेव टोला स्थित युग्म पंचमुखी शिव मंदिर मे आस्था का शैलाब उमड़ पड़ा। जहां अहले सुबह से मंदिर मे श्रद्धालु पूजा अर्चना में जूट गए। जिसका सिलसिला जारी है। सावन माह के चतुर्थ सोमवार को शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तड़के सुबह से ही सुगौली और आसपास के शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। हजारो की जत्था में पुरुष महिलाएं, छोटे छोटे बच्चें डीजे व शिव भक्ति के धून पर नाचते झूमते शिव मंदिर पहुंच लोग जलाभिषेक किया। अर्ध रात्रि से ही से बोलबम के जयघोष से आस पास का माहौल गूंजयमान रहा। आसपास का माहौल भक्तिमय बन उठा। रविवार के रात बारह बजे से विभिन्न क्षेत्र के लोग गाजे- बाजे के साथ सिकरहना नदी में जलबोझी के लिए पहुंचे। जहां से जल भरने के बाद एक-एक कर कावरियां की टोली सिकरहना से चलकर शिवालय मंदिर पहूंचकर पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। मौके पर मंदिर समिति के सदस्य सहित पुलिस बल मंदिर परिसर में शांति व्यवस्था में लगे रहे है वहीं इस मौके पर आयोजित मेला का भी लोगों ने आनंद लिया। सावन का पहला सोमवारी होने के कारण श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया। शिवभक्तों को कोई समस्या नहीं हो और पूजा अर्चना के दौरान विधि व्यवस्था सुचारु रहे इसके लिए नगर पंचायत के द्वारा मंदिर परिसर में कैम्प लगाकर श्रद्धालुओं का माइकिंग कर उनका अभिनंदन व स्वागत किया जा रहा है। पुलिस व प्रशासन के द्वारा भी व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। वहीं लगे मेले में महिलाओं ने जमकर खरीदारी की और बच्चों ने मीठाईया व झुलें का भी जमकर लुप्त उठाया।

कांवड़ श्रद्धालुओं के लिए एसएसबी ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। इंडो-नेपाल सीमा गंडक बराज के एक नंबर फाटक स्थित एसएसबी चेक पोस्ट पर सोमवार को कांवड़ श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। सावन के अवसर पर सीमा क्षेत्र से आवाजाही कर रहे श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच के साथ विभिन्न सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए प्राथमिक उपचार किया गया। इसके अलावा जरूरतमंद श्रद्धालुओं को निशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। एसएसबी जवानों ने शिविर के माध्यम से श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया। एसएसबी 21वीं बटालियन के कमांडेंट तपेश्वर संवित राउत ने बताया कि श्रावण माह में इंडो-नेपाल सीमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही हो रही है। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए चेक पोस्ट पर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। शिविर के माध्यम से प्राथमिक उपचार के साथ आवश्यक दवाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि सावन मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर एसएसबी लगातार निगरानी कर रही है तथा सीमा क्षेत्र में आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

तेंदुए के हमले में महिला जख्मी, वन विभाग ने अस्पताल पहुंचाया

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के वन प्रमंडल-2 अंतर्गत मदनपुर वन क्षेत्र के पटेसरा गांव में सोमवार सुबह तेंदुए के हमले में एक महिला जख्मी हो गई। घायल महिला की पहचान नौरंगिया थाना क्षेत्र के पटेसरा निवासी सविता कुमारी (30), पति उपेंद्र राम के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सविता कुमारी सोमवार सुबह सरेह की ओर गई थी। इसी दौरान झाड़ियों के पास मौजूद तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर दिया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह तेंदुए को वहां से भगाया। शुरूआत में ग्रामीणों ने इसे बाघ का हमला समझकर वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फॉरेस्टर विवेक सागर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल महिला को वन विभाग की गाड़ी से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। रेंजर के अनुसार महिला की हालत फिलहाल ठीक है। पगमार्क मिलने के बाद निगरानी तेज मदनपुर रेंजर नसीम अहमद ने बताया कि पटेसरा और आसपास के इलाके में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की चहलकदमी देखी जा रही है। घटनास्थल के आसपास तेंदुए के पगमार्क भी मिले हैं। तेंदुए को ट्रेस कर रेस्क्यू करने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से वनकर्मियों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। बकरी बांधकर लगाया गया पिंजरा रेंजर ने आगे बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए घटनास्थल के आसपास पिंजरा लगाया गया है, जिसमें बकरी को चारा के रूप में बांधा गया है। वन विभाग की टीम तेंदुए की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है।

सर्पदंश की दवा के लिए आयात पर निर्भर नेपाल स्वदेशी उत्पादन की योजना पर सवाल

बगहा। नेपाल में हर साल सर्पदंश के मामले बढ़ने के बावजूद एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) की उपलब्धता को लेकर संकट बना हुआ है। खासकर तराई क्षेत्र में गर्मी और बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके बावजूद देश में एंटी-स्नेक वेनम का पर्याप्त स्वदेशी उत्पादन नहीं हो पाने से स्वास्थ्य व्यवस्था बड़े पैमाने पर आयातित दवाओं पर निर्भर है। हालिया संकट ने सरकार की दीर्घकालिक नीति और स्वदेशी उत्पादन की दिशा में किए गए प्रयासों पर भी सवाल खड़े किए हैं। नेपाल में स्वदेशी एंटी-स्नेक वेनम उत्पादन की चर्चा नई नहीं है। वर्षों पहले सरकार और निजी क्षेत्र की ओर से देश में ही एंटी-वेनम तैयार करने की योजनाएं सामने आई थीं। 2017 में निजी क्षेत्र ने नेपाल में एंटी-वेनम उत्पादन शुरू करने की घोषणा भी की थी। उस समय नेपाल सरकार हर साल करीब 30 हजार वायल एंटी-वेनम आयात कर स्वास्थ्य संस्थानों को उपलब्ध कराती थी। लेकिन लंबे समय बाद भी नेपाल अपनी जरूरत के मुताबिक स्वदेशी उत्पादन व्यवस्था विकसित नहीं कर सका है। मधेश प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कई सर्पदंश उपचार केंद्रों के पास दवा का पर्याप्त स्टॉक नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक इस साल बैशाख से अब तक विषैले सांपों के काटने से कम से कम 53 लोगों की मौत और 716 लोगों के अस्पताल पहुंचने की जानकारी दर्ज हुई है। वास्तविक आंकड़ा इससे अधिक होने की आशंका भी जताई गई है। अधिकारियों के अनुसार अकेले मधेश प्रदेश को सालाना करीब 800 से 1,000 वायल एंटी-वेनम की जरूरत पड़ती है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता ने संसद में बताया कि देश के विभिन्न स्तरों पर कुल 1,269 वायल एंटी-स्नेक वेनम उपलब्ध हैं, जिससे करीब 850 सर्पदंश मरीजों का उपचार किया जा सकता है।

एसडीओ के निरीक्षण में पीडीएस व आंगनबाड़ी केंद्रों में मिली अनियमितता

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। अनुमंडल पदाधिकारी बगहा चांदनी कुमारी ने सोमवार को रामनगर नगर परिषद क्षेत्र की जन वितरण प्रणाली दुकानों और आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पीडीएस दुकानों से लेकर आंगनबाड़ी केंद्रों तक कई स्तर पर अनियमितताएं सामने आईं। एसडीओ ने संबंधित विक्रेताओं और सेविकाओं से स्पष्टीकरण मांगने के साथ ही विभागीय अधिकारियों को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जन वितरण प्रणाली विक्रेता अरुण कुमार गुप्ता की दुकान में 72 क्विंटल गेहूं और 72 क्विंटल चावल स्टॉक में पाया गया। वहीं, अनुज्ञप्ति संख्या 02/2022 के विक्रेता मोहम्मद फैयाज अंसारी की दुकान बंद मिली। दोनों मामलों में संबंधित विक्रेताओं से स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। इसके बाद एसडीओ ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। चखनी चर्च टोला स्थित केंद्र संख्या 199 में सेविका सलोनी मनोज और सहायिका मंजू देवी उपस्थित मिलीं, लेकिन केंद्र पर भोजन नहीं बन रहा था। नारायणपुर वार्ड-5 स्थित केंद्र में सेविका रंजू देवी अनुपस्थित मिलीं और वहां भी भोजन नहीं बनाया जा रहा था। चखनी रजवटिया स्थित केंद्र संख्या 198 में सेविका शांति देवी और सहायिका बासमती देवी मौजूद थीं, लेकिन भोजन नहीं बना था। इसी क्रम में छोटकी पट्टी वार्ड-11 का आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिला। वार्ड-13 स्थित केंद्र संख्या 306 भी बंद पाया गया। वहीं, बड़गांव दक्षिण वार्ड-10 के केंद्र संख्या 68 में सेविका मोती कुमारी उपस्थित थीं, लेकिन वहां भी भोजन नहीं बन रहा था। एसडीओ चांदनी कुमारी ने सभी संबंधित सेविकाओं से स्पष्टीकरण मांगते हुए सीडीपीओ बगहा-1 और बगहा-2 को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बगहा के शिवालयों में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। श्रावण मास की चौथी और अंतिम सोमवारी पर सोमवार को बगहा अनुमंडल के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्ममुहूर्त से ही मंदिरों में जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजते रहे। रामनगर स्थित ऐतिहासिक श्री नीलकंठ नर्मदेश्वर महादेव राज शिव मंदिर, बगहा-एक के पक्की बावली शिव मंदिर, ग्यारह रुद्र मंदिर, दूधेश्वरनाथ शिव मंदिर और बाबा विश्वम्भर नाथ मंदिर समेत वाल्मीकिनगर के वीटीआर गृभगृह जटाशंकर और कवलेश्वेर शिवालयो समेत अनुमंडल के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। रामनगर के नीलकंठ नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी अमित कुमार उपाध्याय ने बताया कि कांवड़ियों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर के पट रात करीब दो बजे ही खोल दिए गए थे। वाल्मीकिनगर-त्रिवेणी संगम से पवित्र नारायणी नदी का जल लेकर करीब 50 हजार कांवड़िए और पिट्ठू बम पदयात्रा करते हुए मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उन्होंने बताया कि अंतिम सोमवारी पर पूरे अनुमंडल क्षेत्र में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। सुरक्षा को लेकर प्रशासन रहा अलर्ट श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। बगहा एसपी राजेश कुमार ने रविवार रात मंदिर समिति के सदस्यों के साथ तैयारियों की।

पीड़िता की शिकायत पर आनंद हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। महिला की शिकायत और लिखित आवेदन के बाद स्वास्थ्य विभाग ने गांधी नगर स्थित आनंद हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। अस्पताल के अवैध रूप से संचालन और बिना वैध अनुमति चिकित्सा कार्य किए जाने की शिकायत पीड़िता शबनम ने अधिकारियों से की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जांच के बाद अस्पताल का निबंधन रद्द करने की कार्रवाई की है। हरनाटांड़ पीएचसी प्रभारी डॉ. केबीएन सिंह ने बताया कि सिविल सर्जन कार्यालय की ओर से आनंद हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द किए जाने की जानकारी अस्पताल संचालक को दे दी गई है। साथ ही अस्पताल में तत्काल सभी तरह के चिकित्सा कार्य और संचालन बंद रखने का निर्देश दिया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बेटी की मौत के बाद की थी शिकायत पीड़िता शबनम ने अपने आवेदन में बताया कि उसकी पुत्री सोनी खातून का ऑपरेशन रामनगर स्थित संजीवनी हेल्थ केयर में कराया गया था। ऑपरेशन के दौरान उसकी मौत हो गई थी। आवेदन में अस्पताल को सील किए जाने और मामले में प्राथमिकी दर्ज होने की बात भी कही गई है। शबनम का आरोप है कि संबंधित अस्पताल को सील किए जाने के बाद वही अस्पताल बिना वैध अनुमति के शास्त्रीनगर में दूसरे नाम से संचालित किया जा रहा है और उन्हीं चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

देवघाट में प्लास्टिक प्रतिबंध बेअसर नदी किनारे बढ़ रहा कचरा

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। चितवन, नवलपुर और तनहुँ की सीमा पर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल देवघाट धाम को प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र घोषित किए जाने के बावजूद प्लास्टिक कचरे की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो सकी है। नदी किनारे और धार्मिक स्थलों के आसपास प्लास्टिक बोतल, थैली और अन्य पैकेजिंग सामग्री दिखाई दे रही है। इससे क्षेत्र की स्वच्छता और पर्यावरण को लेकर चिंता बढ़ी है। देवघाट क्षेत्र को 26 दिसंबर 2025 को प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया था। इसके लिए स्थानीय निकायों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से अभियान भी चलाया गया था। अभियान का उद्देश्य कालीगंडकी और त्रिशूली नदी के संगम क्षेत्र सहित पूरे धार्मिक परिसर को प्लास्टिक और अन्य कचरे से मुक्त रखना था। देवघाट क्षेत्र विकास समिति के अनुसार, यहां कूड़ा प्रबंधन के लिए डस्टबिन लगाए गए हैं और नियमित सफाई की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं और पर्यटकों द्वारा प्लास्टिक का इस्तेमाल तथा उसे इधर-उधर फेंकने की समस्या चुनौती बनी हुई है। बतादें, देवघाट में हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन और स्थानीय निकायों के सामने प्लास्टिक प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ नदी और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना बड़ी चुनौती है। स्थानीय स्तर पर जागरूकता और नियमित निगरानी बढ़ाने की जरूरत बताई जा रही है।

शिकारपुर थाना में विजिलेंस का बड़ा एक्शन, 4 हजार घूस लेते एएसआई उपेंद्र विद्यार्थी चाय दुकान से गिरफ्तार

बेतिया।पश्चिम चम्पारण के नरकटियागंज अंतर्गत शिकारपुर थाना में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की।विजिलेंस की टीम ने जाल बिछाकर शिकारपुर थाने में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक उपेंद्र कुमार विद्यार्थी को 4,000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, एएसआई उपेंद्र कुमार विद्यार्थी द्वारा किसी मामले में लाभ पहुंचाने और मदद करने के एवज में अवैध राशि की मांग की गई थी। पीड़ित द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद विजिलेंस की टीम ने मामले का विधिवत सत्यापन किया और तय योजना के अनुसार जाल बिछाया। तय समय पर जैसे ही एक चाय की दुकान पर आरोपी एएसआई ने रिश्वत की रकम हाथ में ली, पहले से घात लगाकर तैयार निगरानी टीम ने उन्हें मौके पर ही रंगे हाथ दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को अपनी कस्टडी में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है।गौरतलब है कि शिकारपुर थाने पर निगरानी विभाग का यह पहला बड़ा शिकंजा नहीं है।कुछ ही महीने पहले भी इसी थाने में तैनात एक महिला एसआई को रिश्वतखोरी के मामले में विजिलेंस की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया था*। अब एक बार फिर उसी थाने के एएसआई की गिरफ्तारी के बाद शिकारपुर थाना परिसर समेत पूरे पुलिस महकमे में भारी हड़कंप मच गया है।

आस्था के साथ संपन्न हुआ खप्पर पुजा

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली नगर के वार्ड 10 स्थित माई स्थान माँ भगवति मंदिर के पूर्व ब्रह्मस्थान से खप्पर पुजा आर्चना के पश्चात खप्पर माँ के पुजारी अनिल कुमार भक्ता द्वारा लेकर निकाला गया जो ब्रह्म स्थान से निकालकर विभिन्न गली मोहल्ले होते हुए माई स्थान मंदिर पहुंच जहां सैकड़ो भक्तों ने जय भवानी के जय घोष के साथ खबर पूजा को आगे लेकर बढ़ते हुए भक्तजन यहा बता दे.कि प्रशासन के चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच नगर में सोमवार को भक्ति भावना के साथ खप्पर पूजा किया गया। पूजन के साथ डोली यात्रा भी निकला गया। जहां धर्म आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पारम्परिक रूप से चली आ रही माँ भगवती की खप्पर पूजा मंदिर के पुजारी भक्त अनिल कुमार के द्वारा पुरे विधि विधान पूर्वक सम्पन्न कराया गया .। खप्पर पूजा को देखते हुए माई स्थान भगवती मन्दिर और ब्रह्मस्थान के पास भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच कर ब्रह्म पूजा में शामिल हुए। सदियों से चली आ रही इस पूजा के मन्दिर में सम्पन्न किए जाने के बाद भक्तों की भारी भीड़ ब्रह्म स्थान से खप्पर लेकर पुनः माई स्थान मन्दिर ले जाकर रख दिया गया। जहाँ से सैकड़ो की जत्था जलते खप्पर को लेकर माई स्थान मन्दिर से थाना चौक से होते हुए पुनः मन्दिर में रख दिया गया। जिसके बाद माँ का डोला निकला। इस तरह दो स्थानों से खप्पर और डोला की यात्रा निकाली गई। जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नौवाडीह फुलवारी में रख दिया गया। जहां जाकर क्षमा याचना माँग कर पुनः वापस लौटे। मौके सुरक्षा का व्यापक पैमाने पर बंदोबस्त किया गया था। यह खप्पर पूजा का आयोजन होता है। इस दिन पुरे उत्साह के साथ खप्पर और डोला पूजा किया जाता है। वहीं इस साल भी यह पूजा दुर्गा माता के मंदिर से डोला यात्रा निकाला गया। भक्त अनिल कुमार का कहना है की इस दिन जो लोग माता के दर्शन के लिए आते है उनका मनोकामना पूर्ण हो जाता है।मौके पर थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल थे स्थानीय अशोक कुमार सोनी बताया कि बाहरी शक्ति से बचाव के लिए व जन मानस के उपर किसी प्रकार का आपदा विपदा न आवे इस लिए वर्षों से चली आ रही यह परंपरा को अपने कुल देवी देवताओं को आह्वान करते हुए पूजा अर्चना किया जाता है। यह सावन के अंतिम सप्ताह में सोमवार या सोमवार को यह पूजन होता है। जिसमें यहां के लोगों में खाश आस्था देखा जाता है।

वाल्मीकिनगर में 12 दिनों तक हुई भोजपुरी कॉमेडी फिल्म घर वाली ऑफिस वाली की शूटिंग

बगहा। प्राकृतिक सुंदरता और मनोरम वादियों के लिए प्रसिद्ध वाल्मीकिनगर में भोजपुरी कॉमेडी फिल्म घर वाली ऑफिस वाली की 12 दिवसीय शूटिंग पूरी हुई। फिल्म की शूटिंग वाल्मीकिनगर के विभिन्न प्राकृतिक एवं प्रमुख स्थलों पर की गई, जिसमें पाथवे, त्रिवेणी संगम तट समेत संजीवियर स्कूल परिसर प्रमुख रूप से शामिल रहे। फिल्म का निर्देशन अमित कुमार सर्राफ कर रहे हैं, जबकि गणेश प्रसाद निमार्ता हैं। फिल्म में आशु मलिक के साथ अभिनेत्री तनु श्री और मुस्कान प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म के निर्देशक अमित कुमार सर्राफ ने बताया कि ह्यघर वाली ऑफिस वालीह्व बड़े पर्दे के लिए बनाई जा रही 70 एमएम की फिल्म है। फिल्म पूरी तरह मनोरंजन और कॉमेडी पर आधारित है, जिसे दर्शकों को हंसाने और मनोरंजन करने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वाल्मीकिनगर का एक-एक लोकेशन बेहद खूबसूरत है। प्राकृतिक गोद में चारों ओर फैली हरियाली और मनोरम वातावरण के बीच विशेष रूप से फिल्म के गानों की शूटिंग की गई, जो फिल्म की खूबसूरती को और बढ़ाएगी वाल्मीकिनगर इससे पहले भी कई फिल्मों और टेलीविजन एवं वेब सीरीज की शूटिंग का गवाह रहा है। यहां दारा सिंह और पद्मा खन्ना अभिनीत फिल्म बनमानुष, सोने की लंका, बाबा के दुलारी, सजनवा बेरी भइल हमार समेत दर्जनों फिल्मों और टेली-वेब सीरीज के दृश्य फिल्माए जा चुके हैं।

पुलिस की छापेमारी में 120 लीटर शराब बरामद, कारोबारी फरार

मैनाटांड ।पुरुषोत्तमपुर थाना क्षेत्र में शराब कारोबारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है।इसी क्रम में पुलिस ने त्रिवेणी कैनाल नहर के समीप छापेमारी कर 120 लीटर शराब बरामद की। हालांकि पुलिस टीम को देखते ही मौके पर मौजूद शराब कारोबारी फरार हो गया। थानाध्यक्ष कमलेश भगत ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि त्रिवेणी कैनाल नहर के समीप शराब की खेप रखी गई है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही धंधे में शामिल व्यक्ति वहां से भाग निकला। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 120 लीटर शराब बरामद की। बरामद शराब को जब्त कर थाना लाया गया है। पुलिस फरार कारोबारी की पहचान और उसके संभावित ठिकाने का पता लगाने में जुटी है। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस टीम कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी 38 जिलों के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों में 24७७, 1:1 इंटरैक्टिव डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म ह्यबिहार विद्या साथीह्न का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पदाधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की। मुंगेर समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर के नेतृत्व में संबंधित मॉडल विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने ह्यबिहार विद्या साथीह्न के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लिया तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के संबोधन को सुना। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल गौरव, डीपीओ सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार विद्या साथी ऐप के माध्यम से विद्यार्थियों की पढ़ाई और अधिक सरल, सुगम एवं प्रभावी होगी। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यार्थियों को 24 घंटे, सातों दिन ऑनलाइन शिक्षक उपलब्ध रहेंगे। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क लाइव शिक्षा के साथ-साथ अपनी पसंद के शिक्षक से पढ़ने की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इस अभिनव पहल से राज्य के 38 जिलों के 700 मॉडल विद्यालयों में अध्ययनरत करीब 3 लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 24७७ वन-टू-वन लाइव ट्यूटर सपोर्ट उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके लिए करीब 75 हजार शिक्षक प्लेटफॉर्म से जुड़े रहेंगे। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी समस्या का त्वरित एवं निःशुल्क समाधान प्राप्त हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यबिहार विद्या साथीह्न के माध्यम से विद्यार्थियों को अनलिमिटेड पढ़ाई, लाइव इंटरैक्टिव क्लास, व्यक्तिगत शिक्षक सहायता तथा अक आधारित कॉन्सेप्ट लर्निंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे विद्यार्थी किसी भी विषय अथवा अध्याय को अपनी गति और सुविधा के अनुसार समझ सकेंगे तथा कठिन अवधारणाओं को डिजिटल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अध्ययन सामग्री की मदद से बेहतर ढंग से आत्मसात कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह प्लेटफॉर्म केवल बिहार बोर्ड की पढ़ाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों को खएए एवं ठएएळ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहयोग प्रदान करेगा। साथ ही, अक आधारित डिजिटल अध्ययन सामग्री के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध होंगे। मुंगेर में कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को ह्यबिहार विद्या साथीह्न प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग करते हुए नियमित अध्ययन करने तथा उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित यह पहल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में भी ह्यबिहार विद्या ९ ९ साथीह्न के शुभारंभ को लेकर उत्साह देखा गया। छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना तथा डिजिटल माध्यम से मिलने वाली 24७७ शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। ह्यबिहार विद्या साथीह्न के माध्यम से राज्य के विद्यार्थियों को अब पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए 24 घंटे विशेषज्ञ शिक्षक सहायता, लाइव कक्षाएं, अक आधारित कॉन्सेप्ट लर्निंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। यह पहल बिहार में डिजिटल एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

पदभार ग्रहण करते ही एक्शन में आए एसडीओ जतिन कुमार, डोभी चेकपोस्ट का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। सोमवार को पदभार ग्रहण करने के साथ ही शेरघाटी अनुमंडल के नए एसडीओ सह आईएएस अधिकारी जतिन कुमार एक्शन में नजर आए। उन्होंने पदभार संभालने के बाद शेरघाटी-डोभी चेकपोस्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चेकपोस्ट पर संचालित विभिन्न कार्यों की बारीकी से जांच की और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीओ जतिन कुमार ने चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच, आवागमन की व्यवस्था, रजिस्टर संधारण सहित अन्य कार्यों के बारे में अधिकारियों से विधिवत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर मौजूद पदाधिकारियों एवं कर्मियों से कार्यों के संचालन की प्रक्रिया को समझा तथा व्यवस्था को और बेहतर बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चेकपोस्ट पर सरकार के निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य किया जाए। साथ ही आम लोगों एवं वाहन चालकों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करना प्राथमिकता होगी। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद एसडीओ द्वारा किए गए निरीक्षण से अनुमंडल के अधिकारियों और कर्मियों में भी सक्रियता देखी गई। उन्होंने कहा कि अनुमंडल क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार निरीक्षण एवं समीक्षा की जाएगी। निरीक्षण के दौरान शेरघाटी अंचलाधिकारी उषा कुमारी, बीडीओ विनोद कुमार समेत डोभी, शेरघाटी एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

आयुक्त प्रेम सिंह मीणा ने 11 आवेदनों पर की सुनवाई, त्वरित निष्पादन का निर्देश

मुंगेर। आयुक्त प्रेम सिंह मीणा के द्वारा सोमवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया इस मौके पर आये हुए आवेदकों की समस्याओं को सुना गया तथा उसके समाधान के लिए सम्बंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत कुल 11 आवेदन क्रमशः मुंगेर जिला से 06, लखीसराय जिला से 04 एवं खगड़िया जिला से 01 आवेदन प्राप्त हुए आवेदकों ने आयुक्त श्री मीणा के समक्ष अपनी शिकायतों को रखा। आवेदन में भूमि विवाद, निबंध से संबंधित, सेवानिवृत लाभ एवं अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे सम्मिलित थे। आयुक्त श्री मीणा ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से सुना एवं संबंधित विभागों के पदाधिकरियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करना सुनिश्चित करें एवं आवेदनों में दिए गए विषयो को नियमो एवं विभागीय निदेशों के अनुरूप निष्पादित कर उसका प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराए।

सावन महोत्सव सीजन-6 का भव्य समापन

सिवान। जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड स्थित में आयोजित दो दिवसीय सावन महोत्सव सीजन-6 का रविवार को भव्य तरीके से समापन हुआ। महोत्सव के दौरान रैंप शो, मेहंदी, पेंटिंग एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आराध्य चित्रकला के रजनीश कुमार एवं लीलावती गिरी को भी सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों और दर्शकों में उत्साह का माहौल रहा। आयोजकों ने कहा कि सावन महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने के साथ लोगों को मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना है।

हड़सरी देवी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सीवान/दरौंदा। सावन के पवित्र महीने में सोमवार को हड़सर गांव स्थित प्रसिद्ध हड़सरी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। ग्रामीणों व आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने माता की पूजा-अर्चना कर परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि व खुशहाली की कामना की। सावन को लेकर मंदिर परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। हड़सरी देवी मंदिर को स्थानीय स्तर पर शक्तिपीठ के रूप में जाना जाता है।

गीधा में शराब के नशे में हंगामा करते दो गिरफ्तार

कोईलवर। गीधा थाने की पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा करने और पुराने मामले में फरार चल रहे वारंटी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि गीधा औद्योगिक क्षेत्र में दो लोगों के शराब के नशे में हंगामा करने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पंजाब के गुरदासपुर जिले के कोट मियां साहेब गांव निवासी कृपाल सिंह के पुत्र करण सिंह तथा पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के तुला गांव निवासी समर बागी के पुत्र धीरन बागी के रूप में हुई है।

तार सहित बिजली का पोल गिरने के कगार पर

पहाड़पुर प्रखंड के कोटवां पंचायत के कोटवां गांव के दस नंबर वार्ड में जहां ट्रांसफार्मर लगा हुआ है इसके सटे उतर बगल में एक बिजली का पोल है जिसमें तार लगा हुआ है वह बिजली का पोल कब गीर जाएगा इसका कोई ठीकाना नहीं है अगर पोल गीर गया तो किसी के साथ अनहोनी हो सकती है। इसके लिए विद्युत शिविर में मौखीक रुप से कहा भी गया था और पहाड़पुर के जेई ज्योतिष कुमार से भी कहा गया था लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया ग्रामीणो का कहना है कि उक्त पोल को सीधा नहीं किया गया तो कभी भी कोई अनहोनी घटना हो सकतीं हैं और इसका जिम्मेदार बिजली विभाग होगा।

नागरिकों की समस्या गंभीरतापूर्वक सुनकर त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए डीएम ने दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत सोमवार को समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जन सुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया, जिसमें कई आवेदन प्राप्त हुए, इनमें अधिकांश मामले भूमि विवाद, भूमि अतिक्रमण, दाखिल-खारिज तथा राजस्व संबंधी अन्य मामलों से संबंधित थे। छोटी केलाबाड़ी निवासी रेखा देवी ने अपने गुमशुदा बेटे की खोजबीन कराने हेतु अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि विगत 13 अगस्त को उनका बेटा घर से निकला और अब तक वापस नहीं आया है। हवेली खड़गपुर तुलसीपुर निवासी रवीश कुमार ने रमनकाबाद पश्चिमी पंचायत में हुए विकास मित्र कि बहाली को फर्जी बताते हुए उसकी जांच कराने की मांग की। मोगल बाजार निवासी पारस शर्मा ने कहा के उनके द्वारा ऑफलाइन लगान रसीद लगातार कटाया जा रहा है, लेकिन उनका ऑनलाइन रसीद नहीं कट पा रहा है। उन्होंने अपने ऑनलाइन लगान रसीद कटाने हेतु भू राजस्व पोर्टल पर अपलोड कराने की मांग की। इसके अलावे भी कई आवेदकों ने अपनी समस्याओं को रखा। जिलाधिकारी ने प्राप्त सभी आवेदनों की गहनता से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दरौंदा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 2018 से फरार आरोपी जितेंद्र यादव गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

दरौंदा थाना पुलिस ने क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे प्राथमिकी अभियुक्त जितेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरा कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार जितेंद्र यादव दरौंदा थाना कांड संख्या 225/18 में अप्राथमिकी अभियुक्त था। वह पिछले काफी समय से पुलिस की पकड़ से दूर और फरार चल रहा था। इसी बीच पुलिस को उसके छिपने के ठिकाने के संबंध में एक सटीक गुप्त सूचना प्राप्त हुई। सूचना के सत्यापन के बाद दरौंदा थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और आरोपी को धर दबोचा। इस संबंध में थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुप्त सूचना के आधार पर फरार आरोपी जितेंद्र यादव की गिरफ्तारी की गई है और उसे आज दिन सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भारतीय रेलवे ने पानी की टंकियों, फिल्टरों की सफाई और उन्हें कीटाणु मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया

भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पानी की टंकियों और फिल्टरों की सफाई और उन्हें कीटाणु मुक्त बनाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया है। यह पहल भारतीय रेलवे में पेयजल गुणवत्ता प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई व्यापक कार्य योजना का हिस्सा है। इस कार्य योजना में संपूर्ण पेयजल प्रणाली के नियमित निरीक्षण और रखरखाव पर जोर दिया गया है। इसमें पाइपलाइन के अंत में जल परीक्षण के साथ स्रोत और उपभोग स्थल दोनों पर जल गुणवत्ता परीक्षण करने पर भी बल दिया गया है। क्षेत्रीय रेलवे इस अभियान के दौरान जल स्रोतों, उपचार एवं निस्पंदन संयंत्रों, भूमिगत और ओवरहेड टैंक, पीवीसी टैंक, जल बूथ, नलों और जल वितरण बिंदुओं का व्यापक निरीक्षण करेगी। सभी पानी की टंकियों को खाली करके उनकी सफाई के बाद कीटाणुरहित किया जाएगा। इसके अलावा, वेंट और ओवरफ्लो बिंदुओं को पक्षियों, जानवरों और शैवाल से बचाने के लिए उचित सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे।

जलस्तर बढ़ने पर 12 विद्यालयों की पढ़ाई वैकल्पिक स्कूलों में

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के शाहपुर और बड़हरा प्रखंड में जलस्तर बढ़ने के कारण बाढ़ प्रभावित 12 विद्यालयों में पठन-पाठन की व्यवस्था समीपवर्ती विद्यालयों में की गई है। विद्यार्थियों की सुरक्षा और पढ़ाई की निरंतरता को देखते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर यह व्यवस्था लागू की गई है। कार्यालय आदेश के अनुसार 25 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक बाढ़ प्रभावित विद्यालयों के बच्चों की पढ़ाई संबंधित टैग किए गए विद्यालयों में कराई जाएगी। शाहपुर प्रखंड के छह और बड़हरा प्रखंड के छह विद्यालयों को समीपवर्ती विद्यालयों से जोड़ा गया है। शाहपुर के प्रभावित विद्यालयों में प्राथमिक विद्यालय लहुटोला, न्यू प्राथमिक विद्यालय सुरेमनपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सांसरपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लहटोला, प्राथमिक विद्यालय बुढ़ा राय के डेरा और उत्क्रमित मध्य विद्यालय पकड़ी शामिल हैं। वहीं बड़हरा प्रखंड के छह विद्यालयों को भी समीपवर्ती विद्यालयों में टैग किया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने संबंधित प्रधानाध्यापकों, प्रभारी प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को निर्देश दिया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वैकल्पिक विद्यालयों में सुचारु रूप से शिक्षण कार्य संचालित कराएं। साथ ही, यदि सूची के अतिरिक्त कोई अन्य विद्यालय बाढ़ से प्रभावित होता है तो उसकी सूचना तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

कमीशनिंग कार्य हेतु एनआई कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। रेलवे द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के क्रम में वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-पनियहवा खंड पर स्थित गोरखपुर कैंट-उनौला स्टेशनों के मध्य पैच दोहरीकरण के कमीशनिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में एनआई कार्य तथा 03 सितम्बर, 2026 को रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा - ट्रेनों का निरस्तीकरण - नरकटियागंज से 31 अगस्त से 03 सितम्बर, 2026 तक चलने वाली 55095 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। गोरखपुर कैंट से 31 अगस्त से 03 सितम्बर, 2026 तक चलने वाली 55098 गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। नरकटियागंज से 01 से 04 सितम्बर, 2026 तक चलने वाली 55097 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। मार्ग परिवर्तन कर चलायी जाने वाली ट्रेनें - अमृतसर से 01 एवं 02 सितम्बर, 2026 को चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा जननायक एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ-बाराबंकी-अयोध्या कैंट-वाराणसी जं.-छपरा ग्रामीण-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्गपरिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव मैंगलगंज, सीतापुर सिटी, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, घुघुली, सिसवाबाजार, खड्डा, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज, चनपटिया, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी एवं मोतीपुर स्टेशनों पर नहीं रहेगा। अमृतसर से 01 सितम्बर, 2026 को चलने वाली 14674 अमृतसर-जयनगर शहीद एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-वाराणसी जं.-वाराणसी सिटी-मऊ-भटनी के रास्ते चलाई जायेगी।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकरी अध्यक्ष का भगवान विष्णु एवं बुद्ध नगरी में जिलाअध्यक्ष अजय कुशवाहा ने भव्य स्वागत किए

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जद(यूड्ड) संजय झा का गया जी बोधगया कि पावन धरती पर जिला जद(यूड्ड) परिवार की ओर से इंजीनियर अजय कुशवाहा जी की अध्यक्षता मे भव्य स्वागत किया गया है। इस स्वागत कार्यक्रम मे विधायक मनोरमा देवी, पूर्व मंत्री विनोद प्रसाद यादव, चन्दन कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, शौकत अली, अलाकजेंदर खान, मधुसूदन राय, धनंजय शर्मा, अरुण कुमार राव, कैलाश पासवान, जितेन्द्र पंडित प्रजापति जिला प्रवक्ता, पुष्पेंद्र पुष्प, संजय मिश्रा कोषाध्यक्ष, दिनेश प्रसाद सिन्हा, सोनम दास, सत्येंद्र गौतम, सुरेन्द्र प्रसाद, प्रकाश पटवा, योगेंद्र कुशवाहा, वृजराज पाण्डेय, पप्पु दांगी, जितेन्द्र दास, बिनोद यादव, रामनारायण शर्मा, मितंबरा लोहरे, पिंकी देवी, गोपाल चंद्रवंशी, अलका सिंह, अरविंद वर्मा, प्रोफजर अरविंद प्रसाद, रिंकु शर्मा, संजीव कुमार, धीरेन्द्र वर्मा, अमरनाथ राय, गौतम कुमार, राजू वर्मा, संजय स्वर्णकार सहित जिला के पदाधिकारी, महिला, युवा, प्रखंड अध्यक्ष सहित सैंकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं।

नगर के शिव मंदिर में सावन की अंतिम सोमवारी पर किन्नर समाज ने किया प्रसाद वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

सावन महीने की अंतिम सोमवारी के अवसर पर जगदीशपुर नगर स्थित अति प्राचीन बाबा योगेश्वर नाथ शिव मंदिर में किन्नर समाज की ओर से प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने बाबा योगेश्वर नाथ के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान किन्नर समाज की स्वीटी मिश्रा ने कहा कि बाबा भोलेनाथ से प्रार्थना है कि सभी लोगों का जीवन खुशहाल रहे, वे उन्नति करें और निरंतर आगे बढ़ें। उन्होंने देश में आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द कायम रहने तथा देश के निरंतर तरक्की करने की कामना की। उन्होंने कहा कि सावन की अंतिम सोमवारी पर प्रसाद वितरण के इस आयोजन को लेकर समाज के लोगों में काफी उत्साह रहा। अगले वर्ष इससे भी व्यापक स्तर पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया जा सके। इस अवसर पर किन्नर समाज के लोगों के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

29 अगस्त को प्रारंभिक विद्यालयों में होगी अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी

सीवान/दारौंदा प्रारंभिक विद्यालयों में 29 अगस्त को खेलो और सीखो थीम पर अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया है। संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यालयी गतिविधियों में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर संवाद स्थापित करना है। इसके लिए विद्यालय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मार्गदर्शिका के अनुसार शिक्षक अभिभावकों से संवाद कर बच्चों की उपलब्धियों, प्रतिभाओं और प्रेरक उदाहरणों को साझा करेंगे। साथ ही बच्चों की शैक्षणिक प्रगति के अलावा स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता से जुड़े विषयों पर भी अभिभावकों से चर्चा की जाएगी।

रोटरी क्लब सीवान संकल्प का छठा पदस्थापन समारोह संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। रोटरी क्लब सीवान संकल्प का छठा पदस्थापन समारोह रविवार, 23 अगस्त 2026 को पकड़ी रोड स्थित श्री राम पैलेस, सीवान में समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह में रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए नवगठित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया और सेवा कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी जिला 3250 के साल 28 - 29 के जिला गवर्नर रोटेरियन डॉ. अजय कुमार रहे। बड़हरिया विधायक इंद्रदेव पटेल विशिष्ट अतिथि तथा एजी रोटेरियन राजेश गोल्ड विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंच संचालन रोटेरियन मधुमिता एवं रोटेरियन डॉ. श्वेता रानी ने किया। समारोह के दौरान रोटरी क्लब की सेवा भावना, सामाजिक सरोकारों और आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान नारी सशक्तीकरण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। रोटरी क्लब सीवान संकल्प की स्थापना से जुड़े पदाधिकारियों में चार्टर्ड प्रेसिडेंट ढलत्रःरोटेरियन डॉ. संजय कुमार सिंह एवं चार्टर्ड सेक्रेटरी रोटेरियन डॉ. पंकज कुमार चौरसिया शामिल हैं। क्लब के पूर्व अध्यक्षों में ढलत्रःरोटेरियन डॉ. प्रदीप कुमार (2024-25) तथा रोटेरियन सुधीर कुमार पाठक (2025-26) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वहीं रोटेरियन अमरेंद्र कुमार सिंह ने वर्ष 2025-26 में सचिव के रूप में क्लब की जिम्मेदारी संभाली थी। रोटरी क्लब सीवान संकल्प की वर्ष 2026-27 की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में अध्यक्ष रोटेरियन राजीव रंजन कुमार, सचिव डॉ. अजीत कुमार और कोषाध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव के अलावा विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। क्लब फाउंडेशन चेयर झ ढलत्रः रोटेरियन डॉ. संजय कुमार सिंह, सर्विस प्रोजेक्ट चेयर झ रोटेरियन डी. लाल, उपाध्यक्ष झ रोटेरियन रमाकांत सिंह, डायरेक्टर ऑफ कम्युनिटी सर्विस झ रोटेरियन आनंद मित्तल, क्लब ट्रेनर झ रोटेरियन डॉ. राकेश कुमार सिंह, प्रोजेक्ट चेयर झ रोटेरियन डॉ. पंकज चौरसिया, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट झ रोटेरियन सुधीर पाठक, प्रेसिडेंट इलेक्ट झ रोटेरियन अमरेन्द्र कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी झ रोटेरियन अमित सिंह, सार्जेंट-एट-आर्म्स - भारतभूषण पाण्डेय को शामिल किया गया है। नवगठित बोर्ड के नेतृत्व में रोटरी क्लब सीवान संकल्प द्वारा रोटरी वर्ष 2026-27 में स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, नारी सशक्तीकरण और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई गई। कार्यक्रम में रोटरी क्लब सीवान संकल्प के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। क्लब के सदस्यों में रोटेरियन डॉ. पंकज चौरसिया, ढलत्रःरोटेरियन डॉ. प्रदीप कुमार, रोटेरियन डॉ. अजीत कुमार सिंह, रोटेरियन सुधीर पाठक, रोटेरियन अमरेन्द्र कुमार सिंह, रोटेरियन आनंद मित्तल, रोटेरियन भारत भूषण पाण्डेय, रोटेरियन डॉ. पंकज कुमार सिंह, रोटेरियन डॉ. वी.के. चौरसिया, रोटेरियन नीलेश वर्मा, रोटेरियन राकेश सिंह, रोटेरियन अमित सिंह, रोटेरियन अशोक गुप्ता, रोटेरियन अतुल कुमार श्रीवास्तव, रोटेरियन औरंगजेब आलम, रोटेरियन डॉ. सुमित कुमार सिंह, रोटेरियन धीरेन्द्र लाल, रोटेरियन डॉ. राकेश सिंह, रोटेरियन मनोज कुमार सिंह, रोटेरियन ओमकिशोर गुप्ता, रोटेरियन प्रसून कुमार, रोटेरियन राकेश पाण्डेय, रोटेरियन डॉ. सुशील राय, रोटेरियन विजय कुमार सोनी, रोटेरियन मधुमिता, रोटेरियन डॉ. अनिता चौरसिया, रोटेरियन तबरेज आलम, रोटेरियन धर्मेंद्र सिंह, रोटेरियन डॉ. पुनीत आर. सिंह, रोटेरियन डॉ. रमाकांत सिंह, रोटेरियन धनंजय कुमार सिंह, रोटेरियन राकेश कुमार एवं रोटेरियन राकेश सहाय शामिल हुए। समारोह के दौरान रोटरी क्लब के सामाजिक एवं सेवा कार्यों में सहयोग देने वाले स्पॉन्सरों तथा पत्रकारों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक पहुंचकर सेवा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाना है। कार्यक्रम में रोटेरियन सदस्यों के अलावा डॉ. मनोज सिंह, डॉ. ओपी सिंह, जदयू कोषाध्यक्ष नागेंद्र पटेल सहित सीवान के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह में रोटरी क्लब के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

हापा और नाहरलगुन के मध्य चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर अहमदाबाद-उज्जैन-ग्वालियर- प्रयागराज-वाराणसी-छपरा-हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते गुजरात के जामनगर और अरुणाचल प्रदेश के नाहरलगुन के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 09525/09526 हापा-नाहरलगुन-हापा स्पेशल का गाड़ी सं. 19525/19526 हापा-नाहरलगुन-हापा एक्सप्रेस के रूप में नियमित परिचालन किया जाएगा। इसका नियमित परिचालन हापा से 23 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा नाहरलगुन से 26 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, शयनयान श्रेणी के 15, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 तथा द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच सहित कुल 21 कोच होंगे। गाड़ी सं. 19525 हापा-नाहरलगुन एक्सप्रेस 23 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को हापा से 00.40 बजे प्रस्थान कर गुरूवार को 15.30 बजे छपरा, 17.00 बजे हाजीपुर, 17.42 बजे शाहपुर पटोरी, 19.05 बजे बरौनी, 19.36 बजे बेगुसराय, 20.29 बजे खगड़िया, 21.31 बजे नवगछिया, 23.10 बजे कटिहार सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए शुक्रवार को 16.00 बजे नाहरलगुन पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 19526 नाहरलगुन-हापा एक्सप्रेस 26 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को नाहरलगुन से 09.40 बजे प्रस्थान कर रविवार को 01.20 बजे कटिहार, 02.18 बजे नवगछिया, 03.20 बजे खगड़िया, 03.54 बजे बेगुसराय, 04.35 बजे बरौनी, 05.34 बजे शाहपुर पटोरी, 07.00 बजे हाजीपुर, 09.20 बजे छपरा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए मंगलवार को 00.15 बजे हापा पहुंचेगी।

प्लेटफॉर्म पर कई फीट तक घिसटता रहा युवक, पीठ बुरी तरह जख्मी

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। जमालपुर-किऊल रेलखंड के धरहरा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रेन से उतरने के दौरान पैर फिसलने से एक युवक प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर गिर गया और कई फीट तक घिसटता चला गया। इस हादसे में युवक की पीठ बुरी तरह छिल गई और शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। सेना में हुआ है चयन, पूजा कर लौट रहा था परिवार : जख्मी युवक की पहचान नौगछिया जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के मकानपुर गांव निवासी अरुण कुमार राम के पुत्र सुजीत कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुजीत का हाल ही में भारतीय सेना में चयन हुआ है। परिजनों के मुताबिक वह अपनी मां ममता देवी, ननिहाल के प्रकाश दास सहित परिवार के 13 सदस्यों के साथ अशोक धाम में पूजा करने गया था। पूजा-अर्चना के बाद सभी 63424 डाउन किऊल-जमालपुर डीएमयू ट्रेन से धरहरा लौट रहे थे। सबको उतारा, खुद फिसल गया : मां ममता देवी ने बताया कि धरहरा स्टेशन पर परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित उतारने के बाद सुजीत सबसे आखिर में उतर रहा था, तभी ट्रेन खुल गई। चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में उसका पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म पर गिरकर घिसटने लगा। चीख-पुकार सुनकर स्टेशन पर मौजूद ग्रामीण और जीआरपी/आरपीएफ के जवान दौड़े और युवक को किसी तरह बाहर निकाला। सदर अस्पताल रेफर : घायल को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरहरा लाया गया, जहां डॉ. धीरज कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। फिलहाल युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद स्टेशन पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में पेपर लीक, प्लांट पैथोलॉजी का पेपर रद्द

रायपुर, एजेंसी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी कृषि की परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में एक और परीक्षा रद कर दी गई है। सात अगस्त को हुई कृषि प्रथम वर्ष की पादप रोगविज्ञान की परीक्षा भी रद कर दी गई है। इससे पहले 20 अगस्त को द्वितीय वर्ष के कीट विज्ञान का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा निरस्त की गई थी। पुलिस जांच में गिरफ्तार मुख्य आरोपित सहायक प्राध्यापक योगेश सोनकेसरिया से पूछताछ में इस प्रश्नपत्र को भी परीक्षा से पहले बाहर निकालकर छात्रों तक पहुंचाए जाने की जानकारी सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने दूसरी एफआइआर दर्ज की है। विश्वविद्यालय की आपात बैठक में निर्णय लिया गया कि दोनों परीक्षाएं सितंबर के पहले सप्ताह में दोबारा कराई जाएंगी। भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग को परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने में लापरवाही के लिए नोटिस जारी किया गया है। जांच में पता चला कि सात अगस्त की परीक्षा का प्रश्नपत्र 10 हजार रुपये में बेचा गया। पेपर लीक प्रकरण में लापरवाही बरतने के आरोप में भारती कृषि कालेज, दुर्ग के प्राचार्य डॉ. एके दुबे को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं, गिरफ्तार सहायक प्राध्यापक योगेश को भी सेवा से हटा दिया गया है।मुख्य आरोपित प्रोफेसर ने 10 हजार में बेचा था प्रश्नपत्र, दूसरी एफआइआर दर्ज, कालेज के प्राचार्य व गिरफ्तार सहायक प्राध्यापक को सेवा से हटाया अब पासवर्ड प्रोटेक्टेड ईमेल से भेज रहे पेपर पेपर लीक के बाद विश्वविद्यालय ने प्रश्नपत्र भेजने की प्रक्रिया में बदलाव किया है।

पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद से संबंधों के आरोप में जयपुर की महिला गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान एटीएस ने जयपुर की एक महिला को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोगों के संपर्क में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला पर ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है, जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती हैं। आरोपी की पहचान बबीता धारकड़ उर्फ खदीजा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से गंगापुर सिटी की रहने वाली है और कई साल से जयपुर में रह रही थी। एटीएस के मुताबिक महिला को खुफिया जानकारी मिलने के बाद रविवार को हिरासत में लिया गया था। उसके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच में कई संदिग्ध चीजें सामने आने का दावा किया गया है। एटीएस अधिकारियों के मुताबिक महिला के मोबाइल की फोरेंसिक जांच की गई। इसमें दो सिम कार्ड और एक फेसबुक अकाउंट मिला। जांचकर्ताओं का दावा है कि फेसबुक अकाउंट पर कुछ आपत्तिजनक सामग्री और विदेशी प्रोफाइल के लिंक मौजूद थे। अधिकारियों के मुताबिक इनमें कुछ ऐसे अकाउंट भी थे, जिन पर जैश-ए-मोहम्मद और दूसरे चरमपंथी संगठनों से जुड़े प्रतीक और सामग्री दिखाई दे रही थी। कुछ प्रोफाइल पर हथियारबंद लोगों की तस्वीरें होने की बात भी सामने आई है। जांच के दौरान महिला के वाटसएप की भी जांच की गई। एटीएस का कहना है कि उसके फोन में कई पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के साथ बातचीत मिली है। इसके अलावा कुछ दूसरे विदेशी नंबर भी मिले हैं। इन नंबरों का किसी आतंकी संगठन या उसके सदस्यों से संबंध है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ में महिला ने कथित तौर पर बताया कि वह पाकिस्तान में रहने वाले एक धार्मिक मौलवी के संपर्क में आई थी। उसके संपर्क में रहने के दौरान ही उसने इस्लाम धर्म अपनाया। एटीएस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या पाकिस्तान में मौजूद लोगों की ओर से महिला को पाकिस्तान भेजने की कोशिश की जा रही थी। एटीएस अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती पूछताछ में कुछ संदिग्ध बातें सामने आई हैं। अब महिला के मोबाइल, सोशल मीडिया, बातचीत और वित्तीय लेनदेन की जांच की जा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला के पाकिस्तानी संपर्क सिर्फ व्यक्तिगत स्तर के थे या उनका संबंध किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से था।

पंजाब में कैमरों का खौफ भी बेअसर! 41 लाख से ज्यादा चालान, फिर भी नियम तोड़ने से बाज नहीं आ रहे चालक

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में यातायात नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए पुलिस की सख्ती लगातार बढ़ रही है। सड़कों पर निगरानी के लिए कैमरे लगाए गए हैं, ई-चालान व्यवस्था को मजबूत किया गया है और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद वाहन चालकों की आदत बदलती नजर नहीं आ रही। जितनी सख्ती बढ़ी, उतनी ही तेजी से चालान भी बढ़ते गए। वर्ष 2026 में छह अगस्त तक प्रदेश में 41,37,775 ई-चालान जारी हो चुके हैं। यह वर्ष 2025 में पूरे साल हुए 20.46 लाख चालानों के दोगुने से भी ज्यादा हैं। आंकड़े बताते हैं कि पंजाब की सड़कों पर पुलिस की नजर जरूर तेज हुई है, लेकिन लोगों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जिम्मेदारी की भावना उस रफ्तार से नहीं बढ़ी। सवाल अब यह है कि जब चालान का डर भी वाहन चालकों की आदत नहीं बदल पा रहा तो आखिर वे कब सुधरेंगे? पंजाब में ई-चालान और कैमरा आधारित निगरानी का दायरा बढ़ने के साथ नियम तोड़ने वालों की पहचान आसान हुई है। बीते सालों में हुए चालानों की गिनती- 2026 में छह अगस्त तक ही 41.38 लाख चालान काटे जा चुके हैं। यानी सात माह से भी कम समय में पिछले पूरे साल के मुकाबले दोगुने से अधिक

कार्रवाई हो चुकी है। चालान की बढ़ती संख्या का एक पहलू यह भी है कि तकनीक ने पुलिस की पकड़ मजबूत कर दी है। पहले सड़क पर पुलिसकर्मी की मौजूदगी ही कार्रवाई का मुख्य माध्यम थी, लेकिन अब कैमरे नियम तोड़ने वाले वाहन की पहचान कर लेते हैं। इसके बावजूद उल्लंघन जारी रहना बताता है कि कई वाहन चालक नियमों को गंभीरता से नहीं ले रहे। लालबत्ती पार करना, निर्धारित गति से अधिक रफ्तार, गलत पार्किंग और अन्य नियमों की अनदेखी जैसे मामलों में चालान लगातार हो रहे हैं। इससे साफ है कि समस्या केवल निगरानी की नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव की भी है। दिलचस्प पहलू यह है कि चालान की संख्या बढ़ने के बावजूद सरकार को मिलने वाला राजस्व उसी अनुपात में नहीं बढ़ा। वर्ष 2025 में 20.46 लाख चालानों से 123.04 करोड़ रुपये मिले थे। इसके विपरीत 2026 में छह अगस्त तक 41.38 लाख चालान जारी होने के बावजूद सरकार को सिर्फ 49.02 करोड़ रुपये मिले हैं। प्रति चालान औसत राजस्व भी लगातार घटा है। वर्ष 2024 में यह करीब 1370 रुपये, 2025 में 601 रुपये और 2026 में अब तक सिर्फ 118 रुपये रह गया है। इससे बड़ी संख्या में चालानों के लंबित रहने या उनकी वसूली न होने की स्थिति सामने आती है। ट्रैफिक चालान का उद्देश्य सरकार की कमाई बढ़ाना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए बाध्य करना और सड़क हादसों को रोकना है। इसलिए 41 लाख से ज्यादा चालान अपने आप में उपलब्धि नहीं माने जा सकते, यदि इसके बावजूद लोग बार-बार वही गलतियां दोहराते रहें। अब जरूरत सिर्फ चालान काटने की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि बार-बार नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्रवाई और लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने की है।

गणेश प्रतिमा के जुलूस में फेंके गए अंडे तो भड़के महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे

मुंबई एजेंसी। गणेशोत्सव को देखते हुए महाराष्ट्र में तैयारियां जोरशोर से शुरू हो गई हैं और प्रतिमाएं आने लगी हैं। कई जगहों पर भगवान गणेश के आगमन पर जुलूस निकाले गए। मुंबई में भी बड़े-बड़े पांडालों में भव्य प्रतिमाएं रखी जा रही हैं। वहीं मझगांव में गणेश प्रतिमा लाते वक्त दो समूहों में झड़प हो गई जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। मझगांव में बड़ी संख्या में पुलिसबल की तैनाती है। जानकारी के मुताबिक पांडाल से थोड़ी ही दूर पर एक इमारत से जुलूस पर अंडे फेंके गए। इसके बाद दो गुटों में तनाव बढ़ गया। इसी बीच महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने, अगर इस तरह की घटनाएं होंगी तो याद रखें। ईद भी आ रही है। नितेश राणे ने कहा, यहां 90 प्रतिशत हिंदू रहते हैं। हिंदू त्योहारों का विरोध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर हिंदू त्योहारों, गणेशोत्सव, जुलूसों पर पत्थर फेंकने और अंडे फेंकने की घटनाएं होती हैं।

ट्रेन में मिले सूटकेस का खौफनाक सचः चेन्नई के घर से जुड़े हत्या के तार, दो संदिग्ध फरार

चेन्नई, एजेंसी। आगरा में एक ट्रेन के सूटकेस में सड़े-गले शरीर के अंग मिलने के कुछ हफ्तों बाद चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस चेन्नई के एक घर कर पहुंची, जहां इस खौफनाक घटना से जुड़े राज छिपे थे। पुलिस ने अब इन शरीर के अंगों की पहचान ओडिशा की रहने वाली 38 साल की हयुथन निशा के तौर पर की है। पुलिस को मिले दो संदिग्धों ने उनकी हत्या की और उनके शव के टुकड़े कर दिए।

5 अगस्त को ट्रेन चेन्नई सेंट्रल से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। आगरा रेलवे स्टेशन पर, यात्रियों को एक सूटकेस से बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी गई। जब रेलवे पुलिस ने सूटकेस खोला, तो उन्हें इंसानी शरीर के सड़े-गले अंग मिले। इसके तुरंत बाद जांच शुरू हुई।

सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान, आगरा रेलवे पुलिस को दो संदिग्ध दिखे और उन्होंने चेन्नई सेंट्रल रेलवे पुलिस को इसकी जानकारी दी। फुटेज के आधार पर, चेन्नई सेंट्रल रेलवे पुलिस ने पाया कि दो संदिग्ध उसी तरह की ट्रॉली के साथ ट्रेन में चढ़े थे। संदिग्धों की पहचान माणिक उद्दीन लस्कर और भगवती माझी के तौर पर हुई। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने चेन्नई के गुडुवांचेरी में उनके घर का पता लगाया। जब घर की तलाशी ली गई, तो कथित तौर पर खाना पकाने वाले एक बर्तन में शरीर के और भी सड़े-गले अंग मिले।

दोनों संदिग्ध फरारः पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हम पूछताछ कर रहे हैं। जब हम दोनों संदिग्धों को पकड़ लेंगे, तो हत्या की वजह पता चल जाएगी। दोनों संदिग्ध फरार हैं।

वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर यह साफ हो जाएगा कि शरीर के अंग एक ही व्यक्ति के हैं या नहीं। पीड़िता के बेटे की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है।

जयपुर के परकोटे में हिंदुओं के पलायन के खिलाफ विशाल जन आक्रोश रैली

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के पुराने शहर (परकोटे) से बहुसंख्यकों हिंदुओं के बढ़ते पलायन के खिलाफ रैली निकाली गई। शहर के सामाजिक संगठन युवा शक्ति मंच की ओर से निकाली गई जन आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवा शामिल हुए। रैली में शामिल सभी लोगों ने केसरियां साफा पहनने के साथ ही हाथों में भगवा ध्वज लहाया। रैली में

दुपहिया एवं चार पहिया वाहनों के साथ ही ऊंट गाड़ियों में सवार होकर लोगों ने बहुसंख्यकों के पलायन के खिलाफ नारेबाजी की। पलायन रोकने की मांग को लेकर निकाली गई रैली में शामिल लोगों ने कहा, सुरक्षा, रोजगार एवं बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लोग अपने पुश्तैनी घर छोड़कर दूर जाकर बस रहे हैं। एक वर्ग विशेष के दबाव में बहुसंख्यक पलायन कर रहे हैं। रैली में शामिल महिलाओं ने कहा कि सरकार चारदीवारी क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए और बहुसंख्यकों को सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए। युवा शक्ति मंच के संयोजक सुनील सिंह ने कहा कि मतांतरण पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब बहुसंख्यकों को पलायन नहीं करने को लेकर जागरूक किया जाएगा।

ट्रंप के दामाद की डेमोक्रेट नेता से मुलाकात, मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी हलचल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद व बाहरी सलाहकार जरेड कुशनर ने हाल ही में न्यूयॉर्क में निजी मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब नवंबर के मध्यावधि चुनाव में यह तय होना है कि प्रतिनिधि सभा किसका नियंत्रण होगा। अगर डेमोक्रेट रिपब्लिकन से प्रतिनिधि सभा में बहुमत छीन लेते हैं, तो माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस उनके साथ काम करने के रास्ते तलाश सकता है।

मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात

न्यूयॉर्क टाइम्स ने रविवार को सबसे पहले इस मुलाकात की सूचना दी। बातचीत में आवास, आव्रजन और बढ़ती महंगाई जैसे कई मुद्दे शामिल रहे। अमेरिका में लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं। डेमोक्रेट इसके लिए ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका आरोप है कि सरकार महंगाई को काबू करने में नाकाम रही है।

कुशनर ने जेफरीज को व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स से आगे की बातचीत के लिए मिलने का सुझाव दिया। नवंबर में अगर डेमोक्रेट फिर से सत्ता में आते हैं, तो जेफरीज के हाउस स्पीकर बनने की संभावना है। जेफरीज ने रविवार को दिए बयान में इस निजी बातचीत का जिक्र नहीं

किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सरकार को अपनी मेरी बात मानो या रास्ता छोड़ो वाली नीति छोड़नी चाहिए। उनके मुताबिक, यह नीति अमेरिकी लोगों के लिए नाकाम रही है।

न्यूयॉर्क से सांसद जेफरीज ने कहा कि इस समस्या को रोकने के लिए वे कई बार साफ कर चुके हैं कि सख्ती का तरीका काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या रिपब्लिकन भी उनके साथ आएंगे।

इस मुलाकात से इस बात का संकेत मिल रहा है कि रिपब्लिकन पार्टी को कांग्रेस में अपना बहुमत खोने की कितनी चिंता है। खासकर प्रतिनिधि सभा को लेकर चिंता ज्यादा है। व्हाइट हाउस भी राष्ट्रपति पर पड़ने वाले संभावित राजनीतिक असर को रोकने के लिए विपक्षी डेमोक्रेट से संपर्क बढ़ाना चाहता है। अगर नवंबर के चुनाव में डेमोक्रेट प्रतिनिधि सभा का बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे सरकार के कामकाज की कड़ी जांच कर सकते हैं। जेफरीज प्रशासन के कुछ लोगों को धोखेबाज कह चुके हैं। ऐसे में डेमोक्रेट के पास महाभियोग चलाने समेत सरकार पर दबाव बनाने के कई विकल्प होंगे। ट्रंप के करीबी सहयोगी और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को इस मुलाकात के बारे में सवाल पूछे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कुशनर की भूमिका को कम करके बताया।

ईरान का दावाः खोज निकाला नया गैस भंडार, 15 साल तक होगी आपूर्ति

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दक्षिणी फार्स प्रांत में एक नया गैस क्षेत्र खोजने का दावा किया है। ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने यह जानकारी दी। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के मुताबिक, इस नए गैस क्षेत्र में करीब 7,500 अरब घन फीट गैस होने का अनुमान है।

पाकनेजाद ने रविवार को कहा कि 7,500 अरब घन फीट गैस की खोज हुई है। उन्होंने बताया कि 73 प्रतिशत गैस निकाली जा सकती है। इसके हिसाब से करीब 5,700 अरब घन फीट गैस निकालना संभव है। उन्होंने दावा किया कि यह मात्रा दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र के एक ब्लॉक के बराबर है और इससे 15 साल तक गैस की आपूर्ति की जा सकती है। पाकनेजाद ने कहा कि नई खोजी गई स्वीट गैस है। इसका मतलब है कि इसमें सल्फर जैसी अशुद्धियां कम होती हैं। इससे गैस क्षेत्र को विकसित करने और संचालित करने की लागत कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस खोज में गैस कंडेनसेट भी मिला है। यह गैस के साथ निकलने वाला एक तरह का तरल ईंधन होता है। पाकनेजाद ने कहा कि इससे ईरान को अरबों डॉलर की

नई संपत्ति मिल सकती है।

ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय ने क्या कहाः इस बीच, शनिवार को ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की समाचार एजेंसी सना ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की फेज-14 रिफाइनरी को लेकर जानकारी दी। एजेंसी के मुताबिक, यहां उत्पादन क्षमता बहाल करने का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके ईरानी कैलेंडर वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

पार्स ऑयल एंड गैस कंपनी के प्रमुख तुराज देहघानी ने बताया कि रिफाइनरी पर 12 दिन के युद्ध के दौरान हमला हुआ था। इसके तुरंत बाद दोबारा निर्माण का काम शुरू कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी की तीन क्षतिग्रस्त उत्पादन इकाइयों को 10 दिन से भी कम समय में फिर से चालू कर दिया गया।

देहघानी ने कहा कि चौबीसों घंटे काम और विस्तार से बनाई गई योजना के कारण आखिरी क्षतिग्रस्त उत्पादन इकाई भी साल के अंत तक फिर से उत्पादन शुरू कर देगी। उन्होंने बताया कि पार्स ऑयल एंड गैस कंपनी और नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी को दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की तीसरी और पांचवीं रिफाइनरी के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है। इन चार प्रभावित रिफाइनरी में इन दोनों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था। उन्होंने कहा कि दोनों रिफाइनरी की सुरक्षा और मलबा हटाने का काम दो महीने से भी कम समय में पूरा कर लिया गया। देहघानी ने कहा कि काम में काफी जोखिम था, लेकिन इसके बावजूद कोई दुर्घटना नहीं हुई।

अधिकृत देशों के होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने रविवार को कहा कि अधिकृत देशों के जो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरेंगे, उन्हें अब तेहरान को सेवा शुल्क देना होगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शुल्क समुद्री, पर्यावरण और लॉजिस्टिक से जुड़ी कई तरह की सेवाओं के लिए लिया जाएगा।

सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, यह फैसला होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक कार्रवाई योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया है।

रेजाई ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग ने इस योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति पाने वाले देशों के जहाजों को ईरान की ओर से दी जाने वाली सेवाओं का भुगतान करना होगा।

जहाजों से किस वजहों से शुल्क लिया जाएगाः उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में जहाजों की आवाजाही के लिए मदद, पर्यावरण से जुड़ी सेवाएं, कुछ परिस्थितियों में ईंधन, बीमा, सुरक्षा और दूसरी सेवाएं शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि भुगतान के लिए लचीली वित्तीय व्यवस्था तैयार की गई है।

उन्होंने कहा कि शुल्क ईरानी रियाल या इस्लामी गणराज्य ईरान की ओर से पसंद की जाने वाली किसी दूसरी मुद्रा में लिया जा सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद हैः रेजाईः इससे पहले शनिवार को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा था कि जब तक अमेरिका अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक यह जलमार्ग दोबारा नहीं खोला जाएगा। आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और अमेरिका का रवैया ठीक होने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी।

रेजाई ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका सैन्य विकल्पों से निराश हो चुका है और अब आर्थिक नाकाबंदी के जरिये ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकाबंदी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर देगी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र बताया गया है।

कैब बुक करते ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसेः एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इन्सान का किसी न किसी एआई डिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक डिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को ट्रैक कर पुलिस की मदद कर रही है। सड़क पर गलती की तो डिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वेडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचैट जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है। चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई हैं। इसी का नतीजा हैं बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है। ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रॉसरी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि वह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है। जहां अमेरिकी कंपनियां ज्यादातर चैटबॉट्स और सुपरह्यूमन इंटेलिजेंस के अनिश्चित लक्ष्य पर केंद्रित हैं, वहीं चीन सरकार चाहती है कि एआई सीधे फैक्ट्रियों और दुकानों में इस्तेमाल होकर अर्थव्यवस्था को नई ताकत दें।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496